सूर्योदय 6.05 सूर्यास्त 6:28

आज का तापमान

शिमला	16.5 न्यू	23.0 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,781
निफ्टी	23,398
सोना 1,52,000	चांदी 2,29,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 14 सितंबर 2026 | 29 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 140, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

गोवा में 'आप' ने गोवा फॉरवर्ड-पार्टी के साथ किया गठबंधन

एजेंसी, पणजी। गोवा फॉरवर्ड पार्टी और आम आदमी पार्टी ने मिलकर 'गोवा फर्स्ट' गठबंधन बनाया है। दोनों दलों ने इसे गोवा के लोगों को असली विकल्प देने की पहल बताया। आप के संयोजक (कन्वीनर) अरविंद केजरीवाल गोवा दौरे पर हैं। इसी दौरान यह फैसला लिया गया। फरवरी 2027 में गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2022 के चुनावों में आप ने राज्य की 40 में से 39 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उसे दो सीटें मिली थीं। वहीं, पार्टी को 6.7% वोट मिले थे। 2022 में गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में सिर्फ 3 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उसे 1 सीट पर जीत मिली थी।

ममता को बागियों का ऑफर- नंदीग्राम से उपचुनाव लड़ें

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी गुट ने कहा है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव लड़ती हैं, तो वह अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। ऋतब्रत ने कहा कि वे ममता को विधानसभा में वापस देखना चाहते हैं और नंदीग्राम से उनका चुनाव लड़ना बेहतर होगा। ऋतब्रत ने बताया कि उनके गुट ने उपचुनाव के लिए उम्मीदवार लगभग तय कर लिया है, लेकिन ममता के चुनाव लड़ने की स्थिति में नाम वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ममता निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर भी मैदान में उतरती हैं, तब भी उनका गुट उनके खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारेगा।

बंगाल में 252 मदरसों को बंद करने का आदेश

एजेंसी, कोलकाता। कोलकाता में पश्चिम बंगाल सरकार ने 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। करीब 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। सरकार का दावा है कि राज्यभर में हुए सर्वे में इन संस्थानों के पास जरूरी मंजूरी और बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलीं। यह कार्रवाई अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग ने की है। आदेश जारी करने के बाद सरकार ने रविवार को बताया कि जरूरी मंजूरी वाले मदरसे चलते रहेंगे। नोटिस पाने वाले मदरसों पर उनके जवाब की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। इससे पहले 2026 के बजट में बंगाल सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया था। यानी बजट में लगभग 3600 करोड़ की कटौती हुई थी।

एसबीआई का दावा- लोन और ईएमआई फिर होंगे महंगे

एजेंसी, नई दिल्ली। आने वाले दिनों में होम लोन और कार लोन महंगा हो सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रिसर्च में दावा किया है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई अक्तूबर की क्रेडिट पॉलिसी में रेपो रेट 0.25% बढ़ा सकता है, इसके बाद दिसंबर में भी इतनी ही बढ़ोतरी कर सकता है। यानी 0.50% तक रेपो रेट बढ़ सकते हैं। अगस्त में हुई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट को लगातार चौथी बार 5.25% पर स्थिर रखा था।

पीएम मोदी ने ब्रिक्स समिट की सफलता पर नेताओं और टीमों को दी बधाई, चीन करेगा अगले सम्मेलन की मेजबानी

ब्रिक्स से अब दुनिया वादे नहीं, रिजल्ट चाहती है: मोदी

- कहा- टेक्नोलॉजी-मिनरल्स को हथियार बनाना गलत
- महामारी और जलवायु आपदाओं से मिली सीख, दुनिया एक-दूसरे से जुड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। ब्रिक्स समिट का समापन हो गया है। समिट के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी और जरूरी मिनरल्स को हथियार की तरह इस्तेमाल करना गलत है। इससे दुनिया की तरक्की पर असर पड़ता है।

पीएम मोदी ने कहा कि महामारी, जलवायु आपदाओं और सप्लाई चेन में रुकावटों ने दिखाया है कि दुनिया के देश एक-दूसरे से जुड़े हैं। एक जगह आया संकट दूसरे देशों को भी प्रभावित कर सकता है। उन्होंने ब्रिक्स देशों से आपसी सहयोग बढ़ाने और मजबूत सप्लाई चेन बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में भारत मंडपम में सदस्य देशों के नेताओं का ग्रुप फोटो सेशन हुआ। इस दौरान ब्रिक्स मोदी के दोनों ओर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नजर आए। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स अब अपने तीसरे दशक में प्रवेश करने जा रहा है। दुनिया को अब ब्रिक्स से सिर्फ विचार और वादे नहीं, बल्कि ठोस नतीजों की उम्मीद है। मुझे भरोसा है कि हम मिलकर इन उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। उन्होंने अगले ब्रिक्स समिट की मेजबानी के लिए चीन को शुभकामनाएं दीं। साथ ही, नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स समिट को सफल बनाने के लिए सभी नेताओं और उनकी टीमों की सराहना की।

अंत में उन्होंने सभी को सुरक्षित और सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में प्रकृति को मां के समान माना जाता है। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि दोनों को साथ लेकर चलना जरूरी है।

वहीं, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने ब्रिकस समिट से इतर यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है और कई क्षेत्रीय मुद्दों पर दोनों देशों के रुख अलग हैं।

ब्रिक्स देशों में मजबूत होगी सामान की सप्लाई

ब्रिक्स समिट के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देशों के बीच सामान की सप्लाई को ज्यादा भरोसेमंद और मजबूत बनाने के लिए ब्रिक्स लॉजिस्टिक सप्लाई चेन कोऑपरेशन फ्रेमवर्क मदद करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के स्टार्टअप्स को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क बनाया जाएगा। इसके साथ ही नए और बड़े स्तर पर काम आने वाले आइडिया को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड का प्रस्ताव रखा गया है।

ग्लोबल साउथ का ब्रिक्स पर बढ़ा भरोसा: मोदी

ब्रिक्स समिट के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों का ब्रिक्स पर भरोसा बढ़ा है, क्योंकि यहां उनकी बात सुनी जाती है और उनके अनुभवों को महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की सबसे बड़ी ताकत उसकी अलग-अलग देशों की विविधता और आपसी सहयोग है। ब्रिक्स समिट के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि 'ब्रिक्स कनेक्ट' के जरिए लोगों को काम के लिए जरूरी स्किल सिखाने, रोजगार बढ़ाने और महिलाओं को ज्यादा काम के मौके देने पर काम किया गया है। छोटे कारोबारों को मदद देने के लिए ब्रिक्स एमएसएमई पोर्टल शुरू किया गया है। इससे छोटे कारोबारी नई जानकारी, पैसे और नए बाजार से जुड़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि शहरों में आने-जाने की व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए भी ब्रिक्स देशों के बीच अनुभव साझा किए जाएंगे।

2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में लागू होगा यूसीसी: अमित शाह

- कहा- भाजपा देशभर में एक महीने चलाएगी सेवा संकल्प अभियान

एजेंसी, मुंबई। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में कहा कि बीजेपी-एनडीए शासित 21 राज्यों में 2029 से पहले यूसीसी लागू कर दी जाएगी। अगला लोकसभा चुनाव 2029 में होना है।

उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूसीसी पूरी तरह लागू है। फिलहाल यूसीसी लागू करने वाला यह इकलौता राज्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में विधानसभा से प्रस्ताव पारित हो चुका है। राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने यूसीसी लागू करने के लिए कानून का मसौदा तैयार करने वाली समितियां गठित की जा चुकी हैं। शाह मुंबई में भाजपा के सेवा संकल्प अभियान की लॉन्चिंग के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 साल की सार्वजनिक सेवा पूरी होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक देशभर में महीनेभर चलने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जाएगा। यह अभियान हर जिले, लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ प्रत्येक मतदान केंद्र तक पहुंचेगा। शाह ने कहा कि इस अभियान में पूरा एनडीए गठबंधन, स्वयंसेवी संगठन और देशभर के लोग भाग लेंगे। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर होगी। वहीं, 6 अक्तूबर 2026 को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री संयुक्त रूप में उनके कार्यकाल के 25 साल पूरे होंगे। हालांकि, पूरे देश में अभियान चलाने के अलावा पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी स्पेशल आयोजन किया जाएगा।

सीएम सुक्खू फिर जाएंगे दिल्ली, केंद्र के समक्ष उठाएंगे हिमाचल के मुद्दे

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के वित्तीय हितों की रक्षा और विकास कार्यों को गति देने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू एक बार फिर दिल्ली का रुख करेंगे। आगामी 18 और 19 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री वित्त एवं योजना विभाग के आला अधिकारियों के साथ हिस्सा लेंगे।

इस दौरान वह केंद्र सरकार के समक्ष हिमाचल की आर्थिक स्थिति और राज्य की प्राथमिकताओं को मजबूती से रखेंगे। बैठक में प्रधान सचिव देवेश स्न्हह्दद्ध और राज्य योजना सलाहकार रविंद्र कुमार भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहेंगे। राज्य सरकार ने बैठक को लेकर अपना डिमांड ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इसके लिए विभागीय स्तर पर बैठकों का दौर पूरा किया जा चुका है और अधिकारियों की ओर से तैयार किए गए प्रेजेंटेशन के प्रारूप को मुख्यमंत्री की मंजूरी मिल गई है। सरकार की ओर से बैठक में हिमाचल के वित्तीय हितों, विकास योजनाओं और राज्य की आवश्यकताओं से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री केंद्र से राज्य को अपेक्षित सहयोग और संसाधन उपलब्ध करवाने की मांग रख सकते हैं। पिछले दो वर्षों की तरह इस बार भी मुख्यमंत्री सुक्खू स्वयं नीति आयोग के मंच पर हिमाचल का पक्ष रखेंगे।

भारत ने चीन को 1-0 से हराकर जीता महिला जूनियर हॉकी एशिया कप

एजेंसी, मोकी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने रविवार को मेजबान चीन को 1-0 से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार महिला जूनियर एशिया कप का खिताब जीतकर खिताबी हैट्रिक पूरी की। साथ ही भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। भारत की जीत की नायिका सानिका चंद्रकांत माने रहीं, जिन्होंने मैच के 17वें मिनट में शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। उनका यह गोल अंत तक निर्णायक साबित हुआ। हॉकी इंडिया ने कहा कि टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 3 लाख रुपए, जबकि सपोर्ट स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

शहीद नायक मलकीत का अदम्य साहस व सर्वोच्च बलिदान सदैव राष्ट्र को प्रेरणा देता रहेगा: सीएम सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंजाब के पटियाला जिले के गांव हडाना में कारगिल युद्ध के अमर शहीद नायक मलकीत सिंह की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने शहीद नायक मलकीत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके अदम्य साहस और राष्ट्र के लिए दिए सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर शहीद के परिवारजनों से संवाद किया और उनके प्रति सम्मान एवं संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिक राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। शहीद नायक मलकीत सिंह का अदम्य साहस, वीरता और मां भारती के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद नायक मलकीत सिंह की वीरगाथा आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति और देश की सेवा के लिए सदैव प्रेरित करती रहेगी। राष्ट्र अपने वीर शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकता। ऐसे अमर सपूतों की शहादत देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों वाला जहाज डूबा, 6 की मौत

एजेंसी, जकार्ता। इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें छह लोगों की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 130 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है।

विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीम ने जहाज की आखिरी लोकेशन की ओर कई जहाज और एक हेलिकॉप्टर भेजा है। बंजारमासिन स्थित सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, जहाज में सफर के दौरान कम्युनिकेशन फेलियर हुआ था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। जहाज की आखिरी लोकेशन जावा सागर में बंजारमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर मिली है।

वनतारा से 13 माह बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी

एजेंसी, कोल्हापुर। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया। महादेवी को जुलाई 2025 में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे। मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 9 सितंबर 2026 को हाई पावर कमेटी ने नांदणी की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर भेजने का आदेश दिया था। कोल्हापुर के नांदणी में माधुरी को 1992 में लाया गया था। तब वह सिर्फ 4 साल की थी।

मलेशियाई पीएम राहुल गांधी से मिले साथ नाश्ता किया, बताया गुड फ्रेंड

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं।

यह मीटिंग ब्रिक्स समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया, लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और पीएम इब्राहिम ने एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की हैं। इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त राहुल गांधी से एक बार फिर मिलने का मौका मिला। हमने हाल के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने विचार शेयर किए। मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम पिछले 8 सालों के दौरान तीन बार भारत आए। हर बार उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात जरूर की। राहुल गांधी और अनवर इब्राहिम की पहली मुलाकात जनवरी 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। उस समय अनवर मलेशिया के प्रधानमंत्री नहीं थे। वे पीकेआर के अध्यक्ष और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री के तौर पर रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने भारत आए थे। तब राहुल कांग्रेस अध्यक्ष थे।

बुजुर्गों के सम्मानजनक जीवन के लिए केंद्र ने 142 मंजूर किए नए वृद्धाश्रम

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर में वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा, कल्याण और गरिमापूर्ण जीवन को सुनिश्चित करने के लिए 142 नए वरिष्ठ नागरिक गृह (वृद्धाश्रम) मंजूर किए हैं। अब तक 2.88 लाख से अधिक बुजुर्गों को आश्रय, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य जांच और फिजियोथेरेपी जैसी अनिवार्य सहायता सेवाओं से लाभान्वित किया जा चुका है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के मुताबिक, वरिष्ठ नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने, रोजमर्रा की देखभाल उपलब्ध कराने और उन्हें स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए बहुआयामी कदम उठाए जा रहे हैं। नए स्वीकृत वरिष्ठ नागरिक गृहों से उन वृद्धजनों को सुरक्षित और सम्मानजनक आश्रय मिलेगा, जिन्हें पारिवारिक या सामाजिक स्तर पर देखरेख की आवश्यकता है।

कपड़े नहीं जाएंगे कचरे में, अर्पण केंद्रों के जरिए मिलेगा नया उपयोग: सीएम रेखा गुप्ता

- दिल्ली में बढ़ेगा अर्पण केंद्रों का नेटवर्क, जनवरी में खुलेंगे 10 नए केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के 10 अर्पण केंद्रों में लोगों ने 41 टन से अधिक पुराने कपड़े जमा किए हैं। इन कपड़ों से तैयार उपयोगी उत्पादों की बिक्री के जरिए केंद्रों ने अब तक 27,036 रुपए की आय दर्ज की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को जारी बयान में बताया कि 31 अगस्त तक 3,940 लोगों ने कुल 41,181.59 किलोग्राम पुराने कपड़े अर्पण केंद्रों पर जमा कराए।

डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल केंद्र पर सबसे अधिक 9,861.40 किलोग्राम कपड़े जमा हुए, जबकि शालीमार बाग केंद्र में 9,761.03 किलोग्राम कपड़े एकत्र किए गए। पंजाबी बाग पश्चिम में 6,534.98 किलोग्राम और शाहदरा में 6,386.08 किलोग्राम कपड़ों का संग्रह हुआ। इसके अलावा मयूर विहार-1, हौज खास, द्वारका-ककरोला, मालवीय नगर, लाजपत नगर और मोहन एस्टेट केंद्रों पर भी कपड़े जमा किए गए। पांच केंद्र 3 अगस्त और अन्य केंद्र 12 व 17 अगस्त को शुरू हुए थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अर्पण केंद्रों पर जमा कपड़ों को उनकी उपयोगिता के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जा रहा है। करीब 4,266 किलोग्राम सामग्री को पुन: उपयोग और अपसाइक्लिंग के लिए तथा 29,424 किलोग्राम को रीसाइक्लिंग के लिए अलग किया गया है। स्वयं सहायता समूहों द्वारा पुराने कपड़ों से रग, फोल्डर, की-रिंग, पाउच, बैग और तोरण जैसे उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों को अर्पण केंद्रों पर प्रदर्शित करने के साथ उनकी बिक्री भी की जा रही है। रेखा गुप्ता ने कहा कि इस पहल से पुराने कपड़े कचरे में जाने के बजाय नए और उपयोगी उत्पादों में बदले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अर्पण केंद्रों की संख्या बढ़ाने के लिए जनवरी 2027 में 10 और केंद्र शुरू करने का प्रस्ताव है। इनमें मॉडल टाउन, आईएनए, आईपी एक्सटेंशन, पश्चिम विहार पश्चिम, राजेंद्र प्लेस, जनकपुरी पश्चिम, राजौरी गार्डन, ग्रेटर कैलाश, द्वारका सेक्टर-10 और छतरपुर मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से इस पहल में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की।

महाशिवपुराण कथा में पहुंचे सीएम योगी, कहा– जिसे ईश्वर की भक्ति मिली, उसे मुंह मांगी मुराद मिल गई

एजेंसी, रायबरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ईश्वर की भक्ति जिसे मिली तो उसे मुंह मांगी मुराद मिल गई। हनुमान जी को भक्ति मिली तो वह देवपूज्य हो गए। शिव की भक्ति भी हमें सार्थक बनाती है। मुख्यमंत्री रविवार को जनपद रायबरेली के ऊंचाहार में चल रही श्री शिव महापुराण कथा में आए भक्तों के बीच अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस कथा के आयोजक योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. मनोज पांडेय हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शिव एक ऐसे महादेव हैं, जिनके पवित्र ज्योतिर्लिंग हिमालय से लेकर रामेश्वर तक हैं, जो सांस्कृतिक एकता को दर्शाते हैं। शिव भक्ति से भारत की राजनीतिक सीमा के साथ एकात्मकता के दर्शन होते हैं। शिव की भक्ति जो तमिलनाडु में है, वही उत्तर प्रदेश में और गुजरात और महाराष्ट्र में भी एक ही भाव है। काशी, प्रयागराज हो, प्रदेश में कहीं भी हर जगह कथाओं के माध्यम से शिव भक्ति को आत्मसात किया जाता है।

- लोककल्याण के देवता हैं शिव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये कथाएं कंकड़ में शंकर का अहसास कराती हैं। शिव मंगल के लिए विष को धारण करते हैं। वह लोकमंगल के देवता हैं, जो नकरात्मक शक्तियों को खत्म करके लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कथाएं चलती रहेंगीं तो सनातन का कोई बाल बांका नहीं कर सकता है। सकारात्मक वातावरण समाज व राष्ट्र की ताकत है। धर्म हमारी जीवन शक्ति है, इसमें केवल पूजा पाठ ही नहीं, इसे कर्तव्य व राष्ट्र भक्ति के साथ जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी आक्रांता जब हमारी धरती को रौंदते थे, तब भी हम कथा के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते रहे। उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास के सामने नौ रत्न बनने का प्रस्ताव आया तो उन्होंने मना करते हुए कहा कि वह किसी विदेशी को राजा नहीं मान सकते, उनके एक ही राजा राम है। जब धर्म पर प्रहार होते रहे तो राम कथा के माध्यम से देश की एकता को जोड़ा गया। मुख्यमंत्री ने कहा रामलीला के माध्यम से सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया गया। इससे देश के आधार को मजबूत करते हुए समाज को शक्तिशाली बनाया गया।

कार्यक्रम 'मेरे सपनों का उत्तराखंड' में सीएम ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके विचारों, सुझावों को जाना

युवा नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें: धामी

एजेंसी, नई टिहरी। एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास परिसर स्थित प्रेक्षागृह में मेरे सपनों का उत्तराखंड विषय पर मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशभर के विद्यार्थियों से संवाद कर उनके विचारों, सुझावों और भविष्य के उत्तराखंड को लेकर उनकी परिकल्पनाओं को जाना। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को फोकस में रखकर कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही हैं। खासकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्लेटफार्म दे रहे हैं। सीएम ने देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी के भारत दर्शन कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रतिभागी बच्चों के साथ वार्ता भी की। रविवार को कीर्तिनगर स्थित

चौरास परिसर में मुख्यमंत्री धामी ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऊर्जा, सोच और विकसित उत्तराखंड के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उत्साहवर्धक है। भावी पीढ़ी को सशक्त, आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उनके विचार और सुझाव उत्तराखंड के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कहा मेरे सपनों का उत्तराखंड अभियान को युवाओं का व्यापक समर्थन मिला है। अभियान के तहत प्रदेशभर से 2 लाख 67 हजार 744 विद्यार्थियों ने निबंध व विचार भेजे हैं।

विद्यार्थियों ने इतने अच्छे निबंध लिखे हैं कि यह निर्णय करना कठिन है कि बेहतर और उत्कृष्ट किसने लिखा है। रुद्रप्रयाग की कक्षा 11 की छात्रा सीमा सेमवाल ने पलायन विषय पर अपने निबंध के बारे में बताया कि इसे दो-तीन दिनों में लिखा।

पलायन इसलिए विषय बनाया, क्योंकि उन्होंने इसे स्वयं महसूस किया है, जिस पर सीएम ने कहा कि हमारे यहां स्थायी और अस्थायी पलायन है। शिक्षा और रोजगार के लिए घर से दूर जाना हमेशा नकारात्मक नहीं होता। बाहर जाकर पढ़ने और सीखने से युवाओं को अनुभव और एक्सपोजर मिलता है। पहाड़ों में माताओं-बहनों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। देवप्रयाग की श्रेया सेमवाल ने पहाड़ रहें, अपने रहें, मेरे सपने रहें विषय पर अपने विचार रखे।

बेहतर सहभागिता के लिए अधिकारी नवाजे

सीएम धामी ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। देश का भविष्य युवा हैं और भविष्य का उत्तराखंड एवं भारत युवाओं के सपनों, संकल्प और मेहनत से बनेगा। कार्यक्रम के दौरान अदिति गौतम ने मुख्यमंत्री को उनकी बनाई हुई चित्रकृति भेंट की गई। वहीं कार्यक्रम में बेहतर सहभागिता के लिए नोडल अधिकारी व डीईओ (बेसिक) अंशुल बिष्ट को सम्मानित किया। निबंध में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत निबंध लेखन भागीदारी के लिए रुद्रप्रयाग के डीएम विशाल मिश्रा को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन नेहा अग्रवाल और डॉ राहुल अग्रवाल ने किया। मौके पर जिलाधिकारी टिहरी नितिका खंडेलवाल, एसएसपी श्वेता चौबे, सीडीओ वरुणा अग्रवाल मौजूद थे।

श्रमिक बच्चों की पढ़ाई को मिला संबल

श्रमिक बच्चों की पढ़ाई के लिए सरकारी मदद से आर्थिक कठिनाइयां हुईं कम

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड की कल्याणकारी योजनाएं श्रमिक परिवारों के लिए आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। खासकर बच्चों की शिक्षा के लिए दी जा रही वित्तीय सहायता से जरूरतमंद परिवारों को पढ़ाई का खर्च उठाने में मदद मिल रही है। बोर्ड पंजीकृत कामगारों के बच्चों को उच्च, व्यावसायिक और अन्य स्तरों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करवा रहा है।

शिमला जोन में कई श्रमिक परिवारों को इसका लाभ मिला है। तेंजिन कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्यरत और बोर्ड में पंजीकृत रेश्मी ने बताया कि उन्हें बच्चों की पढ़ाई के लिए 16,800 रुपये की सहायता मिली। चक्कर निवासी चंदन सिंह को भी शिक्षा के लिए 16,800 रुपये मिले हैं। चंद तहसील निवासी सतीश चंद और जुन्गा क्षेत्र के जगदीश शर्मा को 48-48 हजार रुपये की सहायता प्रदान की गई। सुन्नी निवासी गीता राम को बच्चे की शिक्षा के लिए 1.25 लाख रुपये, प्रेम प्रकाश को 44,400 रुपये और बीजू गांव निवासी पवन को 72 हजार रुपये की सहायता मिली।

कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र में 14 लाभार्थियों को बच्चों की शिक्षा के लिए कुल 6 लाख 16 हजार 800 रुपये दिए गए हैं। चौपाल क्षेत्र में 26 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत 16.81 लाख रुपये की सहायता मिली। इनमें शिक्षा, मातृत्व-पितृत्व और मृत्यु सहायता शामिल है। शिमला ग्रामीण क्षेत्र में 51 लाभार्थियों को कुल 20 लाख 73 हजार 600 रुपये प्रदान किए गए, जिसमें 17 लाख 67 हजार 600 रुपये शिक्षा सहायता के हैं।

वर्ष 2026-27 में अब तक शिक्षा के लिए 64.12 लाख रुपए हुए जारी।

बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध करवाना बोर्ड की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के मार्गदर्शन में संचालित योजनाओं से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बच्चों की पढ़ाई जारी रखने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से श्रमिक परिवारों की अगली पीढ़ी को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना बोर्ड का उद्देश्य है।

◆ शिमला जोन में शिक्षा सहित अन्य योजनाओं से श्रमिक परिवार हुए लाभान्वित

बोर्ड के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुपम कुमार ने बताया कि वर्ष 2023-24 में विभिन्न योजनाओं के तहत 45.43 लाख रुपये, 2024-25 में 2.28 करोड़ रुपये, 2025-26 में 81.62 लाख रुपये तथा वर्ष 2026-27 में अब तक 85.21 लाख रुपये की सहायता जारी की गई है। इनमें शिक्षा सहायता का हिस्सा लगातार महत्वपूर्ण रहा है।

जिला श्रम एवं कल्याण अधिकारी श्रेय शर्मा ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक शिमला शहरी, शिमला ग्रामीण, कसुम्पटी, ठियोग और चौपाल विधानसभा क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लाभार्थियों को आर्थिक सहायता दी गई है। शिमला जोन में योजनाओं का लाभ श्रमिक परिवारों तक पहुंचाने के लिए विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। इन योजनाओं से परिवारों को तत्काल आर्थिक राहत के साथ बच्चों के बेहतर भविष्य की मजबूत नींव भी मिल रही है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पंजीकृत कामगारों और उनके परिवारों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। शिक्षा सहायता से उन परिवारों को सबसे अधिक लाभ मिल रहा है, जिनके लिए बच्चों की फीस, पुस्तकों और अन्य शैक्षणिक खर्चों का वहन करना चुनौतीपूर्ण होता है। आर्थिक सहायता मिलने से बच्चों की पढ़ाई बीच में छूटने की आशंका कम हुई है।

चार श्रम संहिताओं समेत न्यूनतम वेतन, नियमितीकरण और सामाजिक सुरक्षा की उठेंगी मांगें

दिल्ली कूच को हिमाचल के मजदूरों ने कसी कमर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सीटू जिला कमेटी शिमला की बैठक किसान मजदूर भवन, चितकारा पार्क में आयोजित हुई। बैठक में एक-दो दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित मजदूर प्रतिरोध कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शिमला जिला से व्यापक स्तर पर मजदूरों को लामबंद करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सीटू जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने की, जबकि महासचिव अमित ने संगठनात्मक तैयारियों की विस्तृत रूपरेखा रखी। सीटू ने हिमाचल से हजारों मजदूरों को दिल्ली पहुंचाने का लक्ष्य तय करते हुए 'मजदूरों! घेरो दिल्ली' आह्वान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एक लाख कार्यकर्ताओं को जुटाने का लक्ष्य : सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा और महासचिव प्रेम गौतम ने कहा कि एक दिसंबर को दिल्ली में कम से कम एक लाख स्वयंसेवकों को लामबंद करने का लक्ष्य रखा गया है। देश के विभिन्न राज्यों से मजदूर लाल झंडों के साथ दिल्ली पहुंचेंगे और रामलीला मैदान से संसद तथा इंडिया गेट की ओर मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि मजदूर वर्ग के अवज्ञा और प्रतिरोध के संघर्ष को नए चरण में ले जाने का प्रयास है। नेताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, असमानता और रोजगार की असुरक्षा लगातार बढ़ रही है।

हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों से श्रमिक दिल्ली पहुंचकर रोजगार सुरक्षा और अधिकारों की उठाएंगे आवाज ।

30 नवंबर तक दिल्ली पहुंचने का आह्वान

सीटू राज्य कमेटी ने हिमाचल के सभी जिला संगठनों और संबंधित यूनियनों को तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के मजदूरों से 30 नवंबर की रात तक दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया गया है, ताकि एक दिसंबर सुबह 10 बजे शुरू होने वाले मार्च में समय पर भाग लिया जा सके। संगठन ने दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले मजदूरों से तीन दिसंबर की शाम से पहले वापसी की योजना न बनाने को कहा है। सीटू नेताओं ने कहा कि प्रशासन की ओर से किसी भी तरह की रोक की स्थिति में मजदूर शांतिपूर्ण और दृढ़ तरीके से अपनी मांगें उठाएंगे।

हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों में चलेगा अभियान

जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह और महासचिव अमित ने कहा कि अभियान को सरकारी, अर्ध-सरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र, उद्योग, निर्माण, परिवहन, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनबाड़ी, आशा, मिड-डे मील, आउटसोर्स, ठेका, स्कीम वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल के श्रमिक भी न्यूनतम वेतन, नियमितीकरण, समान काम का समान वेतन, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं। सीटू नेताओं ने कहा कि दिल्ली का प्रस्तावित आंदोलन इन स्थानीय संघर्षों से सीधे जुड़ा है और लाल झंडे के नीचे संगठित मजदूर पूरी ताकत से अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

विवेकानंद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के पोस्टर विमोचन से एबीवीपी ने बढ़ाया व्यापक प्रचार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शिमला जिला की जिला बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर में आयोजित होने जा रही स्वामी विवेकानंद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता-2026 को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान प्रतियोगिता की तैयारियों, प्रचार-प्रसार और अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

जिला संयोजक सूर्यांश भारद्वाज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों और जीवन दर्शन से युवाओं को प्रेरणा देने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के युवा के लिए देश के इतिहास, संस्कृति, महापुरुषों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों का ज्ञान होना आवश्यक है। सामान्य ज्ञान केवल परीक्षा तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों को अपने समाज और देश को समझने में भी मदद करता है।

◆ विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने और प्रतियोगिता के प्रचार पर दिया गया जोर

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और ज्ञान को परखने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही उनमें अध्ययन के प्रति रुचि, प्रतिस्पर्धा की भावना और राष्ट्र के प्रति जागरूकता विकसित होगी। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया था। उनके विचार आज भी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी हैं।

बैठक में कार्यकर्ताओं से प्रतियोगिता को शिमला जिला के अधिक से अधिक विद्यालयों और विद्यार्थियों तक पहुंचाने का आग्रह किया गया।

हिंदी दिवस पर गेटी थिएटर में जुटेंगे शिमला के कवि साहित्यकार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाषा एवं संस्कृति विभाग, जिला शिमला की ओर से हिंदी पखवाड़े के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 14 सितंबर, 2026 को हिंदी दिवस के अवसर पर शिमला स्थित गेटी थिएटर में जिला स्तरीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कवि और साहित्यकार हिस्सा लेकर हिंदी भाषा एवं साहित्य से जुड़ी अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे।

कवि सम्मेलन के दौरान रचनाकारों की कविताओं में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान के साथ साहित्य, संस्कृति, देशभक्ति, सामाजिक सरोकार और समसामयिक विषयों की झलक देखने को मिलेगी। आयोजन का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति लोगों में रुचि बढ़ाने के साथ साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना भी है। गेटी थिएटर जैसे ऐतिहासिक सांस्कृतिक स्थल पर होने वाला यह आयोजन साहित्य प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

◆ भाषा, साहित्य और संस्कृति से जुड़े विषयों पर रचनाएं प्रस्तुत करेंगे रचनाकार

हिंदी पखवाड़े के तहत इससे पहले 9 सितंबर को बच्चों के लिए भाषण, निबंध लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया और हिंदी भाषा के प्रति अपनी समझ तथा रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसी अवसर पर राजभाषा पुरस्कार भी प्रदान किए गए। पुरस्कार मुख्य अतिथि उपायुक्त, शिमला के कर कमलों द्वारा विजेताओं को वितरित किए गए।

भाषा एवं संस्कृति विभाग की ओर से हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा हिंदी साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समय-समय पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

केशव चौहान ने मरीजों के बीच मनाया जन्मदिन 2027 में भाजपा की बड़ी जीत का किया दावा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला भाजपा अध्यक्ष केशव चौहान ने अपना जन्मदिन किसी बड़े समारोह या केक काटकर मनाने के बजाय सेवा और मानवता को समर्पित किया। जन्मदिन के अवसर पर वह कमला नेहरू अस्पताल पहुंचे और उपचाराधीन मरीजों व तीमारदारों के बीच समय बिताया। उन्होंने विभिन्न वार्डों में मरीजों का हाल जाना और उन्हें फल वितरित करने के साथ हनुमान चालीसा भेंट की।

केशव चौहान ने मरीजों और उनके स्वजन से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसरों की खुशी तभी सार्थक होती है, जब उसे जरूरतमंद लोगों के साथ साझा किया जाए। मरीजों की सेवा और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना किसी भी उत्सव से बड़ी खुशी है।

इसके बाद उन्होंने कृष्णानगर स्थित सिलाई सेंटर का दौरा किया और वहां कार्यरत महिलाओं के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। उन्होंने महिलाओं से बातचीत कर सिलाई सेंटर में किए जा रहे कार्यों और उनकी गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान महिलाओं ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

जिला परिषद परिणामों से भाजपा कार्यकर्ताओं में नया जोश।

जिला परिषद जीत को बताया कार्यकर्ताओं की मेहनत

केशव चौहान ने हाल ही में हुए जिला परिषद चुनाव में भाजपा की जीत पर निर्वाचित सदस्यों और पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की मेहनत और संगठन के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने दावा किया कि जिला परिषद चुनाव के परिणामों ने भाजपा कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा किया है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी और जिला शिमला की सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा जीत दर्ज करेगी।

नाथू ला में मीडिया दल ने जानी सेना की वीरता और सीमा सुरक्षा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, सिक्किम। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय, शिमला के सौजन्य से सिक्किम दौरे पर पहुंचे हिमाचल प्रदेश के 11 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने तीसरे दिन सामरिक रूप से महत्वपूर्ण नाथू ला दर्रे का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने भारत-चीन सीमा क्षेत्र की भौगोलिक एवं सामरिक परिस्थितियों, भारतीय सेना की भूमिका और सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। सेना अधिकारियों ने पत्रकारों को नाथू ला के इतिहास, सीमा प्रबंधन और विषम परिस्थितियों में सैनिकों की जिम्मेदारियों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि अत्यधिक ऊंचाई, कम ऑक्सीजन और कठिन मौसम के बावजूद जवान सीमा सुरक्षा में निरंतर तैनात रहते हैं। नाथू ला ऐतिहासिक रूप से भारत-तिब्बत-चीन के बीच महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग भी रहा है। मीडिया दल को 1967 के नाथू ला संघर्ष और भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि तारबंदी के दौरान हुए संघर्ष में भारतीय जवानों ने मजबूती से अपनी स्थिति का बचाव किया।

देव संस्कृति संरक्षण के साथ विकास कार्यों को मिली रफ्तार

मंत्री रोहित ठाकुर ने मेले में लिया माता का आशीर्वाद, ठोडा खेल और सड़क परियोजनाओं पर दी जानकारी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कोटखाई उपमंडल की सीमावर्ती पंचायत देवगढ़ में आयोजित मां कामक्षा रेहाली मेला सांबर-बेयोण में शिरकत की। उन्होंने माता का आशीर्वाद लेकर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की। इस अवसर पर ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर भी उपस्थित रहे।

जनसभा को संबोधित करते हुए रोहित ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देवी-देवताओं की भूमि है और यहां की विशिष्ट देव संस्कृति पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान रखती है। मेले और त्योहार इस समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवाओं को आधुनिक वैज्ञानिक युग में आगे बढ़ने के साथ अपनी मूल संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय बोलियों से भी जुड़े रहना चाहिए।

उन्होंने बताया कि स्थानीय बोलियों के संरक्षण के लिए प्रदेश के स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को स्थानीय बोली में वार्तालाप करने की व्यवस्था की गई है। इससे विद्यार्थियों को अपनी बोलियों का ज्ञान मिलेगा और इनके संरक्षण में मदद मिलेगी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि ठोडा हिमाचल का ऐतिहासिक पारंपरिक खेल है, जिसका संबंध महाभारत कालीन योद्धाओं से जोड़ा जाता है। सरकार ने ठोडा को अंडर-19 खेलों में शामिल करने की मंजूरी दी है। अब इसकी प्रतियोगिताएं विद्यालय स्तर पर आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि स्कूलों में हिमाचल के इतिहास, कला और संस्कृति से जुड़े विषयों को भी पढ़ाया जा रहा है। अगले शैक्षणिक सत्र से छठी कक्षा से इन विषयों के अध्ययन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

◆ देवगढ़ में ग्रामीणों से संवाद, क्षेत्रीय विकास और शिक्षा व्यवस्था पर मंत्री ने की चर्चा

◆ विद्यालय भवन का निरीक्षण, रोहित ठाकुर ने 31 दिसंबर तक निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए

विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए रोहित ठाकुर ने बताया कि हिमरी वैली सड़क और कनरोट-जंगरोली सड़क को 17 करोड़ रुपये से स्तरोन्नत किया गया है। इससे क्षेत्र के किसानों और बागवानों को लाभ मिलेगा।

एबीवीपी की बैठक में स्वामी विवेकानंद प्रतियोगिता की तैयारियों पर हुआ मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) हिमाचल प्रदेश की ओर से आयोजित स्वामी विवेकानंद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता-2026 को लेकर जिला शिमला ग्रामीण की बैठक हुई। इसमें प्रतियोगिता के आयोजन, पंजीकरण, परीक्षा प्रक्रिया और पुरस्कारों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रदेशभर में 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता 4 अक्टूबर को आयोजित होगी। इसमें हिमाचल प्रदेश, भारत एवं विश्व, सामान्य विज्ञान, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, खेल, समसामयिक घटनाक्रम, धर्म-संस्कृति और तर्कशक्ति से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे।

बैठक में विभाग संगठन मंत्री शशि शंकर ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान बढ़ाने के साथ देश, समाज और राष्ट्र के प्रति जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और ज्ञान परखने का अवसर देगी। उन्होंने प्रदेश के विद्यार्थियों से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया।

◆ 14 से 26 सितंबर तक पंजीकरण चार अक्टूबर को होगी परीक्षा

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के लिए 14 से 26 सितंबर तक पंजीकरण होगा। परीक्षा 4 अक्टूबर को और परिणाम 31 अक्टूबर को घोषित किया जाएगा।

प्रदेश स्तर पर प्रथम पुरस्कार 31 हजार, द्वितीय 21 हजार और तृतीय 15 हजार रुपये रहेगा। चौथे से छठे स्थान तक रहने वाले विद्यार्थियों को 11-11 हजार रुपये के प्रोत्साहन पुरस्कार दिए जाएंगे। जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार क्रमशः 10 हजार, सात हजार और पांच हजार रुपये होंगे। चौथे से छठे स्थान तक 1100-1100 रुपये दिए जाएंगे। विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में कुल 6,22,500 रुपये की नकद पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी।

प्राथमिक शिक्षकों का अनशन 50वें दिन भी जारी, मांगों पर सरकार से जवाब का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का क्रमिक अनशन 13 सितंबर को 50वें दिन भी निदेशालय स्कूल शिक्षा, शिमला में जारी रहा। शिक्षकों ने पूरे जोश, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आंदोलन को आगे बढ़ाया। जिला किन्नौर के पीटीएफ ब्लॉक निचार के पदाधिकारियों ने भी अनशन में भाग लेकर शिक्षकों के अधिकारों और न्यायपूर्ण मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। अनशन में पीटीएफ ब्लॉक निचार के अध्यक्ष भजन लाल, कोषाध्यक्ष मनमोहन सिंह, महालेखाकार रविंद्र सिंह और सह सचिव गुरवचन शामिल हुए। उन्होंने सरकार से शिक्षकों की सभी न्यायोचित मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेशभर के शिक्षक पूरी निष्ठा और एकजुटता के साथ आंदोलन में भाग ले रहे हैं।

शिक्षक संघ ने कहा कि आंदोलन गांधीवादी तरीके से शांतिपूर्ण ढंग से चलाया जा रहा है। संघ का उद्देश्य अपनी मांगों को लोकतांत्रिक और अनुशासित तरीके से सरकार तक पहुंचाना है। शिक्षकों का कहना है कि जब तक उनकी न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

संघ के अनुसार, शिक्षकों ने 11 जुलाई 2026 को पैदल न्याय यात्रा शुरू की थी, जो शिमला पहुंची। इसके बाद 26 जुलाई को चौड़ा मैदान शिमला में विशाल धरना आयोजित किया गया और फिर क्रमिक अनशन शुरू किया गया।

सुदृढ़ीकरण राशन, दवाइयों और एलपीजी की उपलब्धता के साथ कृषि उपज की खरीद में तेजी

राज्य सरकार ने खाद्य सुरक्षा, किसान हित किए मजबूत

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ खाद्य सुरक्षा तथा किसान हितों को मजबूत करने पर जोर दे रही है। हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम इस व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बीते 46 वर्षों से निगम प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति करता आ रहा है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रदेश के करीब 19.42 लाख राशन कार्ड धारकों को चावल, आटा सहित सब्सिडी वाला खाद्य तेल, नमक और दालें उपलब्ध करवाई जा रही हैं। निगम की 54 गैस एजेंसियों से एलपीजी सुविधा तथा चार पेट्रोल पंपों से पेट्रोलियम सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। वहीं, 47 मेडिकल स्टोर में उपभोक्ताओं को 10.25 से 50 प्रतिशत तक की छूट पर दवाइयां उपलब्ध हैं। इन मेडिकल स्टोर में 24 घंटे सेवाएं दी जा रही हैं।

निगम सरकारी विभागों को भी आवश्यक सामग्री की समयबद्ध आपूर्ति कर रहा है। इसमें सीमेंट, पाइप, दवाइयां, मध्याह्न भोजन की खाद्य सामग्री और मनरेगा कार्यों के लिए आवश्यक सामग्री शामिल है। पर्यटन विकास निगम के होटलों को भी 10 से 15 करोड़ रुपये मूल्य की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जा रही है।

किसानों से सीधे कृषि उपज खरीदने की व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है। वर्ष 2025-26 में अक्टूबर से दिसंबर तक 21,127 मीट्रिक टन धान खरीदा गया। वर्ष 2026-27 में अब तक करीब 4,567.50 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 217 मीट्रिक टन मक्की तथा वर्ष 2026-27 में 267.96 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। इससे तैयार उत्पाद 'हिम मक्की आटा' और 'हिम भोग गेहूं आटा' के नाम से उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

निगम के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुपम कुमार के अनुसार विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता का दायरा भी बढ़ा है। वर्ष 2024-25 में 2.28 करोड़ रुपये, 2025-26 में 81.62 लाख रुपये तथा 2026-27 में अब तक 85.21 लाख रुपये की सहायता जारी की गई है। जन सुरक्षा के तहत प्रदेश की 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से 2,42,027 एलपीजी कनेक्शनों का घर-घर निरीक्षण किया गया, जो निर्धारित लक्ष्य का 96 प्रतिशत है। उपभोक्ताओं को गैस के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक भी किया गया।

आपदा के दौरान निगम प्रभावित परिवारों को सरकार के निर्देश पर निशुल्क राशन और एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध करवाता है। शिकायतों के समाधान के लिए मुख्यालय में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ भी स्थापित किया गया है। सरकार के अनुसार इन प्रयासों का उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं को प्रभावी बनाना, उपभोक्ताओं को राहत देना और किसानों के हितों को सुरक्षित करना है।

शिमला-हरथु बस सेवा बहाली की मांग, तीन निजी बसें नियमित करने पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। पेंशनर्स कल्याण एसोसिएशन, ग्राम पंचायत शहरोल की बैठक अध्यक्ष देवराज कौंडल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा करते हुए बंद पड़ी बस सेवाओं को जल्द बहाल करने की मांग उठाई गई। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने शिमला से हरथु के लिए बंद पड़ी बस सेवा को नियमित रूप से बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह सेवा ग्रामीणों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और बुजुर्गों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण साधन है। बस सेवा बंद होने से लोगों को शिमला आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में पट्टा बरावरी से शहरोल, भूमती से दाड़लाघाट तथा शहरोल से चंडी वाया अर्की-कुनिहार चलने वाली तीन निजी बस सेवाओं को भी नियमित करने की मांग की गई। एसोसिएशन ने कहा कि इन बसों के नियमित संचालन से क्षेत्र के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी और रोजमर्रा के आवागमन में राहत मिलेगी।

भारत दर्शन से विद्यार्थियों का दृष्टिकोण होगा व्यापक : सीएम धामी

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कीर्तिनगर चौरास स्थित स्वामी मन्मथन प्रेक्षागृह में देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण के 10वें संस्करण के तहत भारत भ्रमण पर जाने वाले 68 मेधावी छात्र–छात्राओं और शिक्षकों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत दर्शन उन्हें देश की विविधता, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान, तकनीक और विकास को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।

◆68 मेधावी विद्यार्थी भारत भ्रमण पर जाएंगे, सीएम धामी ने दी शुभकामनाएं

रविवार को चौरास में मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से भ्रमण के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की विशेषताओं और उपलब्धियों से सीखने तथा अनुभवों को साथियों से साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है।

देश की विविधता से सीखेंगे विद्यार्थी : विनोद कंडारी

देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि भारत दर्शन योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थियों को देश के अलग-अलग क्षेत्रों की उपलब्धियों और विविधताओं को प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिलता है तो उनके भीतर आगे बढ़ने की इच्छा और प्रतिस्पर्धा की भावना मजबूत होती है।

विद्यार्थियों के लिए बड़ा अवसर

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और उत्तराखंड के विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने भारत दर्शन पहल के 10 वर्ष पूरे होने पर देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस पहल से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ी है। इस वर्ष करीब 1000 विद्यार्थियों को भारत भ्रमण का अवसर मिल रहा है, जिसे भविष्य में 2000 तक बढ़ाने का प्रयास है।

मेधावी छात्रों को मिला सम्मान

10वें संस्करण के तहत 68 विद्यार्थी एवं शिक्षक 16 सितंबर को रवाना होंगे। भ्रमण में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक स्थलों एवं प्रमुख संस्थानों का अवलोकन कराया जाएगा। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों सहित उत्कृष्ट लेखन के लिए कनकलता, आयुष, प्रियांशु और राघव केंतुरा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गढ़वाल विवि के वीसी श्रीप्रकाश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, ब्लॉक प्रमुख कीर्तिनगर अचला खंडलेवाल, प्रमुख देवप्रयाग विनोद बिष्ट, नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्तिनगर राकेश मोहन मैठाणी, नरेंद्र कुंवर मौजूद थे।

विकसित भारत की दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि भ्रमण के दौरान वे विभिन्न क्षेत्रों की विशेषताओं और उपलब्धियों को समझें तथा वहां से मिले अनुभवों को अपने साथियों के साथ साझा करें। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना, निरंतर प्रयास करना और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है। विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और उत्तराखंड के विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी गई।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर पत्थर गिरने से 65 वर्षीय व्यक्ति की मौत

रुद्रप्रयाग। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच रविवार को केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा हैलीपैड के समीप पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और शव को गौरीकुंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। पोस्टमार्टम के लिए शव जिला चिकित्सालय भेजा गया है। जिला सूचना कार्यालय के अनुसार, रविवार सुबह 10:53 बजे वाईएमएफ जवान ने जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को चीरबासा हैलीपैड के समीप पहाड़ी से पत्थर गिरने की सूचना दी। सूचना मिलते ही सेक्टर अधिकारी गौरीकुंड के निर्देश पर वाईएमएफ, डीडीआरएफ, आपदा मित्र और पुलिस की रेस्क्यू टीमें घटनास्थल के लिए रवाना की गईं।

गढ़वाली–कुमाऊंनी शिक्षकों का दिल्ली में सम्मान

गढ़वाली-कुमाऊंनी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग

अनिल थपलियाल

देहरादून। एनडीएमसी सभागार में गढ़वाली, कुमाऊंनी, जौनसारी अकादमी तथा उत्तराखंड लोक–भाषा साहित्य मंच, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में गढ़वाली और कुमाऊंनी भाषा के शिक्षकों एवं केंद्र प्रमुखों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के पुत्र शौर्य डोभाल, कई पार्षदों, साहित्यकारों, पत्रकारों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। समारोह में लोकभाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी को अपनी भाषा एवं संस्कृति से जोड़ने की जरूरत पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम में डीपीएमआई के चेयरमैन, भाजपा दिल्ली के उपाध्यक्ष और उत्तराखंड लोक–भाषा साहित्य मंच, दिल्ली के संरक्षक मंडल के सदस्य डॉ. विनोद बछेती ने कहा कि इस तरह के आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और समाज से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंच की ओर से पिछले कई वर्षों से भाषा शिक्षण कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। दिल्ली–एनसीआर के साथ उत्तराखंड में भी लगातार गढ़वाली और कुमाऊंनी भाषा की शिक्षण कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। इन कक्षाओं के माध्यम से बच्चों और युवाओं को अपनी मातृभाषा से परिचित कराने के साथ लोकसंस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

उत्तराखंड लोक–भाषा साहित्य मंच, दिल्ली के संयोजक दिनेश ध्यानी ने कहा कि मंच का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी भाषा, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समाज की पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा होती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ी चिंता, शिक्षा व्यवस्था पर फिर छिड़ी बहस

मंच ने उत्तराखंड सरकार से भी विधानसभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार को गढ़वाली और कुमाऊंनी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए ठोस पहल करनी चाहिए। इसके साथ ही उत्तराखंड में गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं के लिए अकादमी का शीघ्र गठन किए जाने की मांग भी उठाई गई। मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि इन मांगों को लेकर उत्तराखंड सरकार को लगातार ज्ञापन भेजे जा रहे हैं और लोकभाषाओं के संरक्षण के लिए प्रयास जारी हैं। सम्मान समारोह में भाषा शिक्षकों और केंद्र प्रमुखों के योगदान को भी सराहा गया। वक्ताओं ने कहा कि भाषा शिक्षण कक्षाएं संचालित करने वाले शिक्षक नई पीढ़ी तक लोकभाषाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

'हनुमान अंश' की युवा निर्मात्री अनुप्रिया नागर ने कैंची धाम में लिया आशीर्वाद

नैनीताल। देश–विदेश में चर्चित फिल्म 'हनुमान अंश' की 21 वर्षीय युवा निर्मात्री अनुप्रिया नागर ने रविवार को परिजनों और सहयोगियों के साथ श्री कैंची धाम पहुंचकर बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कार्तिक पालीवाल भी उनके साथ मौजूद रहे। अनुप्रिया ने कैंची धाम और बाबा नीब करौरी महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए नैनीताल पुलिस एवं उत्तराखंड पुलिस की व्यवस्थाओं की सराहना की। दर्शन के बाद उन्होंने नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी से शिष्टाचार भेंट की और फिल्म की सफलता, विषयवस्तु एवं उद्देश्य की जानकारी साझा की। इस दौरान फिल्म के माध्यम से भगवान हनुमान की भक्ति, आस्था और संस्कारों के साथ बाबा नीब करौरी महाराज की महिमा को जन–जन तक पहुंचाने के प्रयास पर चर्चा हुई।

थराली अस्पताल परिसर में खुलेआम घूम रहे आवारा पशु

अनिल थपलियाल

थराली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसे संवेदनशील परिसर में आवारा पशुओं की खुलेआम आवाजाही से मरीजों और तीमारदारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। चमोली जिले के थराली स्थित सीएचसी तीन विकासखंडों के लोगों के लिए प्रमुख चिकित्सा केंद्र है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में प्रसव के साथ नवजात शिशुओं की देखभाल भी होती है।

◆सीएचसी परिसर में पशुओं की आवाजाही पर उठे सवाल

ऐसे में परिसर में आवारा पशुओं की मौजूदगी संक्रमण और दुर्घटना का खतरा बढ़ा सकती है। स्थानीय लोगों ने पशुओं की आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था और नियमित निगरानी की मांग की है।

सीएमओ डॉ. राजीव सिंह पॉल ने कहा कि उन्हें अस्पताल परिसर में आवारा पशुओं के घूमने की जानकारी नहीं है। यदि ऐसा हो रहा है तो मामला गंभीर है। अस्पताल प्रबंधन से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हिंदी देश की एकता को मजबूत करती है : राज्यपाल

राज्यपाल ने हिंदी दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

अनिल थपलियाल

देहरादून। हिंदी दिवस के अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि हिंदी हमारे विचारों, भावनाओं और संस्कृति को सहजता एवं प्रभावी ढंग से व्यक्त करने वाली भाषा है। यह केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय समाज को आपस में जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी भी है। देश की विविध भाषाओं, बोलियों और संस्कृतियों के बीच एकता की भावना को मजबूत करने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

राज्यपाल ने कहा कि समय के साथ हिंदी का दायरा लगातार व्यापक हो रहा है। साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में हिंदी की समृद्ध परंपरा रही है, वहीं विज्ञान, तकनीक और संचार जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भी हिंदी का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। डिजिटल माध्यमों और नई तकनीकों के विस्तार ने हिंदी के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। हिंदी का सरल स्वरूप और समृद्ध साहित्य इसे देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से जोड़ने वाली प्रभावी भाषा बनाता है।

कहा- सामूहिक प्रयासों से हिंदी के व्यापक विस्तार को मिलेगा बढ़ावा

उन्होंने कहा कि बदलते समय के अनुरूप हिंदी को आधुनिक तकनीक और संचार के नए माध्यमों से जोड़ना आवश्यक है। इससे हिंदी की पहुंच नई पीढ़ी तक और अधिक प्रभावी ढंग से बनाई जा सकती है। राज्यपाल ने विशेष रूप से बच्चों और युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हिंदी के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के लिए नई पीढ़ी को आगे आना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि बच्चों और युवाओं को हिंदी के प्रति प्रेरित करने के साथ दैनिक जीवन में इसके प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। युवा हिंदी को केवल पढ़ाई और औपचारिक संवाद तक सीमित न रखें, बल्कि तकनीक, रचनात्मक गतिविधियों और संचार के विभिन्न माध्यमों में भी इसका अधिकाधिक प्रयोग करें।

उन्होंने प्रदेशवासियों से हिंदी के सम्मान, संरक्षण और प्रसार में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से हिंदी को और व्यापक स्वरूप दिया जा सकता है। हिंदी के प्रति सम्मान और इसके निरंतर प्रयोग से भारतीय संस्कृति, सामाजिक जुड़ाव तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूती मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

सीएमओ के औचक निरीक्षण में स्वास्थ्य इकाइयों की व्यवस्थाएं मिलीं बदहाल

अनिल थपलियाल, पौड़ी। सीएमओ डा. मेघना असवाल ने रविवार को दुगड्डा क्षेत्र की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का औचक निरीक्षण किया। पीएचसी दुगड्डा में विद्युत करंट की समस्या मिलने पर उन्होंने तत्काल समाधान के निर्देश दिए। कलालघाटी की बीपीएचयू लैब में डाटा एंट्री ऑपरेटर, लैब टेक्नीशियन और यंग माइक्रोबायोलॉजिस्ट के पद रिक्त मिले। सीएमओ ने रिक्त पदों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने डेंगू, मलेरिया और बुखार को देखते हुए दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने, स्वच्छता बेहतर करने और आपातकालीन सेवाएं सुचारू रखने को कहा। बाद में कोटद्वार के डेंगू वार्ड का निरीक्षण कर मरीजों की सुविधाओं का जायजा लिया।

26 साल बाद शिक्षिका कुसुम लता को भावुक विदाई

अनिल थपलियाल, पौड़ी। प्राथमिक विद्यालय इठुड़ में 26 वर्षों तक सेवाएं देने वाली प्रधानाध्यापिका कुसुम लता के स्थानांतरण पर ग्रामीण भावुक हो उठे। राजकीय प्राथमिक विद्यालय श्रीखून में स्थानांतरण के बाद आयोजित विदाई समारोह में ढोल-दमाऊ की थाप के बीच उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। ग्रामीणों ने कहा कि कुसुम लता ने बच्चों की शिक्षा के साथ उनके संस्कार और सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया। ग्राम प्रधान रुस्तम सिंह रौथाण ने उनके योगदान को सराहा। इस दौरान ग्रामीणों और पूर्व छात्रों ने उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया।

भू-धंसाव से पाबौ बाजार को बचाने की कवायद तेज

अनिल थपलियाल, पौड़ी। पौड़ी के पाबौ मुख्य बाजार में बढ़ते भू-धंसाव और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए प्रभावित क्षेत्र का वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाएगा। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने रविवार को बाजार का निरीक्षण कर अधिकारियों और व्यापारियों से स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि आईआईटी रुड़की और टीएचडीसी के वैज्ञानिक प्रभावित क्षेत्र का तकनीकी आकलन कर रिपोर्ट तैयार करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर भू-धंसाव के कारणों का पता लगाकर सुरक्षा और उपचार कार्यों की कार्ययोजना बनाई जाएगी। मंत्री ने प्रभावित व्यापारियों को रोजगार प्रभावित न होने देने का भरोसा भी दिया।

पत्रकारों के हितैषी अधिकारी गिरिजा शंकर जोशी का निधन

अनिल थपलियाल। नैनीताल के जिला सूचना अधिकारी गिरिजा शंकर जोशी के आकस्मिक निधन से पत्रकारिता जगत, सूचना विभाग और प्रशासनिक महकमे में शोक की लहर है। शनिवार को हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की खबर मिलते ही पत्रकार, अधिकारी, कर्मचारी और शुभचिंतक उनके आवास पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। सरल, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी जोशी पत्रकारों के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके निधन को पत्रकारिता जगत ने अपूरणीय क्षति बताया।

आचार्य प्रश्नमंच में नई टिहरी, आशुभाषण में जाखणीधार रहा विजेता

नई टिहरी। विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई टिहरी में आयोजित संकुल स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने गीत, नृत्य, आशुभाषण, अंताक्षरी, गीत, श्लोक, प्रश्नमंच, लोक संस्कृति से जुड़ी मनमोहक प्रस्तुतियां दी। महोत्सव के आचार्य प्रश्नमंच में नई टिहरी, आशुभाषण में जाखणीधार विजेता बना। रविवार को विद्या मंदिर में आयोजित महोत्सव का पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश धनाई, पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुशील बहुगुणा ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। कहा कि विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ रचनात्मक कार्यक्रम में निरंतर होने चाहिए। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सामाजिक सरोकारों पर आधारित विविध प्रस्तुतियां पेश की।

दून को सुरक्षित साइकिलिंग सिटी बनाने को राइडर्स एकजुट

अनिल थपलियाल

देहरादून में साइकिलिंग को बढ़ावा देने और राइडर्स के लिए सुरक्षित यातायात व्यवस्था विकसित करने की मांग को लेकर रविवार को 100 से अधिक साइकिल राइडर्स एकजुट हुए। स्थानीय प्रेस क्लब में आयोजित 'साइकिल फॉर चेंज' पहल के दौरान राइडर्स ने सड़क सुरक्षा, बेहतर आधारभूत ढांचे और सुरक्षित यातायात व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर 12 किलोमीटर की साइकिल राइड निकाली। मेयर सौरभ थपलियाल ने राइड को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अभियान में पहाड़ी पेडलर, रोड स्पिन वॉरियर, सरमंग, मैत्री एडवेंचर क्लब, अरण्यानी और साइकिल सखी समेत विभिन्न साइकिलिंग समूहों के सदस्य शामिल हुए। राइडर्स ने कहा कि दून को सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल साइकिलिंग सिटी बनाने के लिए सरकार के स्तर पर लगातार प्रयास किए जाने चाहिए।

क्लीन एंड ग्रीन समिति ने बांटे 400 पौधे

अनिल थपलियाल, देहरादून। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति की ओर से सेलाकुई स्थित दून टीवीएस शोरूम के बाहर वृहद पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान फूल और फलदार प्रजातियों के 400 से अधिक पौधे लोगों को वितरित किए गए। इनमें नीम, आम, आंवला, शहतूत, चंपा, रात की रानी, कनेर और तुलसी के पौधे शामिल रहे। दून टीवीएस के

मालिक एवं समिति के संरक्षक राजेश भाटिया के अनुरोध पर समिति ने यह आयोजन किया। समिति के अध्यक्ष एवं संस्थापक राम कपूर ने कहा कि देहरादून क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को लेकर समिति लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रणदीप अहलूवालिया, कोषाध्यक्ष शंभू शुक्ला, राजेश बाली, अमरनाथ कुमार, आशीष भाटिया समेत समिति और शोरूम का स्टाफ मौजूद रहा।

कांग्रेस में अनुशासन और संगठनात्मक समन्वय बढ़ाने पर बनी रणनीति

अनिल थपलियाल

देहरादून में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नव नियुक्त अनुशासन समिति की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में अध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पूर्व विधायक एवं समिति सदस्य ललित फर्स्वाण, सीपी सिंह और अनुपम शर्मा मौजूद रहे। समिति ने संगठन में अनुशासन को प्रभावी बनाने, पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करने तथा संगठनात्मक निर्णयों के पालन पर चर्चा की।

अध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि समिति का उद्देश्य किसी कार्यकर्ता को प्रताड़ित करना नहीं, बल्कि संगठन में अनुशासन, आपसी समन्वय और सकारात्मक कार्य संस्कृति को मजबूत करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सार्वजनिक रूप से ऐसा कोई आचरण नहीं करने की अपील की, जिससे पार्टी की छवि प्रभावित हो।

बैठक में प्राप्त शिकायतों और अनुशासनात्मक मामलों के नियमानुसार परीक्षण तथा आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर भी विचार हुआ। समिति ने स्पष्ट किया कि पार्टी संविधान और निर्धारित नियमों के अनुसार निष्पक्षता, पारदर्शिता और तथ्यों के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता 15 सितंबर से करेंगी प्रदर्शन

अनिल थपलियाल

देहरादून। सीटू से संबद्ध आंगनबाड़ी कार्यकत्री सेविका कर्मचारी यूनियन ने मानदेय बढ़ाने, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा और ग्रेजुएटी समेत मांगों को लेकर आंदोलन का एलान किया। प्रेस वार्ता में सीटू जिला महामंत्री लेखराज ने कहा कि 15 सितंबर से जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किए जाएंगे।

यूनियन महामंत्री चित्रकला ने सेवानिवृत्त होने के बाद ग्रेजुएटी नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। ज्योतिका पाण्डेय ने अतिरिक्त विभागीय कार्य कराने का विरोध किया। 17 सितंबर से ब्लाक स्तर पर धरने होंगे।

पुलिस और एसडीआरएफ की मदद से घायल युवक अस्पताल पहुंचा

अनिल थपलियाल

रुद्रप्रयाग। स्यालसू गांव के समीप रविवार को सड़क हादसे में स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा दिन में करीब पौने दो बजे हुआ। डायल–112 के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली कि तिलवाड़ा से तूनेटा की ओर जा रही स्कूटी संख्या यूके–13–ए–5604 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गई है। सूचना मिलते ही जखोली चौकी प्रभारी अपर उप निरीक्षक सोमवीर सिंह पुलिस टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।

मौके पर स्थानीय ग्रामीणों और एसडीआरएफ टीम की मदद से खाई में गिरे घायल को सुरक्षित बाहर निकालकर सड़क तक पहुंचाया गया। इसके बाद पुलिस के सरकारी वाहन से घायल को जिला

चिकित्सालय रुद्रप्रयाग पहुंचाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया।

पुलिस ने हादसे की जानकारी घायल के परिजनों को भी दी। चिकित्सकों ने घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

38 साल से सड़क का इंतजार, अब ग्रामीणों ने स्वंय उठाए गैंती–फावड़े

गिरीश चंदोला

कर्णप्रयाग। ग्राम सभा खरसाई के सकंड तोक के ग्रामीणों का सड़क का इंतजार अब आंदोलन में बदल गया है। वर्ष 1984 से सड़क की मांग पूरी नहीं होने पर ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ खुद ही गैंती–फावड़ा उठाकर सड़क कटिंग शुरू कर दी है। ग्राम प्रधान शिवानी चौधरी के नेतृत्व में वीरेंद्र सिंह, दाताराम, देवली, रघुवीर सिंह, गजेंद्र सिंह, उषा देवी और सरस्वती देवी समेत अन्य ग्रामीण अपने संसाधनों से सड़क बनाने में जुटे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार सड़क के लिए सर्वे होने के बावजूद मामला कागजों से आगे नहीं बढ़ पाया। सड़क सुविधा न होने से उन्हें आज भी करीब नौ किलोमीटर पैदल दूरी तय करनी पड़ती है।

जनवरी में आंदोलन के दौरान विधायक अनिल नौटियाल ने तीन माह में सर्वे और सड़क कटिंग शुरू कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन समय बीतने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सड़क नहीं बनी तो चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा।

चंडीगढ़ लोक अदालत में निपटे 30 हजार से अधिक मामले, वैवाहिक विवाद में दंपती ने मांगा समय

14 पीठों में चेक बाउंस, बैंक वसूली, दुर्घटना दावे समेत विभिन्न मामलों में हुआ आपसी समझौता

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा किया गया। इस दौरान एक वैवाहिक विवाद को सुलझाने के लिए न्यायाधीशों ने दंपती से लंबे समय तक बातचीत की। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीत मोहन शर्मा के साथ कार्यवाहक जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरिंदर सिद्धू और अन्य न्यायाधीशों ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। न्यायाधीशों ने दंपती को बताया कि वैवाहिक विवाद का सबसे अधिक असर परिवार के बच्चों पर पड़ता है। ऐसे में किसी भी फैसले में नाबालिग बच्चे के भविष्य और उसके कल्याण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

अदालत में दोनों पक्षों के साथ काफी देर तक बातचीत हुई। न्यायाधीशों ने आपसी मतभेद दूर कर स्थायी समाधान निकालने का प्रयास किया। समझाने-बुझाने के बाद दंपती ने आपसी सहमति से मामले का समाधान निकालने के लिए अदालत से कुछ और समय मांगा।

न्यायाधीशों ने भी दोनों पक्षों को सकारात्मक रुख अपनाने और बच्चे के भविष्य को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने की सलाह दी। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने लोगों से अपील की कि वे अपनी वास्तविक समस्याएं न्यायाधीशों के सामने खुलकर रखें, ताकि विवादों का उचित और व्यावहारिक समाधान निकाला जा सके।

उपभोक्ता आयोग और ऋण वसूली अधिकरण में भी मामलों का हुआ निपटारा।

शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में तथा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और चंडीगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसके लिए कुल 14 बेंच गठित की गई थीं। लोक अदालत में अपने लंबित मामलों का जल्द समाधान कराने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

लोक अदालत में आपराधिक समझौता योग्य मामलों, चेक बाउंस, बैंक ऋण वसूली, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, मध्यस्थता, दीवानी मामलों और यातायात चालान सहित विभिन्न मामलों की सुनवाई की गई। अधिकारियों के अनुसार कुल 30,145 से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। इन मामलों में कुल 18,48,13,828 रुपये की राशि पर समझौता हुआ। अधिकारियों ने लोक अदालत को त्वरित और किफायती न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बताया।

30 हजार से अधिक मामलों का निपटारा: राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत की विभिन्न बेंचों ने बड़ी संख्या में प्री-लिटिगेशन मामलों, लंबित मुकदमों और यातायात चालान का निपटारा किया। नियमित बेंचों और स्थायी लोक अदालत ने 20,230 प्री-लिटिगेशन मामलों का निपटारा किया। इनमें 16,38,000 रुपये की राशि से जुड़े मामले शामिल रहे।

इसके अलावा राज्य एवं जिला उपभोक्ता आयोग, चंडीगढ़ ने 62 मामलों का निपटारा किया। इन मामलों में समझौते के तहत बड़ी धनराशि का निपटारा हुआ। वहीं डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ ने भी 10 मामलों का समाधान किया। इन मामलों में करीब 7.79 करोड़ रुपये की राशि शामिल रही।

लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निपटारे से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया, समय और खर्च से राहत मिलती है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे आपसी विवादों को बातचीत और समझौते के माध्यम से सुलझाने के लिए लोक अदालत का लाभ उठाएं। विशेष रूप से वैवाहिक मामलों में परिवार और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सहमति से समाधान निकालने को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि लोक अदालत में समझौते से मामलों का निपटारा होने पर पक्षकारों को शीघ्र राहत मिली। इससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम करने में भी मदद मिली।

अधिकारियों की शिकायतों के बाद जोन-सी में आठ जगह हटाए गए निर्माण

लुधियाना जोन-सी में आठ अवैध निर्माणों पर निगम का शिकंजा, कार्रवाई पर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना । नगर निगम ने जोन-सी क्षेत्र में अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए आठ स्थानों पर निर्माणाधीन इमारतों को हटाने की कार्रवाई की। नगर निगम की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार 33 फुट रोड, स्टार रोड, जसपाल बांगर, सत्संग रोड और हीरो सुमन रोड सहित विभिन्न इलाकों में बिना मंजूरी किए जा रहे निर्माणों पर कार्रवाई की गई।

यह कार्रवाई नगर निगम के एटीपी रंधीर सिंह को दो दिन पहले जारी किए गए नोटिस के बाद हुई है। नोटिस में अवैध इमारतों से संबंधित शिकायतों पर कार्रवाई न करने को लेकर उन्हें फटकार लगाई गई थी। इसमें ड्यूटी में कथित कोताही के कारण नगर निगम की छवि खराब होने और राजस्व के नुकसान की बात कही गई थी।

सोमवार को संयुक्त आयुक्त की ओर से मांगी गई रिपोर्ट पेश की जानी थी। इसके मद्देनजर एटीपी की ओर से जोन-सी क्षेत्र में आनन-फानन में कार्रवाई की गई और आठ स्थानों पर अवैध निर्माण हटाने की जानकारी दी गई।

◆ **नोटिस के बाद आनन-फानन कार्रवाई, बड़ी इमारतों को लेकर शिकायतें बरकरार**

कार्रवाई को लेकर उठे सवाल : नगर निगम की कार्रवाई के बावजूद जोन-सी, विशेषकर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में पिक एंड चूज के आरोप भी सामने आए हैं। अधिकारियों के पास पहुंची शिकायत में पीपल चौक और सत्संग घर के सामने बन रही बहुमंजिला इमारत का मामला उठाया गया है। शिकायत के अनुसार मौके पर निरीक्षण के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई। इसके अलावा 33 फुट रोड ग्यासपुरा और डाबा की मौजी कालोनी में माता रानी मंदिर वाली गली में बन रही इमारतों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब में गहराया बिजली संकट, 16,619 मेगावाट मांग से व्यवस्था पर बढ़ा दबाव

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। उमस भरी गर्मी के बीच बिजली की बढ़ती मांग और कई बिजली इकाइयों के बंद रहने से पंजाब में बिजली संकट गहरा गया है। शुक्रवार को राज्य में बिजली की मांग 16,619 मेगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि शाम पांच बजे तक उत्पादन करीब 4,472 मेगावाट रहा। मांग और उत्पादन के बीच बड़े अंतर को पूरा करने के लिए राज्य को उत्तरी ग्रिड से बिजली खरीदनी पड़ रही है। राजपुरा थर्मल प्लांट में करीब तीन दिन और तलवंडी साबो में लगभग सात दिन का कोयला स्टॉक बताया गया है। राजपुरा की 700-700 मेगावाट क्षमता वाली दो इकाइयां प्रभावित हैं। बिजली की कमी से उद्योग, ग्रामीण क्षेत्रों और खेती पर असर पड़ रहा है। जालंधर में बिजली कटौती से परेशान उद्योगपतियों ने रात करीब 11:30 बजे सोडल चौक पर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि कई इलाकों में 10-11 घंटे तक बिजली बाधित हो रही है, जिससे करीब 3,000 औद्योगिक इकाइयों का उत्पादन प्रभावित है।

हाजीपुर में झाड़ियों से नौ हजार एमएल शराब बरामद

भारतेंदु संवाददाता, हाजीपुर । हाजीपुर पुलिस ने गश्त के दौरान भवनाल नहर के पास झाड़ियों से 9 हजार एमएल अवैध शराब बरामद की। एसएचओ हरप्रेम सिंह ने बताया कि एएसआई गुरविंदजीत सिंह पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने झाड़ियों में छापेमारी कर प्लास्टिक की केन बरामद की। आरोपी की तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चंडीगढ़ में 32 ग्राम हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़ । चंडीगढ़ पुलिस के थाना सेक्टर-39 की टीम ने नशा तस्करी के मामले में 19 वर्षीय युवक अनुज कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 32.01 ग्राम हेरोइन बरामद की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना सेक्टर-39 और पलसोरा पुलिस चौकी की टीम पलसोरा गांव, सेक्टर-55 के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान बीट बॉक्स के पास संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें हेरोइन बरामद हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास नशीला पदार्थ रखने का कोई वैध लाइसेंस या परमिट नहीं था। उसके खिलाफ थाना सेक्टर-39 में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। जून में दर्ज उस मामले में उसे गिरफ्तार किया गया था और वह 11 अगस्त को बुड़ैल मॉडल जेल से रिहा हुआ था। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

गुलाब सिद्धू के घर नकाबपोशों ने की फायरिंग

भारतेंदु संवाददाता,बरनाला । पंजाबी गायक गुलाब सिद्धू के फरवाही गांव स्थित घर पर शनिवार देर रात बाइक सवार तीन नकाबपोश युवकों ने फायरिंग कर दी। युवकों ने घर के मुख्य गेट की ओर कई गोलियां चलाईं और फरार हो गए। घटना में कोई घायल नहीं हुआ। फायरिंग के समय गुलाब सिद्धू विदेश में कार्यक्रमों के सिलसिले में मौजूद थे, जबकि उनके परिवार के सदस्य घर में थे और सभी सुरक्षित हैं। मुख्य गेट पर गोलियों के निशान मिले हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें तीन युवक बाइक पर दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। बरनाला के एसएसपी मोहम्मद सरफराज आलम ने बताया कि मामले की जांच जारी है और फिलहाल गैंग की संलिप्तता की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सिद्धू को पहले से दो सुरक्षाकर्मी मिले हुए हैं और उन्हें धमकियां मिलने की शिकायतें भी सामने आ चुकी हैं।

वार्ड आरक्षण के बाद चंडीगढ़ में राजनीतिक दलों में टिकट को लेकर घमासान हुआ तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। नगर निगम चुनाव के लिए वार्ड आरक्षण की तस्वीर साफ होते ही राजनीतिक दलों में टिकट वितरण को लेकर घमासान तेज हो गया है। 35 वार्डों में 16 वार्ड आरक्षित होने से कई मौजूदा पार्षदों की चुनावी जमीन बदल गई है, जबकि 19 सामान्य वार्डों में टिकट के दावेदारों की संख्या बढ़ गई है।

◆ **भाजपा, कांग्रेस और आप में संभावित उम्मीदवारों को लेकर मंथन जारी**

◆ **आरक्षण बदलने से कई दावेदारों की रणनीति बदली, पत्नियों को उतारने की तैयारी**

भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अब अपने-अपने संगठन में जीत की क्षमता रखने वाले चेहरों की तलाश में जुट गई हैं। भाजपा के सामने मौजूदा पार्षदों, पुराने संगठन पदाधिकारियों और नए प्रभावशाली नेताओं के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है। पार्टी संभावित उम्मीदवारों की जीतने की क्षमता परखने के लिए सर्वे का सहारा ले रही है। ऐसे में केवल वरिष्ठता या सिफारिश के आधार पर टिकट मिलना आसान नहीं होगा।

कांग्रेस के सामने गुटीय संतुलन के साथ नगर निगम में राजनीतिक वापसी की चुनौती है। पार्टी स्थानीय स्तर पर मजबूत पकड़ रखने वाले नेताओं को प्राथमिकता देने की तैयारी में है। वहीं आम आदमी पार्टी नए और युवा चेहरों को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। आरक्षण के कारण जिन मौजूदा पार्षदों के वार्ड महिला या अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गए हैं, उनमें से कई ने अपनी पत्नियों को चुनाव मैदान में उतारने की रणनीति बनाई है।

चंडीगढ़ में लगेंगे दो हजार नए एआई कैमरे

भारतेंदु संवाददाता,चंडीगढ़। शहर में बढ़ती झपटमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चंडीगढ़ पुलिस निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने जा रही है। इसके तहत शहर में 2000 से अधिक नए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पुलिस ने ऐसे स्थानों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित किया है, जहां झपटमारी की घटनाएं अधिक होती हैं और वर्तमान में पर्याप्त कैमरे उपलब्ध नहीं हैं। नए कैमरे स्थापित होने के बाद शहर में सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क 2130 से बढ़कर करीब 4200 तक पहुंच जाएगा। इससे पुलिस को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और वारदात के बाद आरोपितों की पहचान करने में मदद मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक से लैस कैमरों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी अधिक प्रभावी तरीके से की जा सकेगी। पुलिस की योजना में मंदिर, गुरुद्वारे और पार्क जैसे सार्वजनिक स्थान भी शामिल हैं।

पदोन्नति से पुलिस विभाग में वरिष्ठ अधिकारियों की बढ़ेगी संख्या

पंजाब पुलिस में 70 इंस्पेक्टर पदोन्नत डीएसपी पद की संभालेंगे जिम्मेदारी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब पुलिस में लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे इंस्पेक्टरों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। गृह मामलों एवं न्याय विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार जिला कैडर और आर्म्ड कैडर के कुल 70 इंस्पेक्टरों को पदोन्नत कर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बनाया गया है। इनमें जिला कैडर के 50 और आर्म्ड कैडर के 20 अधिकारी शामिल हैं।

पदोन्नत अधिकारियों को पंजाब पुलिस सेवा के वेतन स्तर-18 में उच्च वेतनमान मिलेगा। इस स्तर में 56,100 से 1,77,500 रुपये तक का वेतनमान निर्धारित है। सरकार ने यह पदोन्नति विभागीय तरक्की कमेटी की 23 मई 2025 को हुई सिफारिशों के आधार पर की है। अधिसूचना में कहा गया है कि अधिकारियों की

नियुक्ति वरिष्ठता सूची में उनकी स्थिति और निर्धारित नियमों के अनुसार की गई है।

सरकार के इस फैसले से अधिकारियों को पदोन्नति के साथ वेतनमान में भी लाभ मिलेगा। हालांकि, अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि पदोन्नति का प्रभाव तत्काल लागू होगा और यह व्यवस्था एक वर्ष की अवधि के लिए रहेगी। पंजाब पुलिस में डीएसपी स्तर के अधिकारियों की भूमिका कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध की जांच और पुलिस प्रशासन में महत्वपूर्ण होती है।

श्री हरिमंदिर साहिब के पास बच्चे के गिरने पर श्रद्धालुओं में मारपीट, तीन लोग घायल

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। श्री हरिमंदिर साहिब के पास रविवार सुबह पांच साल के बच्चे के जमीन पर गिरने को लेकर श्रद्धालुओं के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि एक व्यक्ति ने बच्चे को गोद में उठाए श्रद्धालु को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद बच्चे के परिवार के सदस्यों ने थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना में तीन लोगों के घायल होने की जानकारी है। हालांकि, अभी तक किसी पक्ष ने पुलिस को शिकायत नहीं दी है।

◆ **मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में हाथापाई शुरू हो गई**

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार सुबह जलियांवाला बाग से पहले विरासत मार्ग पर काफी संख्या में श्रद्धालु आवाजाही कर रहे थे। इसी दौरान एक श्रद्धालु पांच साल के बच्चे को गोद में लेकर जा रहा था। रास्ते में दूसरे श्रद्धालु की टक्कर लगने से बच्चा जमीन पर गिर गया। बच्चे के गिरने के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने पहले विवाद शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन मामला बढ़ता गया। इसी दौरान एक व्यक्ति ने बच्चे को उठाने वाले श्रद्धालु के मुंह पर थप्पड़ मार दिया। इससे बच्चे के परिवार के लोग भड़क गए और उन्होंने संबंधित व्यक्ति को पकड़कर उसके साथ मारपीट कर दी। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। इस दौरान तीन लोगों को चोटें आईं।

विवाद बढ़ने पर मौके पर मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग किया। बताया जा रहा है कि थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति ने अपने कुछ साथियों को भी मौके पर बुला लिया था, जिससे कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई।

जीरकपुर में मोबाइल झपटकर भाग रहे दो बदमाश पकड़े

भारतेंदु संवाददाता, जीरकपुर । चंडीगढ़-अंबाला रोड पर सब्जी मंडी के पास मोबाइल झपटकर भाग रहे दो आरोपितों को एक साहसी युवक और राहगीरों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सुरेश कुमार निवासी प्रीत कालोनी ने बताया कि वह पैदल पटियाला चौक की ओर जा रहा था। इसी दौरान गलत दिशा से बाइक पर आए दो युवकों में पीछे बैठे युवक ने उसका नीला मोटोरोला मोटो जी-45 मोबाइल झपट लिया। मोबाइल झपटने के बाद दोनों आरोपित बाइक से भागने लगे। सुरेश कुमार ने हिम्मत दिखाते हुए बाइक पर बैठे एक युवक की टी-शर्ट पकड़ ली और चलती बाइक के साथ दौड़ता रहा। इसी दौरान सामने से तिपहिया वाहन आने पर आरोपितों की बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। गिरने के दौरान आरोपित ने छीना गया मोबाइल अपने साथी की ओर फेंक दिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने दोनों युवकों को पकड़ लिया और जीरकपुर पुलिस के हवाले कर दिया।

अदालत ने बीमा कंपनी की अपीलें खारिज कर पीड़ित परिवारों का बढ़ाया मुआवजा

अचानक ब्रेक लगाने वाले ट्रक चालक की भूमिका पर हाई कोर्ट ने उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। सड़क हादसे में आगे चल रहे वाहन से पीछे से टक्कर होने मात्र के आधार पर पीछे चल रहे वाहन के चालक को लापरवाह नहीं ठहराया जा सकता। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में बीमा कंपनी की तीनों अपीलें खारिज करते हुए यह स्पष्ट किया है। अदालत ने कहा कि सह-दोषिता यानी पीछे चल रहे वाहन के चालक की भी लापरवाही साबित करने की जिम्मेदारी उस पक्ष की होगी, जो ऐसा आरोप लगा रहा है।

मामला 29 मार्च 2009 को हुए सड़क हादसे से जुड़ा है। हादसे में सुखविंदर सिंह और प्रेमचंद की मृत्यु हो गई थी, जबकि सुब्बा सिंह घायल हुए थे। तीनों मारुति कार से गांव थेह बुटाना से लुधियाना जा रहे थे। समराला चौक के पास आगे चल रहे ट्रक के चालक बलजिंदर सिंह ने कथित तौर पर बिना संकेत दिए अचानक बीच सड़क ब्रेक लगा दिए। इसके चलते कार ट्रक से टकरा गई।

◆ **अदालत ने हादसे में दोष तय करने के लिए ठोस साक्ष्य बताए हैं जरूरी**

बीमा कंपनी ने दावा किया कि कार की ट्रक से पीछे से टक्कर हुई थी, इसलिए कार चालक सुखविंदर सिंह भी हादसे के लिए जिम्मेदार था। हाई कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि बीमा कंपनी ने अधिकरण के समक्ष सुखविंदर की सह-दोषिता को लेकर कोई स्पष्ट दलील नहीं दी और न ही इस संबंध में कोई मुद्दा तय कराने का प्रयास किया।

तबादला नीति के उल्लंघन पर अदालत ने सरकार से मांगा जवाब

बिना वैध कारण कुलदीप सिंह के तबादले पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कृषि विस्तार अधिकारी कुलदीप सिंह के गुरदासपुर के कहनूवान ब्लाक से लुधियाना के समराला ब्लाक में किए गए 155 किलोमीटर से अधिक दूर के तबादले पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने पंजाब सरकार को अपनी तबादला नीति का पालन नहीं करने पर फटकार लगाई।

जस्टिस संदीप मौदगिल ने कहा कि सरकार की 23 अप्रैल 2018 की तबादला नीति के तहत सामान्य तबादला प्रक्रिया 30 जून 2026 को समाप्त हो चुकी थी। इसके बाद किए जाने वाले तबादले मध्यावधि तबादले माने जाते हैं। नीति में ऐसे तबादलों के लिए पदोन्नति, सेवानिवृत्ति, विभागीय पुनर्गठन, मृत्यु, इस्तीफा, बर्खास्तगी, लंबी छुट्टी, प्रतिनियुक्ति, निलंबन, अदालत के आदेश और आपसी तबादले जैसी सीमित परिस्थितियां तय हैं।

कोर्ट ने पाया कि 25 अगस्त के आदेश में कुलदीप सिंह के तबादले का कोई वैध कारण नहीं बताया गया था। उन्हें समराला में तैनात कृषि विस्तार अधिकारी सिमरनदीप कौर के स्थान पर भेजा गया था। सिमरनदीप कौर ने मातृत्व अवकाश के बाद दो मार्च 2026 को समराला में कार्यभार संभाला था।

संगठन — नई जिम्मेदारियों से महिला मोर्चा को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों को मिलेगी गति

भाजपा महिला मोर्चा में लुधियाना की चार नेत्रियों को मिली जिम्मेदारी

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना

पंजाब भाजपा महिला मोर्चा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया गया है। नई कार्यकारिणी में लुधियाना की चार भाजपा नेत्रियों को प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। लुधियाना भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रह चुकीं शीनू चुग को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। वहीं कनिका जिंदल और राशि अग्रवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लीना टपरिया को आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

महिला कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने पर पार्टी नेतृत्व का जोर

एक ही शहर की चार महिला नेताओं को प्रदेश संगठन में जिम्मेदारी मिलने को लुधियाना भाजपा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे शहर में महिला मोर्चा की गतिविधियों को और गति मिलने की उम्मीद है। पार्टी नेतृत्व आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और महिला मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

प्रदेश स्तर पर बढ़ी लुधियाना की भागीदारी : नई कार्यकारिणी में लुधियाना की चार नेत्रियों को स्थान मिलने से स्थानीय महिला कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है। शीनू चुग को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने से उन्हें संगठन के स्तर पर व्यापक भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। कनिका जिंदल और राशि अग्रवाल प्रदेश उपाध्यक्ष के तौर पर महिला मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार में योगदान देंगी। वहीं लीना टपरिया आमंत्रित सदस्य के रूप में प्रदेश कार्यकारिणी का हिस्सा रहेंगी।

भाजपा नेताओं का मानना है कि महिला मोर्चा पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महिलाओं को पार्टी से जोड़ने, महिला मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने और केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं एवं नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने में महिला कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम है।

संगठन विस्तार पर रहेगा जोर : पार्टी की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने पर जोर दिया जा रहा है। महिला मोर्चा के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने और उन्हें राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने की योजना है।

लुधियाना की चार नेत्रियों को प्रदेश कार्यकारिणी में जिम्मेदारी मिलने से स्थानीय स्तर पर संगठन को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। पार्टी के सामने महिला मतदाताओं के बीच संपर्क मजबूत करने के साथ-साथ बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने की चुनौती है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी जिम्मेदारी से काम करने की बात कही है।

अमृतसर में राशन कार्ड सत्यापन की धीमी रफ्तार बनी बड़ी चुनौती

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर । सरकार की ओर से नए राशन कार्ड बनाने के लिए आवेदन शुरू किए जाने के बाद अमृतसर शहरी और देहाती क्षेत्रों से करीब 1.82 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। हालांकि, प्रशासन अब तक केवल 337 राशन कार्ड आवेदनों का सत्यापन कर पाया है। सरकार ने सत्यापन प्रक्रिया 30 सितंबर तक पूरी करने का लक्ष्य दिया है।

वेरिफिकेशन के लिए डिप्टी कमिश्नर ने पीसीएस अधिकारी प्रगति सेठी को तैनात किया है। विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन के अनुसार कर्मचारियों की अन्य सरकारी कार्यों में ड्यूटी और बार-बार होने वाली हड़तालों के कारण सत्यापन प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। मामले को लेकर डिप्टी कमिश्नर ने सभी संबंधित विभागों की बैठक भी बुलाई है।

इन राशन कार्डों का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सस्ता और मुफ्त राशन उपलब्ध कराना है। प्रशासन को आशंका है कि बड़ी संख्या में अपात्र और आर्थिक रूप से सक्षम लोगों ने भी राशन कार्ड के लिए आवेदन किया है। सत्यापन पोर्टल पर आवेदक की नौकरी, आय और अन्य जानकारियां उपलब्ध होने से अपात्र लोगों की पहचान की जा सकेगी।

पहले भी आयकर, हथियार शाखा, आरटीओ, राजस्व विभाग और बिजली विभाग के आंकड़ों के आधार पर अपात्र लोगों के राशन कार्ड रद्द किए गए हैं।

लद्दाख में संवाद से सुलझेगा अधिकारों का मुद्दा : छेवांग

केंद्र से वार्ता में प्रतिनिधि निकाय, संवैधानिक सुरक्षा और चुनावी व्यवस्था पर बनी सहमति

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू।
लद्दाख के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद थुपसन छेवांग ने केंद्र सरकार के साथ नौ सितंबर को हुई वार्ता को सकारात्मक बताते हुए क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व से दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाने के बजाय बातचीत के जरिए हुई प्रगति को आगे बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लेह अपेक्स बॉडी (एलएबी), कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और केंद्रीय गृह मंत्रालय की उपसमिति के बीच हुई बैठक में लद्दाख के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

शनिवार को लेह में पत्रकारों से बातचीत में छेवांग ने कहा कि बैठक में केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर प्रतिनिधि निकाय के गठन, उसकी शक्तियों, संरचना और चुनावी व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने बैठक के बाद एलएबी और केडीए की ओर से जताई गई निराशा पर असहमति जताते हुए कहा कि वार्ता में हुई सकारात्मक चर्चाओं और सहमति के बिंदुओं को भी जनता के सामने रखा जाना चाहिए।

प्रतिनिधि निकाय को अधिकार देने पर चर्चा : छेवांग के अनुसार, प्रस्तावित यूटी स्तर के निकाय को भूमि, संस्कृति, पर्यावरण और खनिज संसाधनों जैसे विषयों पर भूमिका देने के साथ वित्तीय अधिकार दिए जाने पर भी चर्चा हुई। लद्दाख के जनजातीय स्वरूप को देखते हुए अनुसूचित जनजातियों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने तथा नामांकन के प्रावधानों पर भी विचार किया गया।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्रों और सभी क्षेत्रों को समान प्रतिनिधित्व व अधिकार सुनिश्चित करने के मुद्दे पर प्रतिभागियों से सुझाव लिए गए। प्रस्तावित निकाय के लिए प्रत्यक्ष चुनाव समेत विभिन्न चुनावी विकल्पों पर चर्चा हुई। छेवांग ने कहा कि बातचीत इस स्तर पर पहुंच चुकी है कि यूटी स्तर के प्रतिनिधि निकाय को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर स्पष्ट समझ बनी है।

संवैधानिक सुरक्षा उपायों पर भी विचार : पूर्व सांसद ने कहा कि भर्ती और संवैधानिक सुरक्षा उपायों से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने दावा किया कि कई मुद्दों पर सहमति बनी है। इनमें संविधान के अनुच्छेद 371 के तहत सुरक्षा उपायों की मांग भी शामिल है, जिस पर 22 मई की बैठक में चर्चा हुई थी।

छेवांग ने कहा कि लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची का विस्तार जैसे मुद्दे अभी भी क्षेत्र के व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा हैं। हालांकि, बातचीत आगे बढ़ने के साथ व्यावहारिक संवैधानिक और प्रशासनिक सुरक्षा उपायों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

संस्थागत व्यवस्था में देरी पर अलग राय : छेवांग ने दावा किया कि प्रस्तावित संस्थागत व्यवस्था को आगे बढ़ाने में देरी केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से नहीं हो रही है। उनके अनुसार, एलएबी और केडीए के बीच संस्थाओं के गठन और उनके क्रियान्वयन के क्रम को लेकर मतभेद हैं। उन्होंने दोनों संगठनों से आपसी मतभेदों को बातचीत के माध्यम से दूर करने का आग्रह किया।

सोनम वांगचुक की चेतावनी पर उठाए सवाल : छेवांग ने जलवायु कार्यकर्ता और एलएबी सदस्य सोनम वांगचुक की ओर से दोबारा आंदोलन शुरू करने की चेतावनी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ बातचीत के माध्यम से कई मुद्दों पर प्रगति हुई है, तो ऐसे में दोबारा आंदोलन शुरू करने की जरूरत पर विचार किया जाना चाहिए।

उन्होंने लद्दाख में 24 सितंबर की घटना के गंभीर परिणामों का उल्लेख करते हुए सभी पक्षों से ऐसे किसी भी कदम से बचने की अपील की, जिससे क्षेत्र में फिर तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो सकती है। छेवांग ने कहा कि लद्दाख के हितों से जुड़े मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण बातचीत और संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से ही आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर फिल्म महोत्सव में अव्यवस्था पर स्थानीय कलाकारों ने उठाए गंभीर सवाल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर।
जम्मू-कश्मीर के पहले अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आगाज वैश्विक सिनेमा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के बड़े दावों के साथ हुआ, लेकिन आयोजन के दौरान स्थानीय कलाकारों, फिल्म निर्माताओं और सांस्कृतिक हस्तियों ने व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। प्रतिभागियों ने महोत्सव को अव्यवस्थित बताते हुए कहा कि कार्यक्रम की जानकारी समय पर नहीं मिली और पास वितरण की प्रक्रिया भी स्पष्ट नहीं रही।

एक प्रतिभागी जाहिद ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम का कार्यक्रम तय आयोजन से महज एक दिन पहले जारी किया गया और बाद में उसमें कई बदलाव कर दिए गए। रजिस्ट्रेशन और प्रवेश पास को लेकर भी प्रतिभागियों में भ्रम की स्थिति रही। कुछ लोगों के अनुसार, पास होने के बावजूद प्रवेश प्रक्रिया स्पष्ट नहीं थी। ताहिर अलताफ ने बताया कि उन्हें यह समझने में करीब तीन घंटे लग गए कि कौन-सा कार्यक्रम किस स्थान पर आयोजित हो रहा है। उनका कहना था कि आयोजन स्थल पर पर्याप्त सूचना केंद्र या मार्गदर्शन के लिए कर्मचारी उपलब्ध नहीं थे।

प्रतिभागियों ने आयोजन स्थल की सजावट पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि सजावट पर काफी ध्यान दिया गया, लेकिन कार्यक्रम प्रबंधन और दर्शकों की सुविधा को उतनी प्राथमिकता नहीं मिली। बाहर से आए कुछ फिल्म निर्माताओं ने भी फिल्मों की उपशीर्षक व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं की शिकायत की।

स्थानीय कलाकारों ने सबसे अधिक चिंता प्रतिनिधित्व को लेकर जताई। पूर्व निर्माता मकसूद अहमद ने सवाल उठाया कि महोत्सव से जम्मू-कश्मीर के स्थानीय फिल्म निर्माताओं, कलाकारों और निर्माताओं को वास्तविक रूप से क्या लाभ मिला। उन्होंने कहा कि स्थानीय सांस्कृतिक ढांचे और कलाकारों के लिए अवसरों पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना चाहिए था।

गायक और संगीतकार वहीद जीलानी ने आरोप लगाया कि बाहरी कलाकारों को मुख्य मंच और बेहतर सुविधाएं दी गईं, जबकि स्थानीय कलाकारों को अपेक्षाकृत कम महत्व मिला। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की कला और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने वाले कलाकारों को ऐसे आयोजन में प्रमुख स्थान मिलना चाहिए।

फिल्म निर्माता रमेश जाडू ने भी अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के समय में अंतिम समय पर बदलाव को लेकर नाराजगी जताई। उनके अनुसार, फिल्म की स्क्रीनिंग पहले 9 सितंबर को एसकेआइसीसी में निर्धारित थी, लेकिन बाद में इसे 10 सितंबर को आईनॉक्स श्रीनगर में समानांतर फिल्म के रूप में कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बदलाव की जानकारी देर से मिलने के कारण मेहमानों और आमंत्रित लोगों के सामने असहज स्थिति पैदा हुई।

अमरनाथ यात्रा सुरक्षा चिंता पर हाई कोर्ट ने पीएसए हिरासत आदेश किया तत्काल रद्द

अदालत ने कहा- हिरासत के लिए ताजा, विश्वसनीय और विशिष्ट सामग्री है जरूरी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट की श्रीनगर पीठ ने पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत जारी एक हिरासत आदेश को रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि श्री अमरनाथ जी यात्रा से जुड़ी सामान्य सुरक्षा चिंताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को निवारक हिरासत में नहीं रखा जा सकता। अदालत ने कहा कि हिरासत के लिए संबंधित व्यक्ति के खिलाफ ठोस, विशिष्ट और विश्वसनीय सामग्री उपलब्ध होना जरूरी है।

न्यायमूर्ति एमए चौधरी ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि निवारक हिरासत एक असाधारण कानूनी उपाय है। इसे लागू करने के लिए ऐसी हालिया और प्रासंगिक सामग्री होनी चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो कि संबंधित व्यक्ति भविष्य में राज्य की सुरक्षा के प्रतिकूल गतिविधियों में शामिल हो सकता है। केवल सामान्य सुरक्षा आशंका को हिरासत का पर्याप्त आधार नहीं माना जा सकता।

अदालत ने माना कि अमरनाथ यात्रा जैसे संवेदनशील धार्मिक आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ती है। हालांकि, यात्रा की संवेदनशीलता को किसी व्यक्ति के खिलाफ ठोस साक्ष्य के विकल्प के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि व्यापक सुरक्षा चिंता और किसी विशेष व्यक्ति के खिलाफ उपलब्ध विशिष्ट सामग्री के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना चाहिए।

हाई कोर्ट ने हिरासत रिकॉर्ड की जांच के दौरान अधिकारियों की ओर से इस्तेमाल की गई सामग्री में भी खामियां पाईं। अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसी सामग्री शामिल थी, जो पर्याप्त रूप से ताजा और निकटवर्ती नहीं थी। पुरानी घटनाओं या दस्तावेजों के आधार पर भविष्य में किसी व्यक्ति से खतरे की आशंका को स्वतः स्थापित नहीं किया जा सकता।

टीका लाल टपलू की पुण्यतिथि पर फिर उठेगी होमलैंड मांग

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीरी पंडित नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता टीका लाल टपलू की 14 सितंबर 1989 को आतंकियों ने हत्या कर दी थी। उनकी पुण्यतिथि को हर वर्ष बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है। टपलू की हत्या को कश्मीर में बढ़ते आतंकवाद के शुरुआती बड़े घटनाक्रमों में माना जाता है। टपलू पेशे से वकील थे और कश्मीरी पंडित समुदाय से जुड़े सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाते थे। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे और भाजपा के शुरुआती नेताओं में शामिल थे। हत्या से दो दिन पहले 12 सितंबर को उनके घर पर भी हमला हुआ था, लेकिन वह बच गए थे। 14 सितंबर को अदालत जाते समय आतंकियों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। उनकी हत्या के बाद घाटी में भय का माहौल और गहरा गया। बाद के वर्षों में बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को घाटी से पलायन करना पड़ा। इस कारण टपलू की पुण्यतिथि विस्थापित समुदाय के लिए विशेष महत्व रखती है।

लद्दाख में पर्यटन ने आठ महीनों में तोड़े पुराने रिकॉर्ड

पर्यटकों की बढ़ती संख्या से स्थानीय कारोबार और रोजगार को मिला बढ़ावा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पर्यटन ने वर्ष 2026 के शुरुआती आठ महीनों में नया रिकॉर्ड बनाया है। जनवरी से अगस्त तक कुल 4,05,085 पर्यटक लद्दाख पहुंचे। यह संख्या वर्ष 2025 में पूरे साल आए 3,35,872 पर्यटकों से 20.61 प्रतिशत अधिक है। पर्यटन विभाग के अनुसार, वर्ष के चार महीने अभी बाकी हैं, ऐसे में पर्यटकों की संख्या में और बढ़ोतरी की उम्मीद है।

विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ी : लद्दाख में घरेलू पर्यटकों के साथ विदेशी सैलानियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। जनवरी से अगस्त 2025 के दौरान 25 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक लद्दाख पहुंचे थे, जबकि इसी अवधि में 2026 में यह संख्या बढ़कर 33,346 हो गई। इससे लद्दाख की अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ती लोकप्रियता का पता चलता है।

'देखो अपना देश' अभियान का असर : लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पर्यटन में इस बढ़ोतरी पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'देखो अपना देश' विजन, बेहतर बुनियादी ढांचे और पर्यटन अनुकूल नीतियों का परिणाम बताया। प्रशासन अब केवल गर्मियों के पर्यटन तक सीमित रहने के बजाय पूरे वर्ष पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दे रहा है।

स्थानीय युवाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर : पर्यटकों की बढ़ती संख्या से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। होमस्टे संचालकों, वाहन चालकों, कारोबारियों और पर्यटन से जुड़े अन्य लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रशासन का लक्ष्य टिकाऊ और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देना है, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो और युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार मिल सके। साथ ही लद्दाख की समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक त्योहारों को देश-दुनिया तक पहुंचाने में भी पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पर्यटन क्षेत्र में इस वृद्धि को देखते हुए लद्दाख प्रशासन सुविधाओं के विस्तार पर भी ध्यान दे रहा है। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही के अनुरूप आवास, परिवहन, खान-पान और स्थानीय पर्यटन सेवाओं को मजबूत करने की जरूरत महसूस की जा रही है। प्रशासन का प्रयास है कि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा जाए। लद्दाख की भौगोलिक परिस्थितियों और नाजुक पारिस्थितिकी को देखते हुए जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। इससे स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ेगी और पर्यटन से होने वाली आय का लाभ अधिक लोगों तक पहुंच सकेगा।

रामगढ़ के कौलपुर में चोरी, नकदी समेत घरेलू सामान पर किया हाथ साफ

भारतेंदु संवाददाता, रामगढ़। सांबा के सब सेक्टर रामगढ़ के गांव कौलपुर में चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाकर नकदी समेत करीब डेढ़ से दो लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। वारदात शुक्रवार रात की बताई जा रही है, जिसका पता शनिवार सुबह घर के मालिक लखविंदर सिंह के पहुंचने पर चला।

लखविंदर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी कौलपुर श्री गुरुद्वारा राजपुरा सांबा में ग्रंथी हैं। वह अपने बेटे और बेटी के साथ अधिकतर गुरुद्वारा राजपुरा में रहते हैं। शनिवार सुबह जब वह पैतृक घर पहुंचे तो दरवाजे खुले मिले और घर का सामान बिखरा पड़ा था।

घर के भीतर अलमारी, संदूक और बेड बाक्स खुले हुए थे। चोर कमरों की छतों पर लगे पंखे, पंपसेट मोटर, बिजली की वायरिंग, बिस्तर, कंबल, गद्दे और अन्य सामान के साथ नकदी भी ले गए। बरामदे में बिजली फिटिंग की शीट और सामान बिखरा पड़ा था।

लखविंदर सिंह ने तत्काल कौलपुर पुलिस चौकी को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया और चोरी हुए सामान की जानकारी जुटाई। इसके बाद उन्होंने रामगढ़ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि चोरों का पता लगाने के लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाई जा रही है। घटना के बाद गांव में भी लोगों में चिंता का माहौल है।

ग्लेशियर जल के प्रवाह से आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र को मिलेगा लाभ

लद्दाख में ग्लेशियर का पानी पहुंचेगा टीएसो कार झील, सूखते जलस्रोत को मिलेगा नया जीवन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लद्दाख की प्रसिद्ध टीएसो कार झील को पुनर्जीवित करने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने महत्वाकांक्षी जल प्रबंधन परियोजना शुरू की है। इसके तहत 18 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित रुपशो खारनाक ग्लेशियर स्ट्रीम के पानी को झील तक पहुंचाया जाएगा। इससे प्रतिदिन औसतन 320 मिलियन लीटर यानी 132 क्यूसेक पानी टीएसो कार में पहुंचने की उम्मीद है। यह पानी फिलहाल बिना उपयोग के सिंधु नदी में चला जाता है।

टीएसो कार झील पिछले एक दशक में करीब 70 प्रतिशत सिकुड़ चुकी है। कभी लगभग 11 हजार एकड़ में फैली यह झील अब करीब 3,200 एकड़ में रह गई है। झील के सिकुड़ने से प्रवासी पक्षियों और ब्लैक-नेक्ड क्रेन के आवास पर भी असर पड़ा है। परियोजना के तहत ग्लेशियर के पानी को तीन प्राकृतिक जलाशयों के माध्यम से झील तक पहुंचाया जाएगा। तीसरे जलाशय से झील की दूरी करीब 400 मीटर है, जहां से प्राकृतिक ढलान के जरिए पानी सीधे झील में पहुंचेगा।

9 सितंबर से करीब 20 क्यूसेक पानी पहले जलाशय में सफलतापूर्वक पहुंचाया जा रहा है। शुरुआती चार दिनों में ही इसका लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा पानी से भर गया। परियोजना में पुराने कंक्रीट चैनल और मिट्टी के प्राकृतिक मार्ग का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे निर्माण लागत भी कम रहेगी। परियोजना से तीन नए मीठे पानी के वेटलैंड भी विकसित होंगे। इनमें करीब 1,230 मिलियन लीटर पानी जमा करने की क्षमता होगी।

कश्मीर में बारिश कम, सितंबर में बढ़ी असामान्य गर्मी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। घाटी में मौसम का मिजाज लगातार बदलाव का संकेत दे रहा है। अगस्त में कश्मीर में सामान्य से 25 प्रतिशत कम बारिश हुई, जबकि सितंबर के शुरुआती दिनों में श्रीनगर में तापमान सामान्य से करीब पांच डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगस्त में 615.2 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि सामान्य आंकड़ा 815.5 मिलीमीटर है। इसके विपरीत जुलाई में जम्मू-कश्मीर में सामान्य से 35 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई थी। बारामूला, गांदरबल और पुलवामा में भी जुलाई के दौरान सामान्य से काफी अधिक बारिश हुई थी। हालांकि अगस्त में बारिश का सिलसिला कमजोर पड़ गया और सितंबर में गर्मी बढ़ गई। श्रीनगर में तीन सितंबर को अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस और नौ सितंबर को 32.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्रीनगर पुलिस में विभागीय फेरबदल, 15 अधिकारियों के तबादले, थानों की बदली कमान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। श्रीनगर जिला पुलिस मुख्यालय ने रविवार को प्रशासनिक फेरबदल करते हुए इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर समेत 15 पुलिस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेश के अनुसार इंस्पेक्टर गौहर हुसैन को हरवान और इंस्पेक्टर अथर परवेज को परिमपोरा पुलिस स्टेशन का थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। इंस्पेक्टर गौहर अली गनई को एमआर गुंज तथा इंस्पेक्टर बिलाल अहमद खांडे को बटमालू पुलिस स्टेशन का एसएचओ बनाया गया है। इंस्पेक्टर रबिंदर सिंह को रैनावाड़ी और इंस्पेक्टर मुश्ताक अहमद को शहीद गुंज पुलिस स्टेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इंस्पेक्टर तनवीर अहमद डार को निगीन पुलिस स्टेशन और पीएसआइ सुहैल अनीस खान को अहमद नगर पुलिस स्टेशन का थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं इंस्पेक्टर नसीर अहमद मलिक को संगम पुलिस स्टेशन का एसएचओ बनाया गया है।

तबादला आदेश के तहत इंस्पेक्टर तसीर हामिद, इंस्पेक्टर सबजार अहमद, इंस्पेक्टर वसीम जहांगीर, इंस्पेक्टर शौकत हुसैन और पीएसआइ जहीर निसार नसीर को जिला पुलिस लाइंस श्रीनगर भेजा गया है। इंस्पेक्टर इम्तियाज अहमद मीर को श्रीनगर का प्रभारी डीएसबी नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा 2024 बैच के तीन प्रोबेशनरी डीएसपी, जो शहीद गुंज, रैनावाड़ी और अहमद नगर पुलिस स्टेशनों में थाना प्रभारी के रूप में कार्यरत थे, उन्हें निर्धारित व्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा करने के लिए जिला पुलिस लाइंस में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

आतंकवाद पर शिकंजा, कुलगाम-शोपियां में सीआईके ने की कई संवेदनशील ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई लगातार जारी है। रविवार को काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने आतंकवाद से जुड़े एक मामले की जांच के तहत दक्षिण कश्मीर के कुलगाम और शोपियां जिलों में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के अनुसार विभिन्न टीमों ने स्थानीय सुरक्षा बलों की मदद से संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की।

कुलगाम जिले के कई हिस्सों में तलाशी ली गई। वहीं पुलवामा सीआईके के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक टीम ने शोपियां के नादिगाम में भी कार्रवाई की। टीम ने दिवंगत गुलाम हसन गनी के बेटे इरफान अहमद गनी के मकान की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई कथित देशविरोधी गतिविधियों से जुड़ी जांच का हिस्सा है और जांच अभी जारी है।

इससे एक दिन पहले शनिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आकाओं और उनके स्थानीय ओवरग्राउंड वर्कर नेटवर्क से जुड़ी सीमा पार आतंकी साजिश के मामले में जम्मू-कश्मीर के 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई कुपवाड़ा, कुलगाम, बांदीपोरा, बारामूला और सोपोर में की गई थी।

जांच के अनुसार स्थानीय नेटवर्क का इस्तेमाल आतंकियों को ठिकाना देने, रसद उपलब्ध कराने, जासूसी करने और हथियार पहुंचाने के लिए किए जाने के आरोप हैं। मामले में 31 मार्च 2026 को एक नाके पर लश्कर से जुड़े कथित ओवरग्राउंड वर्कर की गिरफ्तारी के बाद जांच आगे बढ़ी थी। उसके पास से हथगोले और कारतूस बरामद होने की बात सामने आई थी। इसके बाद जांच एजेंसियों ने नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और ठिकानों की जानकारी जुटाई। एनआईए की पिछली कार्रवाई में आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। सीआईके की ताजा कार्रवाई के बाद जांच एजेंसियां छापेमारी के दौरान मिले सुरागों और सामग्री की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि आतंकवाद से जुड़े नेटवर्क और संदिग्ध गतिविधियों की कड़ियों का पता लगाने के लिए जांच आगे भी जारी रहेगी।

आस्था | बैटरी कार मार्ग की मरम्मत के चलते सेवा बंद, पारंपरिक मार्ग से जारी रही श्रद्धालुओं की आवाजाही

मां वैष्णो देवी यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, मौसम ने रोकी हेलीकॉप्टर सेवा

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। मां वैष्णो देवी की यात्रा रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ सुचारू रूप से जारी रही। हालांकि, बीते सप्ताह हुई भारी वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुए महत्वपूर्ण बैटरी कार मार्ग को मरम्मत कार्य के चलते फिलहाल श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए बंद रखा गया है। मार्ग की मरम्मत का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके कारण इस मार्ग पर चलने वाली बैटरी कार सेवा भी अस्थायी रूप से स्थगित है।

वर्तमान में श्रद्धालु मां वैष्णो देवी के पारंपरिक मार्ग से भवन की ओर पहुंच रहे हैं। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घोड़ा, पिट्ठू और पालकी सहित अन्य सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा रोपवे सेवा का भी श्रद्धालु लाभ उठा रहे हैं। प्रशासन और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की ओर से यात्रा व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रविवार को मौसम का मिजाज मिला-जुला रहा। दोपहर तक मौसम साफ रहने के कारण धूप खिली रही। इससे यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम साफ रहने के दौरान हेलीकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध रही और श्रद्धालुओं ने इसका लाभ उठाया। हालांकि, दोपहर बाद मौसम में बदलाव आया। आसमान में बादल छाने के साथ त्रिकूट पर्वत पर भी बादलों का जमघट लग गया। दृश्यता प्रभावित होने की आशंका के चलते हेलीकॉप्टर सेवा को स्थगित करना पड़ा।

इस बीच, मां वैष्णो देवी यात्रा में फिलहाल आंशिक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही से आधार शिविर कटड़ा में भी चहल-पहल बढ़ी है। लंबे समय से मंदी का सामना कर रहे स्थानीय व्यापारी वर्ग के लिए यह राहत की बात मानी जा रही है। कटड़ा के बाजारों, होटलों, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी है। शनिवार को करीब 29 हजार श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के चरणों में हाजिरी लगाई। वहीं, रविवार को दोपहर तीन बजे तक करीब 15 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। इसके बाद भी पंजीकरण और यात्रा का क्रम लगातार जारी रहा। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखी गई हैं।

भारी वर्षा के बाद क्षतिग्रस्त बैटरी कार मार्ग की मरम्मत को प्राथमिकता दी जा रही है। मार्ग के दोबारा श्रद्धालुओं के लिए खोलने के बाद बैटरी कार सेवा भी बहाल होने की उम्मीद है। फिलहाल पारंपरिक मार्ग से यात्रा जारी रहने के कारण श्रद्धालुओं को भवन तक पहुंचने में किसी बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

हिंदी के सम्मान और प्रचार-प्रसार से मजबूत होगी देश की सांस्कृतिक पहचान और एकता

रमेश सर्राफ झुंझुनू, राजस्थान

हिंदी हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा है। हिंदी ने हमें विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी विश्व में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ-साथ हिंदी हमारी राजभाषा भी है। यह दुनियाभर में हमें सम्मान दिलाती है। यह भाषा हमारे सम्मान, स्वाभिमान और गर्व की प्रतीक है। हिंदी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में शामिल है और भारत में हिंदी बोलने वालों की संख्या सर्वाधिक है।

हिंदी भारत सरकार की आधिकारिक राजभाषा है। इसका इतिहास प्राचीन संस्कृत और प्राकृत भाषाओं से जुड़ा है। हिंदी भाषा का जन्म भारत में ही हुआ और एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी का साहित्य और शब्द-संपदा भी अत्यंत समृद्ध है। दुनिया भर में हिंदी को समझने, बोलने और चाहने वाले लोगों की बड़ी संख्या मौजूद है। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। उन्होंने हिंदी साहित्य को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हिंदी एक भारतीय आर्य भाषा है, जो संस्कृत से विकसित हुई और देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। देवनागरी लिपि में संस्कृत, मराठी, नेपाली और कई अन्य भारतीय भाषाएं भी लिखी जाती हैं। देवनागरी एक ब्राह्मी-आधारित लिपि है, जिसका उपयोग भारत की कई भाषाओं को लिखने के लिए किया जाता है। हिंदी ने समय के साथ संस्कृत के साथ-साथ अरबी, फारसी और अन्य भाषाओं के शब्दों को भी आत्मसात किया है। यही इसकी सहजता और व्यापक स्वीकार्यता का एक कारण है।

हिंदी एक-दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए बहुत आसान और सरल माध्यम प्रदान करती है। यह प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। हिंदी विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह कैसी विडंबना है कि जिस भाषा को कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश के बड़े हिस्से में समझा जाता है, उस भाषा के प्रति आज भी इतनी उपेक्षा और अवज्ञा क्यों है? प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिंदी भाषा को आसानी से बोल और समझ सकता है। इसलिए इसे सामान्य जनता की भाषा अर्थात जनभाषा भी कहा जाता है।

भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से 14 सितंबर को प्रतिवर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा, जो हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाता है। यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ वर्षों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। देश में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन हिंदी व्यापक स्तर पर बोली, लिखी और पढ़ी जाती है। हिंदी ने विभिन्न राज्यों के बीच संपर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आदिकाल से अब तक हिंदी के आचार्यों, संतों, कवियों, विद्वानों, लेखकों एवं हिंदी-प्रेमियों ने अपने ग्रंथों और रचनाओं से हिंदी को समृद्ध किया है। हमारा भी कर्तव्य है कि हम अपने विचारों, भावों एवं मतों को विविध विधाओं के माध्यम से हिंदी में अभिव्यक्त करें और इसकी समृद्धि में अपना योगदान दें। कोई भी भाषा तब और भी समृद्ध मानी जाती है, जब उसका साहित्य भी समृद्ध हो। बीसवीं सदी के अंतिम दशकों में हिंदी का अंतरराष्ट्रीय विकास तेजी से हुआ।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

लोगों की सहायता के लिए बनी ए.आई. कहीं मानव जाति की दुश्मन न बन जाए!

केशव शर्मा 'रसिक'
स्वतन्त्र लेखक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) आज मानव सभ्यता की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धियों में से एक मानी जा रही है। जिस तकनीक का निर्माण मनुष्य के कार्यों को आसान बनाने, समय बचाने, चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग और वैज्ञानिक अनुसंधान को नई गति देने के लिए किया गया था, वही तकनीक आज कई लोगों के मन में एक बड़ा प्रश्न भी खड़ा कर रही है कि क्या लोगों की सहायता के लिए बनी ए.आई. भविष्य में मानव जाति के लिए खतरा बन सकती है?

इस प्रश्न का उत्तर न तो पूरी तरह हां है और न ही पूरी तरह नहीं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि मनुष्य इस तकनीक का विकास और उपयोग किस प्रकार करता है। ए.आई. ने स्वास्थ्य सेवाओं में चमत्कारिक परिवर्तन किए हैं। गंभीर बीमारियों की पहचान पहले से अधिक तेजी और सटीकता से हो रही है। किसान मौसम और फसल से जुड़ी बेहतर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में नई तकनीकों का लाभ उठा रहे हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ा है और अनेक कठिन कार्य मशीनें करने लगी हैं। आपदा प्रबंधन, अंतरिक्ष अनुसंधान और वैज्ञानिक खोजों में भी ए.आई. महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

लेकिन हर नई तकनीक अपने साथ चुनौतियां भी लेकर आती है। सबसे बड़ी चिंता रोजगार को लेकर है। यदि मशीनें बड़ी संख्या में मनुष्यों का कार्य करने लगेंगी तो लाखों लोगों की नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। इससे आर्थिक असमानता बढ़ने का खतरा है। हालांकि ए.आई. के कारण रोजगार के कुछ नए अवसर भी पैदा होंगे, लेकिन बदलती तकनीक के अनुरूप लोगों को नए कौशल सीखने की आवश्यकता होगी। इसलिए शिक्षा और प्रशिक्षण को तकनीकी बदलाव के साथ जोड़ना बेहद जरूरी है।

दूसरी बड़ी चुनौती झूठी जानकारी और डिजिटल धोखाधड़ी की है। ए.आई. की सहायता से नकली तस्वीरें, वीडियो और आवाजें तैयार की जा सकती हैं, जिनका उपयोग लोगों को भ्रमित करने, चुनावों को प्रभावित करने या आर्थिक अपराधों के लिए किया जा सकता है। साइबर अपराधियों के हाथों में यह तकनीक एक खतरनाक हथियार भी बन सकती है। ऐसे में डिजिटल सामग्री की सत्यता जांचने और नागरिकों को जागरूक करने की आवश्यकता और बढ़ जाती है।

एक और गंभीर चिंता यह है कि यदि भविष्य में अत्यधिक शक्तिशाली ए.आई. प्रणालियां बिना पर्याप्त मानवीय नियंत्रण के निर्णय लेने लगें तो उनके फैसले समाज के लिए हानिकारक हो सकते हैं। रक्षा क्षेत्र में स्वायत्त हथियारों का विकास भी विश्व शांति के लिए चिंता का विषय है। इसलिए वैज्ञानिक लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि ए.आई. पर अंतिम नियंत्रण हमेशा मनुष्य के हाथ में रहना चाहिए। तकनीक चाहे कितनी भी उन्नत क्यों न हो, उसके निर्णयों की निगरानी और जिम्मेदारी मनुष्य की ही होनी चाहिए।

ए.आई. का एक सामाजिक प्रभाव भी सामने आ रहा है। लोग धीरे-धीरे सोचने, याद रखने और स्वयं निर्णय लेने के बजाय मशीनों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। यदि यह प्रवृत्ति बढ़ी तो मनुष्य की रचनात्मकता, तर्कशक्ति और सामाजिक संवेदनशीलता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। तकनीक सुविधा दे सकती है, लेकिन वह मानवीय विवेक, करुणा और नैतिकता का स्थान नहीं ले सकती। इसलिए ए.आई. का उपयोग मनुष्य की क्षमता बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि उसकी सोचने और निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर करने के लिए। इसलिए आवश्यकता ए.आई. का विरोध करने की नहीं बल्कि उसके जिम्मेदार उपयोग की है। सरकारों को स्पष्ट कानून बनाने होंगे, तकनीकी कंपनियों को पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी तथा शिक्षण संस्थानों को डिजिटल साक्षरता और नैतिक तकनीकी उपयोग पर विशेष बल देना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

जर्जर इमारतों में छात्र

पिछले दिनों दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पेइंग गेस्ट यानी पीजी के रूप में चलाई जा रही एक इमारत गिरने से सात छात्रों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इस हादसे के बाद पीजी में रहने वाले छात्रों पर मुसीबत आ गई, क्योंकि अनेक इमारतों को जर्जर पाए जाने के बाद खाली करा लिया गया। इसके चलते अनेक छात्र इधर-उधर भटकने के लिए मजबूर हो गए। इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि छात्रों को रह-रहकर समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। इन दिनों दिल्ली में हास्टल के अभाव में पीजी के रूप में रहने वाले तमाम छात्र संकट में हैं। वैसे तो देश में बरसात के दिनों में कहीं न कहीं से भवनों के गिरने की खबर आती ही रहती है, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसी खबरें राजधानी दिल्ली से भी रह-रहकर आती रहती हैं।

जब अपेक्षा यह है कि कम से कम देश की राजधानी में शहरी विकास संबंधी हर तरह के नियम-कानूनों का सही से पालन हो, तब सच्चाई इसके विपरीत दिखाई देती है। शहरी विकास के मामले में जो हाल दिल्ली का है, वही देश के अन्य शहरों का भी है। यह चिंताजनक है कि बेहतर शहरी विकास के मामले में दिल्ली कोई उदाहरण पेश नहीं कर पा रही है। राजधानी होने के कारण दिल्ली से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि यहां शहरी नियोजन, भवन निर्माण और नागरिक सुविधाओं के मामले में ऐसी व्यवस्था हो, जिसे देश के अन्य शहर भी आदर्श के रूप में अपना सकें। लेकिन जमीनी स्थिति इस अपेक्षा के अनुरूप नहीं है।

मोदी सरकार के बाद से देश के शहरों में तेजी से जो परिवर्तन देखने को मिला, वह सबसे अधिक दिल्ली-एनसीआर में दिखाई दिया है। दिल्ली-एनसीआर की आबादी पूरे देश की चार-पांच प्रतिशत ही होगी, लेकिन यहां भी विकास के काम सही ढंग से नहीं हो रहे हैं। इस विसंगति को देश के साथ-साथ दुनिया भी देख रही है, क्योंकि यहां पर अंतरराष्ट्रीय आयोजन होते ही रहते हैं। तमाम विकास के बावजूद दिल्ली-एनसीआर की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली में इसके पहले भी इमारतें गिरती रही हैं और हर बार यह आश्वासन मिला है कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही है।

इसका एक बड़ा कारण दिल्ली की स्थानीय राजनीति और नगर निगम का अक्षम होना है। यहां के औसत नेता वोट बैंक के लालच में शहरी विकास की अच्छी-भली योजनाओं को पटरी से उतार देते हैं। अवैध बस्तियों का नियमितीकरण इसका एक उदाहरण है। साफ है कि हमारे नीति-नियंताओं को इसकी परवाह नहीं कि शहरी विकास के नियम-कानूनों का सही तरह अनुपालन हो। इसका दुष्परिणाम यह है कि दिल्ली एक अंतरराष्ट्रीय शहर की तरह विकसित नहीं हो पा रही है। ध्यान रहे कि किसी देश की राजधानी उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि के निर्माण में सहायक होती है। समस्या यह है कि हमारी वित्तीय राजधानी मुंबई की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है।

दिल्ली में इमारत गिरने के बाद नगर निगम के कुछ अफसरों को निलंबित करने के साथ और भी कदम उठाए गए, लेकिन इसकी गारंटी नहीं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। चूंकि सत्य निकेतन इलाके की इमारत गिरने से छात्रों की जान गई, इसलिए इस घटना का राजनीतिकरण हो रहा है। ऐसा इसलिए और भी हो रहा है, क्योंकि इस समय छात्र राजनीति के केंद्र में हैं। लेकिन राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और भवनों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार एजेंसियां केवल हादसे के बाद सक्रिय न हों।

दिल्ली में एक और इमारत गिरने की घटना से यह भी स्पष्ट हुआ कि दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके कालेजों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए हास्टल की पर्याप्त सुविधा नहीं है। इसके अभाव में कालेज के आसपास के भवनों में छात्रों के लिए पीजी चलाए जा रहे हैं। समस्या यह है कि उनकी कोई प्रभावी निगरानी नहीं है और न ही उनके लिए पर्याप्त एवं प्रभावी नियम-कानून बनाए गए हैं। इसके चलते पीजी संचालक मनमानी करने को स्वतंत्र हैं। अब यह कहा जा रहा है कि पीजी के रूप में चलाए जा रहे भवनों को नियमों के दायरे में लाया जाएगा, लेकिन ऐसा तो तीन-चार दशक पहले ही कर दिया जाना चाहिए था। ऐसा शायद इसलिए नहीं हो पा रहा है, क्योंकि मनमाने ढंग से चलने वाले अनेक पीजी नेताओं या उनके परिचितों के हैं। आरोप यह भी है कि नेता पीजी संचालकों की चिंता अधिक करते हैं, न कि वहां रहने वाले छात्रों की।

एक अनुमान के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में मनमाने तरीके से चलाया जा रहा पीजी का कारोबार लगभग 25 से 30 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, क्योंकि तमाम छात्र कोचिंग केंद्रों में पढ़ाई करते हैं। देश भर के छात्र पढ़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए दिल्ली-एनसीआर आते हैं। छात्रावासों के अभाव में वे जैसे-तैसे संचालित हो रहे पीजी में रहने को विवश हैं। छात्रों को केवल जर्जर भवनों में ही नहीं रहना पड़ रहा, बल्कि ऐसे भवनों में भी अपना गुजारा करना पड़ रहा है, जिनमें बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। यह स्थिति शिक्षा के लिए देश की राजधानी आने वाले छात्रों के साथ अन्याय है। सब जानते हैं कि शहर प्रगति के केंद्र हैं, लेकिन इसके बावजूद शहरों के विकास के लिए कोई ठोस योजना नहीं बन पा रही है। बनती भी है तो उस पर अमल नहीं होता। शहरों का विकास मुख्यत: राज्य सरकारों का विषय है, लेकिन वे सुनियोजित शहरी विकास के लिए ईमानदारी से प्रयासरत नहीं हैं। इसका एक कारण यह भी है कि हमारे अधिकतर सांसद और विधायक ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। इसके चलते उनका और सरकारों का ध्यान शहरों के विकास पर कम और ग्रामीण क्षेत्रों पर अधिक रहता है।

-शिवांश धाकड़

कविता

हिन्दी, भारत के माथे की बिंदी

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

हिन्दी हिन्दोस्तान की शान
हिन्दी भारत की बान
हिन्दी हमारी है जान
हिन्दी भारत के माथे
की है अप्रतिम बिंदी
हिन्दी भारत की शोभा
भारत की है आत्मा
वर्ष बीत गए अब तक
राष्ट्रीय भाषा की अपेक्षा
राजभाषा ही तो कहलाती
नेता लोग हैं विघ्न डाले
अपने प्रदेश की बोली बोले
क्यों नहीं जानते ये नेतागण
एक सूत्र में बांधकर रखती
वो हिन्दी है ....
समस्त भाषाओं की माँ
वो हिन्दी है
अंग्रेजी कर रही राज
हिन्दी पर ....
क्या यह बेमानी नहीं
हिन्दी दक्षिण में कमजोर
उत्तर भारत में जोरदार
एक देश एक ही भाषा हो
जय हिन्दी जय हिन्दोस्तान
संस्कृति हमारी है हिन्दी
हमारा आचरण भी हिन्दी
हिन्दी ही हमारी भावना
परस्पर सौहार्दपूर्ण मेल कराती
वो हिन्दी है

डिजिटल दौर में साइबर सुरक्षा की ढाल बनेगा 'साइबर शक्ति अभियान'

डॉ नितिका शर्मा
भोरंज, जिला हमीरपुर।

देशभर में साइबर अपराध हर वर्ग के लिए पिछले कुछ वर्षों में चुनौती बना हुआ है। आए दिन साइबर अपराध की घटनाएं घटित होती रहती हैं। साइबर अपराधी महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं सहित हर वर्ग को निशाना बनाकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। साइबर अपराध के हाल के आंकड़ों की बात करें तो भारतीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से सामने आने वाले आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को दर्शाते हैं। एक तरफ देश में तेजी से तकनीकी विकास हो रहा है, तो दूसरी ओर साइबर अपराधों का जाल शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक पांव पसार चुका है।

देश के प्रमुख राज्यों में साइबर अपराधों के प्रतिशत के अनुसार आंकड़ों को देखें तो कुल मामलों में 14.5 प्रतिशत उत्तर प्रदेश, 12.4 प्रतिशत महाराष्ट्र, 9.5 प्रतिशत कर्नाटक, 7.7 प्रतिशत गुजरात और 7.3 प्रतिशत मामले बिहार में सामने आए हैं। ये आंकड़े कुल मामलों के 60 प्रतिशत से अधिक हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि साइबर अपराध का दायरा कितना व्यापक हो चुका है। तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराधियों ने भी अपराध करने के नए-नए तरीके विकसित कर लिए हैं। ऐसे में साइबर अपराध की चपेट में आने से बचने के लिए सबसे प्रभावी विकल्प जागरूकता ही है।

देशभर में व्यापक स्तर पर पिछले एक दशक से साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता अभियानों को गति दी गई है। लगातार विभिन्न मंत्रालयों और प्रदेश सरकारों के पुलिस विभागों द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम और पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। इन अभियानों के माध्यम से लोगों को साइबर अपराधों से बचने के उपायों के बारे में बताया जा रहा है तथा उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल अपराधों के प्रति सतर्क किया जा रहा है। बदलते समय के साथ साइबर सुरक्षा को लेकर आम नागरिकों में जागरूकता पैदा करना बेहद आवश्यक हो गया है। इसी कड़ी में अक्तूबर 2024 में महिला सशक्तिकरण स्थायी समिति ने दो वर्ष की अवधि के लिए साइबर शक्ति कार्यक्रम को मंजूरी दी थी। अब महिला सशक्तिकरण स्थायी समिति की रिपोर्ट की सिफारिश पर इसके दूसरे चरण को आगे भी जारी रखा जाएगा। साइबर शक्ति कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर में महिला सरकारी अधिकारियों के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना और साइबर सुरक्षा कौशल को मजबूत करना है। यह पहल विशेष रूप से महिलाओं को साइबर खतरों से निपटने के लिए आवश्यक तकनीकी ज्ञान और कौशल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अभी तक साइबर शक्ति कार्यक्रम के तहत महिला पुलिस अधिकारियों, साइबर सेल कर्मियों और साइबर अपराधों के पीड़ितों से निपटने वाली महिला अधिकारियों सहित कुल 978 महिला सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इन्हें दो सप्ताह के वर्चुअल इंस्ट्रक्टर-लेड ट्रेनिंग के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण तथा एक सप्ताह के ऑफलाइन आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए प्रशिक्षित किया गया है। यह प्रशिक्षण आगे भी जारी रहेगा। ऐसे में साइबर सुरक्षा को लेकर शासन की गंभीरता साफ तौर पर सामने आती है।

आने वाले समय में साइबर शक्ति कार्यक्रम अभियान के माध्यम से सरकारी क्षेत्र की और भी कामकाजी महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये प्रशिक्षित अधिकारी अपने-अपने विभागों के साथ-साथ समाज को भी साइबर अपराध की चपेट में आने से बचाने में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मॉडलिंग से अभिनय तक ईशिता

ईशिता चौहान
जन्म : 14 सितंबर 1999

भारतीय अभिनेत्री और मॉडल ईशिता चौहान का जन्म 14 सितंबर 1999 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ। उन्होंने कम उम्र में ही अभिनय और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और अपनी खूबसूरती तथा अभिनय प्रतिभा के कारण दर्शकों के बीच पहचान बनाई। ईशिता चौहान का संबंध फिल्मी दुनिया से है और वह हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उनका बचपन और शिक्षा महाराष्ट्र में हुई। उन्होंने स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की है। अभिनय के साथ-साथ उन्हें नृत्य, यात्रा, चित्रकारी और फिल्में देखना पसंद है।

ईशिता की पहचान एक युवा अभिनेत्री के रूप में बनी, जिन्होंने पर्दे पर अपनी मौजूदगी से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। वह अपनी भूमिकाओं में सहज अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिल्मी सफर के अलावा मॉडलिंग से जुड़े कामों ने भी उन्हें मनोरंजन जगत में आगे बढ़ने का अवसर दिया। वह अपने व्यक्तित्व और आकर्षक अंदाज के कारण भी चर्चा में रहती हैं।

ईशिता चौहान की लंबाई करीब 165 सेंटीमीटर यानी पांच फीट पांच इंच बताई जाती है और उनका वजन लगभग 51 किलोग्राम है। उनकी आंखों का रंग हेजल और बालों का रंग भूरा बताया जाता है। उनकी रुचियों में यात्रा करना, नृत्य करना, चित्रकारी करना और फिल्में देखना शामिल है। खानपान में उन्हें इटैलियन, पिज्जा, डोसा, चाइनीज व्यंजन और चॉकलेट पसंद बताए जाते हैं। खेलों में उन्हें क्रिकेट पसंद है।

फिल्मी सितारों की बात करें तो ईशिता की पसंद में अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर और टॉम क्रूज जैसे अभिनेता शामिल बताए जाते हैं। अभिनेत्रियों में ऐश्वर्या राय, एमा वॉटसन, जेनिफर लॉरेंस और दीपिका पादुकोण उनकी पसंदीदा अभिनेत्रियों में शामिल हैं। संगीत की दुनिया में वह लता मंगेशकर, एआर रहमान, अरिजीत सिंह और सुनिधि चौहान के गीत पसंद करती हैं। उनकी पसंदीदा फिल्मों में 'टाइटैनिक', 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' और 'क्वीन' के नाम बताए जाते हैं। ईशिता की निजी जिंदगी की बात करें तो उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह अविवाहित हैं।

वैश्विक मंच पर भारत की हुंकार: क्या है ब्रिक्स सम्मेलन और क्या है पीएम मोदी की तैयारी

डॉ कौमार्या मनोज

विश्व जब दो ध्रुवों में बंटा हुआ है और युद्ध तथा टैरिफ की मार झेल रहा है, तब भारत के मंच पर 11 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का एक साथ आना केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक हुंकार के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है। इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत कर रहा है। ब्रिक्स की शुरुआत ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से हुई थी, लेकिन आज यह 11 देशों का प्रभावशाली मंच बन चुका है। इसमें मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल हो चुके हैं। यह समूह दुनिया की लगभग 45 प्रतिशत आबादी और 35 प्रतिशत से अधिक सकल घरेलू उत्पाद का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इसकी बैठकों और निर्णयों का वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है।

भारत की अध्यक्षता में इस बार ब्रिक्स का एजेंडा भी व्यापक रखा गया है। इसका मूल मंत्र 'ह्यूमैनिटी फर्स्ट' यानी मानवता सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट एजेंडा वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करना है। भारत का प्रयास है कि विकासशील देशों से जुड़े मुद्दों को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक महत्व मिले और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में उनकी भागीदारी बढ़े।

सम्मेलन में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, व्यापार को अधिक सुगम बनाने, डॉलर पर निर्भरता कम करने और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा सीमा-पार भुगतान प्रणाली, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और न्यू डेवलपमेंट बैंक के विस्तार जैसे विषय भी महत्वपूर्ण हैं। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में इन मुद्दों का महत्व और बढ़ गया है। युद्ध और व्यापारिक तनाव के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं। ऐसे में ब्रिक्स के सदस्य देश आपसी सहयोग के माध्यम से आर्थिक स्थिरता और विकास को गति देने की कोशिश कर रहे हैं।

इस सम्मेलन के लिए भारत ने व्यापक तैयारियां की हैं। पूरे वर्ष 25 शहरों में 350 से अधिक बैठकें आयोजित की गईं। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत ने ब्रिक्स की अध्यक्षता को केवल औपचारिक जिम्मेदारी के रूप में नहीं लिया, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर अपनी प्राथमिकताओं को सामने रखने के अवसर के रूप में देखा है। राजधानी दिल्ली में सम्मेलन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की गई है। हजारों पुलिसकर्मियों और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती के साथ राजधानी में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं।

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की सबसे बड़ी तैयारी द्विपक्षीय कूटनीति के स्तर पर दिखाई दे रही है। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ मुलाकातें महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ हुई बातचीत में रक्षा, ऊर्जा और द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इन मुलाकातों का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि वर्तमान समय में पश्चिम एशिया से लेकर यूरोप तक कई मोर्चों पर तनाव की स्थिति बनी हुई है।

सबकी नजर प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात पर भी है। कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच संवाद को भारत-चीन संबंधों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे समय में जब वैश्विक राजनीति तेजी से बदल रही है, भारत और चीन जैसे बड़े देशों के बीच संवाद का अपना रणनीतिक महत्व है। दोनों देशों के बीच सीमा, व्यापार और आर्थिक संबंधों से जुड़े विषय लंबे समय से चर्चा में रहे हैं। इसलिए इस मुलाकात से आगे के संबंधों को लेकर नई संभावनाएं बनने की उम्मीद की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी का संदेश स्पष्ट है कि दुनिया एक जटिल दौर से गुजर रही है और ऐसे समय में ब्रिक्स की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो किसी गुट का पिछलग्गू बनना चाहता है और न ही किसी देश का विरोधी। उसकी कोशिश स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति के साथ वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका मजबूत करने की है। भारत व्यापार, शांति, तकनीक और विकास के क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था के निर्माण की वकालत कर रहा है, जिसमें विकासशील देशों की आवाज को भी उचित स्थान मिले।

ब्रिक्स भारत के लिए केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार, विकासशील देशों की अधिक भागीदारी और दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूत करना भारत की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। भारत यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि बदलती दुनिया में वैश्विक संस्थाओं को भी बदलती वास्तविकताओं के अनुरूप ढलना होगा।

नि:संदेह ब्रिक्स की अध्यक्षता और शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत के लिए बड़ी जिम्मेदारी है। यहां लिए गए निर्णयों और सदस्य देशों के बीच बनी सहमति का प्रभाव आने वाले समय में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर दिखाई दे सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

वन भूमि और ग्राम सभा की जमीन पर खनन माफिया का कब्जा

एजेंसी, प्रयागराज

यमुनापार के शंकरगढ़ क्षेत्र में सिलिका सैंड के अवैध खनन का मामला सामने आने के बाद आसपास के कई गांवों में भी इस तरह के खनन की गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। भैसाही में पकड़ा गया अवैध खनन का मामला अकेला नहीं है। आरोप है कि क्षेत्र के कई गांवों में वन भूमि और ग्राम सभा की जमीनों को खनन माफिया निशाना बना रहे हैं। स्थानीय स्तर पर बिना अनुमति या वैध पट्टे के पहाड़ और पत्थरों को तोड़कर सिलिका सैंड निकालने का खेल चलने की बात सामने आई है। इसके लिए पहाड़ी इलाकों में बारूद से धमाके किए जा रहे हैं। धमाकों से जहां पहाड़ों और पत्थरों को तोड़ा जा रहा है, वहीं आसपास की बस्तियों में रहने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तेज धमाकों की आवाज से ग्रामीणों में भय का माहौल बनने की बात कही जा रही है।

क्षेत्र में अवैध खनन की गतिविधियां पहले भी पकड़ में आती रही हैं। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस पर प्रभावी तरीके से रोक नहीं लग पा रही है। कार्रवाई के बाद भी कुछ समय बीतने पर खनन का खेल दोबारा शुरू होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इससे वन भूमि और ग्राम सभा की जमीनों के संरक्षण को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शंकरगढ़ और आसपास के पहाड़ी गांवों में सिलिका सैंड की मौजूदगी के कारण खनन गतिविधियों का दबाव लगातार बना हुआ है। अवैध तरीके से पहाड़ों को तोड़े जाने से क्षेत्र की प्राकृतिक संरचना प्रभावित होने की आशंका है। वहीं, बिना अनुमति खनन होने से सरकारी राजस्व को भी नुकसान पहुंचने की संभावना रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार विभागों को ऐसे क्षेत्रों की नियमित निगरानी करनी चाहिए और अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

प्रतापगढ़ में 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' संवाद से जुड़ा एक लाख का जनसमूह

एजेंसी, लखनऊ। प्रतापगढ़ में जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने लोगों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए 'द ग्रेट अजगरा डिबेट 2026' की शुरुआत की है। यह पहल महाभारत के युधिष्ठिर और यक्ष के संवाद से प्रेरित है। डिबेट में अब तक एक लाख से अधिक लोग शामिल हो चुके हैं। किसान, छात्र, गृहिणियां, नौकरीपेशा और बुजुर्ग इसमें भाग ले रहे हैं। जिले की 1,148 ग्राम पंचायतों और 279 शहरी वार्डों को डिबेट रूम में बदला गया है। प्रतियोगिता का उद्देश्य लोगों को विचार रखने और स्वस्थ बहस के लिए मंच देना है। विजेता को प्रतापगढ़ के 'आधुनिक युधिष्ठिर' का खिताब दिया जाएगा।

सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव से आभूषण बाजार सुस्त

एजेंसी, मेरठ। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव का असर मेरठ के आभूषण बाजार पर पड़ रहा है। दाम बढ़ने से खरीदार नई खरीदारी टाल रहे हैं और कीमतें स्थिर होने का इंतजार कर रहे हैं। इससे आभूषणों की बिक्री प्रभावित हुई है। बिक्री में कमी का असर जीएसटी कलेक्शन पर भी पड़ा है। अगस्त में पिछले वर्ष की तुलना में जीएसटी कलेक्शन में 16 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। अप्रैल 2026 की तुलना में यह कलेक्शन लगभग आधा रह गया है। बाजार में आई सुस्ती से आभूषण कारोबारी भी चिंतित हैं। हालांकि, ब्रांडेड ज्वेलरी के कारोबार में वृद्धि का दावा किया जा रहा है।

10-15 साल की उम्र नहीं, फिटनेस से तय हो वाहनों की स्क्रैपिंग

एजेंसी, मेरठ। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 10 वर्ष पुराने डीजल व्यावसायिक वाहनों को स्क्रैप किए जाने की नीति पर ट्रांसपोर्टरों ने पुनर्विचार की मांग की है। उनका कहना है कि केवल वाहन की उम्र को आधार बनाकर स्क्रैप करने के बजाय उसकी फिटनेस और प्रदूषण स्तर की भी जांच होनी चाहिए। इस संबंध में ट्रांसपोर्टरों ने लखनऊ में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन मेरठ के अध्यक्ष गौरव शर्मा और महामंत्री दीपक गांधी समेत अन्य पदाधिकारियों ने अपनी मांगें रखीं। उन्होंने एनसीआर में स्क्रैप नीति को समान रूप से लागू करने की मांग भी की। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि अच्छी स्थिति वाले और मानकों पर खरे उतरने वाले वाहनों को केवल उम्र के आधार पर स्क्रैप करना उचित नहीं है।

जेवर एयरपोर्ट के पास बनेगी राजपुर औद्योगिक सिटी

एजेंसी, अलीगढ़। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित राजपुर औद्योगिक सिटी के लिए अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) ने भूमि जुटाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। परियोजना के लिए 80 प्रतिशत जमीन लैंड पूलिंग और 20 प्रतिशत जमीन आपसी सहमति से खरीदने की तैयारी है। एडीए की टीम गांवों में पहुंचकर किसानों से सहमति लेने में जुटी है। अब तक 103 किसान करीब 350 एकड़ भूमि देने के लिए सहमति जता चुके हैं। खैर तहसील क्षेत्र के राजपुर, नरायनपुर और सोफा गांवों की जमीन परियोजना के लिए प्रस्तावित है। एडीए का जोर शेष किसानों से भी बातचीत कर सहमति लेने पर है। अधिकारियों की टीम लगातार किसानों से संपर्क कर रही है, ताकि औद्योगिक सिटी के लिए आवश्यक भूमि जुटाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

हसनपुर में बुखार का कहर, 18 वर्षीय आइटीआइ छात्रा की मौत

एजेंसी, अमरोहा। बारिश रुकने के बाद हसनपुर के खादर क्षेत्र में बुखार का प्रकोप बढ़ गया है। गांव मरौरा निवासी ग्राम प्रशासक चरन सिंह की 18 वर्षीय इकलौती बेटी सरोज को चार दिन से बुखार था। स्वजन उसका एक निजी अस्पताल में उपचार करा रहे थे। शनिवार को अचानक उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद स्वजन उसे बेहतर उपचार के लिए मेरठ ले जा रहे थे। रास्ते में ही उसकी हालत गंभीर हो गई और शनिवार रात उसने दम तोड़ दिया। छात्रा की मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। सरोज आइटीआइ की छात्रा थी। क्षेत्र में बुखार के बढ़ते मामलों से ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल है।

शहर में पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की तैयारी

प्रयागराज में बढ़ेंगी ई-बसों की संख्या

एजेंसी, प्रयागराज

पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रयागराज में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का विस्तार किया जाएगा। शहर में आने वाले समय में ई-बसों की संख्या बढ़ाने की तैयारी है। इसी को ध्यान में रखते हुए फाफामऊ में तीन एकड़ क्षेत्रफल में नया ई-बस डिपो विकसित किया जाएगा। इस डिपो में एक साथ 50 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों को खड़ा करने की क्षमता होगी। इसके बनने से शहर में ई-बसों के संचालन को विस्तार देने में मदद मिलेगी।

नए डिपो के लिए जमीन प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) उपलब्ध कराएगा। इसके लिए पीडीए बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। जमीन उपलब्ध होने के बाद डिपो के विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, ई-बसों की संख्या बढ़ने के साथ उनके संचालन और रखरखाव के लिए अतिरिक्त स्थान की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसी आवश्यकता को देखते हुए फाफामऊ में डिपो विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

शहर में सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में इलेक्ट्रिक बसों को महत्वपूर्ण विकल्प माना जा रहा है। डीजल से चलने वाली बसों की तुलना में ई-बसों के संचालन से प्रदूषण कम करने में मदद मिल सकती है। इसी उद्देश्य से शहर में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। नई बसों के संचालन से यात्रियों को भी सार्वजनिक परिवहन का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा। फाफामऊ में बनने वाला डिपो ई-बसों के बढ़ते बेड़े को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वर्तमान में संचालित बसों के साथ भविष्य में शामिल होने वाली बसों को ध्यान में रखते हुए डिपो की क्षमता निर्धारित की गई है। तीन एकड़ में विकसित होने वाले इस परिसर में 50 से अधिक बसों को एक साथ खड़ा किया जा सकेगा। इससे बसों के संचालन की व्यवस्था को व्यवस्थित करने में भी सहायता मिलेगी। प्रयागराज में ई-बसों के विस्तार की योजना को पर्यावरण संरक्षण के साथ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने से जोड़कर देखा जा रहा है।

शहर की बढ़ती परिवहन जरूरतों को देखते हुए आने वाले समय में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इसके लिए जरूरी आधारभूत ढांचा तैयार करने की दिशा में फाफामऊ डिपो को अहम कदम माना जा रहा है। पीडीए की ओर से जमीन उपलब्ध कराने की मंजूरी मिलने के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है।

वैदिक काल से राष्ट्र रक्षा में खटीक समाज का योगदान: राजनाथ सिंह

एजेंसी, आगरा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को आगरा पहुंचे और आरबीएस कॉलेज, खंदारी में आयोजित खटीक समाज गर्जना सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने खटीक समाज के ऐतिहासिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज वैदिक काल से धर्म के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। देश और धर्म के लिए समर्पित खटीक समाज ने राष्ट्र रक्षा में भी हमेशा अहम योगदान दिया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि समाज को केवल जाति के चश्मे से देखने वाले लोग उसकी मूल भावना को नहीं समझ सकते। उन्होंने कहा कि अलग-अलग लोगों के कर्तव्य भले ही अलग हों, लेकिन सभी का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र की रक्षा और देशहित होना चाहिए। उन्होंने समाज के योगदान और गौरवशाली इतिहास को सामने लाने पर भी जोर दिया। रक्षा मंत्री विशेष विमान से आगरा वायुसेना के तकनीकी क्षेत्र में पहुंचे। एयरपोर्ट पर मंत्री और आगरा के सांसद प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल समेत प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वह खंदारी स्थित सम्मेलन स्थल पहुंचे।

सम्मेलन में राजनाथ सिंह ने खटीक समाज के इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के योगदान को उचित रूप से सामने लाने की जरूरत है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। राजनाथ सिंह के संबोधन के दौरान राष्ट्र रक्षा और सामाजिक योगदान से जुड़े विषय प्रमुखता से उठे। उन्होंने कहा कि समाज के गौरवशाली इतिहास और योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। इसके लिए इतिहास में खटीक समाज की भूमिका को उचित स्थान मिलना चाहिए। सम्मेलन में राष्ट्र रक्षा, सामाजिक एकता और समाज के विकास जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

वाराणसी के 18 थानों को अफसरों ने लिया गोद, अपराध नियंत्रण पर जोर

एजेंसी, वाराणसी

कमिश्नरेट के थानों की कार्यप्रणाली में सुधार और जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए पुलिस ने नई पहल शुरू की है। एडीजी से लेकर सीओ रैंक तक के अधिकारियों ने कमिश्नरेट के 18 थानों को गोद लिया है। पुलिस कमिश्नर ने अपने लिए चौक थाना चुना है। अधिकारियों की निगरानी में थानों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के साथ अपराध नियंत्रण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य थानों की कार्यप्रणाली में सुधार, जनसुनवाई को प्रभावी बनाना और लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना है। अधिकारियों की नियमित भागीदारी से थानेदारों की जवाबदेही भी बढ़ेगी। जनता और व्यापारियों को थानों में बदलाव महसूस कराने की दिशा में काम किया जाएगा। अधिकारियों की ओर से थानों की साफ-सफाई, मेस की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

आईपीएस से लेकर पीपीएस स्तर के अधिकारी अपने-अपने थानों में नए प्रयोग और नवाचार कर सकेंगे। अधिकारियों के बीच बेहतर काम करने की प्रतिस्पर्धा से थानों की व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इससे अपराध नियंत्रण के साथ जनविश्वास मजबूत होगा।

बसपा में परिवारवाद पर मायावती का बड़ा दांव, दीपिका पर भरोसा

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने अपने परिवार की राजनीतिक भूमिका को लेकर बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने छोटे भाई आनंद कुमार के दोनों बेटों आकाश आनंद और ईशान आनंद को भविष्य में बसपा संगठन में किसी भी छोटे-बड़े पद पर राजनीति करने का अवसर नहीं देने की घोषणा की है।

इसके साथ ही मायावती ने संकेत दिया है कि जरूरत पड़ने पर आनंद कुमार अपनी बेटी कुमारी दीपिका को पार्टी में जिम्मेदारी दे सकते हैं। उनके इस फैसले को बसपा में उत्तराधिकार और परिवारवाद को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मायावती ने कहा कि उनके अविवाहित होने के कारण उन्हें मजबूरी में अपने भाई आनंद कुमार को साथ रखना पड़ा।

हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में आवश्यकता होने पर आनंद अपनी बेटी दीपिका को जिम्मेदारी दे सकते हैं। इससे पार्टी के भीतर दीपिका आनंद की संभावित राजनीतिक भूमिका को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मायावती का यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब आकाश आनंद को लेकर पार्टी में लगातार बदलाव देखने को मिले हैं। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले मायावती ने आकाश को अपना उत्तराधिकारी घोषित करते हुए उन्हें संगठन में सक्रिय भूमिका दी थी।

बाद में उन्हें अपरिपक्व बताते हुए जिम्मेदारी वापस ले ली गई थी। कुछ समय बाद उन्हें फिर संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई। इसके बाद पिछले वर्ष मायावती ने आकाश को उत्तराधिकारी बनाने का निर्णय वापस लेते हुए उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया था। कुछ माह बाद उनकी बसपा में वापसी हुई, लेकिन हाल ही में उन्हें फिर पार्टी से बाहर कर दिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम के दौरान आकाश की राजनीतिक भूमिका को लेकर लगातार सवाल उठते रहे। इसी बीच मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी थी। इससे पार्टी में परिवारवाद को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई थी। अब मायावती ने दोनों भतीजों को भविष्य में संगठन में कोई पद नहीं देने की घोषणा कर स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की है।

◆ **इस** फैसले से मायावती ने पार्टी में परिवारवाद को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है। उन्होंने संकेत दिया है कि भविष्य में संगठन में जिम्मेदारी देने का निर्णय जरूरत और परिस्थितियों के आधार पर लिया जाएगा। दीपिका आनंद की संभावित राजनीतिक भूमिका को लेकर भी अब बसपा के भीतर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

यूपी में वृद्धावस्था पेंशन का बदला सिस्टम, अब दो किस्तों में आएगी रकम

एजेंसी, बाराबंकी। वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभार्थियों के लिए नई किस्त प्रणाली लागू कर दी गई है। अब तीन माह की 3000 रुपये की पेंशन राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से दो बराबर किस्तों में भेजी जाएगी। जिले में करीब 1.19 लाख वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थी हैं और उनके खातों में पेंशन की राशि आनी शुरू हो गई है।

नई व्यवस्था के तहत तीन महीने की पेंशन 3000 रुपये ही रहेगी, लेकिन इसका भुगतान दो अलग-अलग किस्तों में किया जाएगा। इससे लाभार्थियों को पेंशन राशि सीधे बैंक खाते में प्राप्त होगी। विभाग की ओर से पेंशन भुगतान की प्रक्रिया डीबीटी के माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे राशि सीधे पात्र लाभार्थियों के खातों में पहुंचेगी। 80 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थियों के लिए केंद्र और राज्य सरकार का योगदान बराबर रखा गया है। ऐसे लाभार्थियों को मिलने वाली 3000 रुपये की त्रैमासिक पेंशन में केंद्र सरकार 1500 रुपये और राज्य सरकार 1500 रुपये का योगदान देगी।

वहीं, 80 वर्ष से कम आयु के लाभार्थियों की पेंशन में राज्य सरकार की हिस्सेदारी 2400 रुपये और केंद्र सरकार का अंश 600 रुपये होगा। इस तरह कुल पेंशन राशि 3000 रुपये ही रहेगी। पेंशन योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता के साथ निर्धारित आय सीमा और आवश्यक दस्तावेजों की शर्तें भी लागू हैं। लाभार्थियों को बैंक खाते और अन्य जरूरी विवरण सही रखने होंगे, ताकि डीबीटी के माध्यम से पेंशन राशि मिलने में किसी तरह की परेशानी न हो।

लखनऊ में बुजुर्ग की हत्या, 24 घंटे बाद भी आरोपित गिरफ्तार नहीं

एजेंसी, लखनऊ। मड़ियांव थाना क्षेत्र में चाकू से हमले में रिटायर्ड नगर निगम सुपरवाइजर मदन बिहारी तिवारी (70) की मौत के मामले में 24 घंटे बाद भी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं होने पर परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। रविवार को परिवार के लोगों ने घर के पास सीतापुर रोड पर शव रखकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने आरोपित की तत्काल गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग की। मदन बिहारी तिवारी पर शनिवार को मड़ियांव थाने के पास चाकू से हमला किया गया था। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपित की पहचान राजकुमार के रूप में की।

हालांकि, घटना के 24 घंटे बाद तक उसकी गिरफ्तारी नहीं होने से परिजनों में नाराजगी बढ़ गई। रविवार को परिजन शव लेकर सीतापुर रोड पर पहुंचे और सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाया और आरोपित की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिया। पुलिस के आश्वासन के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले गए। पुलिस के अनुसार, आरोपित राजकुमार की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपित को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यूपी में रक्षा औद्योगिक गलियारे का होगा विस्तार, 20 हजार हेक्टेयर भूमि की तलाश

◆ यूपी में रक्षा उपकरण निर्माण का दायरा बढ़ाने की कवायद तेज।

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने और राज्य को रक्षा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए रक्षा औद्योगिक गलियारे का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने करीब 20 हजार हेक्टेयर भूमि की तलाश तेज कर दी है। संबंधित जिलों में पर्याप्त जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण विस्तार परियोजना में देरी हो रही है। यूपीडा ने जिलाधिकारियों से जल्द भूमि उपलब्ध कराने को कहा है।

राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश को रक्षा क्षेत्र में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से 11 अगस्त 2018 को अलीगढ़ में रक्षा औद्योगिक गलियारा परियोजना की शुरुआत की थी। इसके तहत प्रदेश में 2230 हेक्टेयर भूमि पर छह नोड विकसित किए जा रहे हैं। इन नोड के माध्यम से रक्षा उपकरणों के निर्माण और निवेश को बढ़ावा देने की योजना है। अब तक रक्षा औद्योगिक गलियारे में 13,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आ चुका है।

कानपुर और लखनऊ नोड में उत्पादन भी शुरू हो गया है। यहां रक्षा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण उपकरणों के निर्माण के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन भी किया जा रहा है। गलियारे के विस्तार के लिए बड़े भू-क्षेत्र की आवश्यकता है। इसी कारण यूपीडा संबंधित जिलों में उपलब्ध भूमि की जानकारी जुटा रहा है। अधिकारियों से कहा गया है कि भूमि उपलब्धता की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि विस्तार की योजना को आगे बढ़ाया जा सके। सरकार का लक्ष्य रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देकर निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी है।

राहत गिरफ्तारी पर रोक के साथ हाई कोर्ट ने राज्य सरकार और शिकायतकर्ता से मांगा जवाब

अभिनेता चंद्रचूड़ के रिश्तेदारों को हाई कोर्ट से राहत, गिरफ्तारी पर रोक

एजेंसी, प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह की चाची गायत्री देवी और चचेरे भाई जय सिंह को राहत दी है। कोर्ट ने दोनों की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। साथ ही मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने शिकायतकर्ता को भी नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई पर पक्षकारों के जवाब के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

जानकारी के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और उनके भाई अभिमन्यु की ओर से अपने चचेरे भाई जय सिंह, चाची गायत्री देवी और अन्य के खिलाफ अलीगढ़ में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इस एफआईआर को जय सिंह और गायत्री देवी की ओर से हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में मुकदमे को निरस्त करने तथा गिरफ्तारी से राहत की मांग की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को तत्काल राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

कोर्ट ने राज्य सरकार से मामले में जवाब दाखिल करने को कहा है। इसके साथ ही शिकायतकर्ता को भी नोटिस जारी किया गया है। कोर्ट के इस आदेश के बाद फिलहाल दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी पर रोक रहेगी। मामले की पृष्ठभूमि में संपत्ति से जुड़ा विवाद बताया गया है। चंद्रचूड़ सिंह की ओर से अपनी चाची पर फर्जी वसीयत के माध्यम से संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया गया है। इसी विवाद के बीच चचेरे भाई और चाची समेत अन्य के खिलाफ पुलिस में शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर अलीगढ़ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी।

एफआईआर में लगाए गए आरोपों को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट का रुख किया। उनका पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने फिलहाल गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार और शिकायतकर्ता से जवाब मांगा है। कोर्ट के आदेश से चंद्रचूड़ सिंह के रिश्तेदारों को बड़ी राहत मिली है। हालांकि, गिरफ्तारी पर रोक का आदेश मामले के अंतिम निस्तारण का निर्णय नहीं है। एफआईआर में लगाए गए आरोपों और याचिका में उठाए गए बिंदुओं पर कोर्ट आगे सुनवाई करेगा। राज्य सरकार और शिकायतकर्ता की ओर से जवाब दाखिल किए जाने के बाद मामले की स्थिति और स्पष्ट होगी।

रिश्तेदारों को कोर्ट से राहत

कोर्ट के आदेश के बाद मामले में दोनों पक्षों की दलीलों और पुलिस की कार्रवाई पर आगे की सुनवाई महत्वपूर्ण होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से एफआईआर में लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए राहत की मांग की गई है। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से मामले में अपना पक्ष रखा जाएगा। राज्य सरकार भी एफआईआर और जांच से संबंधित तथ्यों के आधार पर अपना जवाब दाखिल करेगी। हाई कोर्ट के समक्ष अब यह स्पष्ट किया जाएगा कि पुलिस की ओर से दर्ज मुकदमे में लगाए गए आरोपों की जांच किस स्तर पर है। कोर्ट के अगले आदेश के बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी। अदालत के इस आदेश से याचिकाकर्ताओं को फिलहाल गिरफ्तारी से राहत मिली है। अब राज्य सरकार और शिकायतकर्ता के जवाब के बाद कोर्ट मामले की अगली दिशा तय करेगा।

यूपी में 736 हेलीपैड बनाने की योजना, जमीन बनी सबसे बड़ी बाधा

एजेंसी, लखनऊ

विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में प्रत्येक तहसील और ब्लाक में एक हेलीपैड बनाने की योजना पर काम चल रहा है, लेकिन भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण इसकी रफ्तार धीमी है। सरकार ने प्रदेश में कुल 736 हेलीपैड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इनमें से अभी तक केवल 118 हेलीपैड के लिए ही भूमि उपलब्ध हो पाई है। ऐसे में शेष हेलीपैडों के लिए जमीन जुटाना लोक निर्माण विभाग के सामने बड़ी चुनौती बन गया है।

लोक निर्माण विभाग दिसंबर तक सभी 736 हेलीपैड का निर्माण पूरा करने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए विभाग की ओर से सभी जिलों के जिलाधिकारियों को हेलीपैड निर्माण के लिए आवश्यक भूमि जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों से भूमि चिह्नित कर प्रक्रिया को आगे बढ़ाने को कहा गया है, ताकि निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सके। सरकार की योजना के तहत यदि निर्धारित समय में सभी हेलीपैड तैयार हो जाते हैं तो प्रदेश में वीवीआइपी मूवमेंट को काफी सुविधा मिलेगी।

हर 20 किलोमीटर की दूरी पर एक हेलीपैड उपलब्ध होने से चुनावी दौरों के दौरान नेताओं और अन्य विशिष्ट लोगों की आवाजाही आसान हो सकेगी। फिलहाल 118 हेलीपैड के लिए भूमि उपलब्ध होने के बाद लोक निर्माण विभाग इनके निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। बाकी स्थानों पर भूमि उपलब्ध कराने के लिए जिलों से समन्वय किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि जमीन से जुड़ी बाधा को जल्द दूर कर निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। विधानसभा चुनाव से पहले इतनी बड़ी संख्या में हेलीपैड तैयार करने की योजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कन्यावाला जंगल में गोमांस बरामदगी से हड़कंप, एक आरोपी हिरासत में, कई फरार

भारतेन्दु संवाददाता, छछरौली

छछरौली उपमंडल के गांव कन्यावाला के जंगल में गौ रक्षा दल की सूचना पर प्रताप नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब एक क्विंटल गोमांस बरामद किया है। पुलिस ने मौके से इकराम नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। गौ रक्षा दल के सदस्यों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें जंगल क्षेत्र में गोकशी की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने मौके पर निगरानी शुरू की।

इसी दौरान दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर मांस लेकर जाते दिखाई दिए। टीम को देखते ही एक व्यक्ति भाग निकला, जबकि दूसरे को पुलिस की मदद से पकड़ लिया गया। मामले में अनीश, निसार, अनवर सहित कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। थाना प्रभारी प्रताप नगर रोहताश ने बताया कि हिरासत में लिए गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। बरामद मांस को जांच के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस के अनुसार, हरियाणा गोवंश संरक्षण एवं गोसंवर्धन अधिनियम के तहत गोवंश की हत्या दंडनीय अपराध है। मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और फरार आरोपियों की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। बरामद मांस के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि बरामद मांस गोवंश का है या नहीं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने निगरानी भी बढ़ा दी है।

हरियाणा में दो चरणों में होगी कांस्टेबल भर्ती, छह महीने में भरे जाएंगे 9500 पद

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा पुलिस विभाग में अगले छह महीने के दौरान कांस्टेबल के 9500 पदों पर भर्ती की तैयारी है। विभाग की ओर से नवंबर में करीब चार हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की योजना है। इसके बाद मार्च 2027 में 5500 और कांस्टेबल पदों पर भर्ती कराने की तैयारी की जा रही है। इससे पुलिस विभाग में बड़ी संख्या में खाली पदों को भरने का रास्ता साफ होगा। प्रदेश में वर्तमान में करीब 25 हजार पुलिस जवानों की कमी बताई जा रही है। इसी कमी को दूर करने के लिए विभाग चरणबद्ध तरीके से नई भर्तियां करने की तैयारी में है। अधिकारियों का लक्ष्य वर्ष 2028 तक पुलिस बल में जवानों की कमी को काफी हद तक दूर करना है। पहले चरण में नवंबर में होने वाली भर्ती में चार हजार पद शामिल किए जाएंगे। इसके बाद मार्च 2027 में 5500 पदों पर भर्ती प्रस्तावित है। दोनों भर्तियों के माध्यम से कुल 9500 नए कांस्टेबल पुलिस विभाग को मिलेंगे। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रदेश के अलग-अलग जिलों और पुलिस इकाइयों में आवश्यकता के अनुसार जवानों की तैनाती की जा सकेगी।

पुलिस बल में जवानों की कमी का असर कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसकर्मियों के काम के दबाव पर भी पड़ता है। बड़ी संख्या में नई भर्ती होने से मौजूदा कर्मचारियों पर काम का बोझ कम होने की उम्मीद है। विभाग की इस भर्ती योजना से पुलिस में नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं को भी बड़ा अवसर मिलेगा। हालांकि भर्ती की विस्तृत प्रक्रिया, आवेदन की तारीख, आयु सीमा और अन्य पात्रता संबंधी जानकारी आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के बाद स्पष्ट होगी। भर्ती को लेकर युवाओं में उत्साह है। विभाग की ओर से जल्द ही भर्ती संबंधी अधिसूचना जारी किए जाने की उम्मीद है। इसके बाद इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे। भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता और अन्य निर्धारित मानकों का पालन किया जाएगा।

ग्रेटर फरीदाबाद में आबादी बढ़ी, पुलिसिंग ढांचा पीछे छूटा, कानून-व्यवस्था पर उठने लगे गंभीर सवाल

तेजी से बढ़ती आबादी और अपराध के बीच नए थाने, चौकियों और गश्त बढ़ाने की जरूरत

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद में तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार के बीच पुलिसिंग व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र में लगातार नए सेक्टर और बहुमंजिला आवासीय सोसायटियां विकसित हुई हैं, जिससे आबादी में बड़ा इजाफा हुआ है। इसके बावजूद आबादी के अनुपात में पुलिसिंग का ढांचा उस गति से मजबूत नहीं हो सका है। नतीजतन कानून-व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी सीमित संसाधनों वाली पुलिस व्यवस्था पर बढ़ती जा रही है।

कभी खेतों और गांवों के बीच बसा ग्रेटर फरीदाबाद अब तेजी से विकसित हो चुका है। बड़ी संख्या में लोग यहां बस चुके हैं और कई नई आवासीय परियोजनाएं भी आकार ले रही हैं। क्षेत्र की आबादी बढ़ने के साथ वाहनों की संख्या,

बाजारों और व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार भी हुआ है। ऐसे में पुलिस की जिम्मेदारियां पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि क्षेत्र के कई हिस्सों में पुलिस व्यवस्था अब भी पुराने थाना क्षेत्रों और सीमित पुलिस चौकियों के सहारे चल रही है। आबादी का दायरा बढ़ने के बावजूद नए थानों और चौकियों की संख्या उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाई है।

इससे पुलिसकर्मियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। किसी घटना की सूचना मिलने पर पुलिस को कई बार अपेक्षाकृत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। शहरी क्षेत्र के विस्तार के साथ अपराध की घटनाओं और सुरक्षा संबंधी शिकायतों में भी बढ़ोतरी हुई है। बड़ी सोसायटियों में रहने वाले लोगों को सुरक्षा, गश्त और त्वरित पुलिस सहायता की जरूरत रहती है। वहीं, बढ़ते यातायात और व्यस्त सड़कों के कारण भी पुलिस को अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। सीमित संसाधनों के बीच इन सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संभालना चुनौती बन रहा है।

स्थानीय स्तर पर मांग उठ रही है कि ग्रेटर फरीदाबाद की वर्तमान आबादी और भविष्य के विस्तार को ध्यान में रखते हुए पुलिसिंग व्यवस्था की समीक्षा की जाए। क्षेत्र में नए थाने और पुलिस चौकियां स्थापित करने के साथ नियमित गश्त बढ़ाने की जरूरत है। संवेदनशील और अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने से लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हो सकती है।

भिवानी रेलवे ट्रैक पर मिला हिमाचल पुलिस के हेड कांस्टेबल का शव

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

भिवानी में रेलवे ट्रैक पर हिमाचल पुलिस के हेड कांस्टेबल अमित कुमार का शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना 12 सितंबर शाम की बताई जा रही है। भिवानी रेलवे स्टेशन से जीआरपी चौकी को सूचना मिली थी कि बीटीएम मिल के पीछे रेलवे ट्रैक के बीच एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही जीआरपी टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

शव के पास मिले पर्स से हरियाणा पुलिस का आई-कार्ड बरामद हुआ, जिसके आधार पर मृतक की पहचान अमित कुमार के रूप में हुई। वह भिवानी के लाजपत नगर, खड़कड़ी फाटक के रहने वाले थे और थाना शहर भिवानी में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अमित कुमार रोजाना की तरह ड्यूटी समाप्त करने के बाद रेलवे ट्रैक पार कर घर की ओर जा रहे थे।

बताया जा रहा है कि बारिश के कारण रेलवे ट्रैक पर उनका पैर फिसल गया और वह ट्रैक पर गिर गए। इसी दौरान किसी अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जीआरपी ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे की परिस्थितियों को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों के अनुसार, अमित कुमार के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा करीब 15 वर्ष और छोटा बेटा करीब 13 वर्ष का है।

हरियाणा में लम्पी वायरस का कहर, 150 से अधिक गायों की मौत; 15 हजार संक्रमित

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

हरियाणा में लम्पी वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। इस घातक बीमारी की चपेट में आने से प्रदेशभर में अब तक 150 से अधिक गायों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 15 हजार गोवंश संक्रमित बताए जा रहे हैं। बीमारी के बढ़ते मामलों ने पशुपालकों और गोशाला संचालकों की चिंता बढ़ा दी है।

लम्पी वायरस का असर अब केवल गोशालाओं तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि बेसहारा गोवंश के माध्यम से शहरों की कालोनियों और गलियों तक भी पहुंच गया है। भिवानी शहर में रोजाना अलग-अलग इलाकों से लम्पी से पीड़ित गायों के बीमार होने और मौत की सूचनाएं सामने आ रही हैं। इससे लोगों में भी चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भिवानी के आइसोलेशन सेंटर में ही 105 गायों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी बड़ी संख्या में गोवंश इस बीमारी की चपेट में है।

संक्रमित गायों में बुखार, शरीर पर गांठें और कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। समय पर उपचार नहीं मिलने पर बीमारी घातक साबित हो रही है। पशुपालकों का आरोप है कि पशुपालन विभाग की ओर से चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान के बावजूद संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। विभाग की कार्यप्रणाली और वैक्सीनेशन व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

लोगों का कहना है कि प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने, संक्रमित पशुओं को अलग रखने और समय पर उपचार की व्यवस्था करने की जरूरत है। लम्पी वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच पशुपालकों ने सरकार से विशेष अभियान चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि बीमारी की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर टीकाकरण, संक्रमित पशुओं की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जाए, ताकि संक्रमण को आगे फैलने से रोका जा सके।

गुस्से में शीशे पर हाथ मारना पड़ा भारी, नस कटने से 26 वर्षीय युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत के पटेल नगर में पत्नी से विवाद के बाद 26 वर्षीय युवक गौरव की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पत्नी से झगड़े के दौरान गौरव गुस्से में आ गया और उसने घर के दरवाजे में लगे शीशे पर दोनों हाथ मार दिए। हाथ में शीशा लगने से उसकी नस कट गई और काफी खून बहने लगा। ज्यादा रक्तस्राव के कारण वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिजन तुरंत उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर तहसील कैंप थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घर की जांच की तो दरवाजे का शीशा टूटा हुआ मिला। फर्श पर खून बिखरा था और दरवाजे पर भी खून के निशान पाए गए। पुलिस ने मौके की स्थिति का जायजा लेने के साथ परिजनों और पड़ोसियों से पूछताछ की।

पंचकूला में फर्जी डॉक्टरों ने कैंसर इलाज के नाम पर बुजुर्ग दंपती से ठगे पांच लाख

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

कैंसर पीड़ित महिला के इलाज का झांसा देकर फर्जी डॉक्टर बनकर पहुंचे दो शातिरों ने सेक्टर-10 निवासी बुजुर्ग दंपती से पांच लाख रुपये ठग लिए। आरोपितों ने इलाज के दौरान महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर मानसिक रूप से भ्रमित किया। इसके बाद सिरिंज दिखाकर डराया और रुपये ऐंठ लिए। सेक्टर-5 थाना पुलिस ने राजेंद्र कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में राजेंद्र कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी रेणु गुप्ता के बाएं हाथ में कैंसर है और उनका उपचार चल रहा है। करीब दो महीने पहले वीआईपी रोड निवासी मनोज मेहरा नाम के व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। उसने राजेंद्र को बताया कि उसके परिचित ऐसे लोग हैं, जो कैंसर का इलाज कर सकते हैं। बातचीत के दौरान आरोपितों ने खुद को डॉक्टर बताया और महिला का इलाज करवाने का भरोसा दिया।

इसके बाद दोनों आरोपित बुजुर्ग दंपती के घर पहुंचे। उन्होंने महिला की बीमारी के बारे में जानकारी ली और इलाज करने का दावा किया। परिवार को विश्वास में लेने के लिए उन्होंने डॉक्टर होने का दिखावा किया और इलाज के नाम पर कुछ प्रक्रिया शुरू की। इसी दौरान महिला को कोई नशीला पदार्थ सुंघाया गया, जिससे वह मानसिक रूप से भ्रमित हो गई।

मोदी के 25 साल पूरे होने पर हरियाणा में रोशन होंगे घर, कुम्हारों की बढ़ेगी आमदनी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हरियाणा सरकार 17 सितंबर से 'आशीर्वाद का दीया' अभियान शुरू करने जा रही है। यह अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत प्रदेश के घरों में मिट्टी के दीये जलाए जाएंगे। सरकार ने इस आयोजन को सेवा संकल्प अभियान से जोड़ा है, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

इस अभियान की खास बात यह है कि दीयों की खरीद सीधे स्थानीय कुम्हारों से की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि दीये किसी बड़े सप्लायर या दूसरे राज्यों के बाजार से खरीदने के बजाय संबंधित जिलों के कुम्हारों से ही लिए जाएंगे। इससे पारंपरिक कारीगरों को रोजगार और अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिलने की उम्मीद है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशालय ने सभी जिलों को दीयों की खरीद और वितरण के लिए लक्ष्य निर्धारित कर दिए हैं।

अभियान के तहत अंत्योदय परिवारों को 79.52 लाख मिट्टी के दीये मुफ्त उपलब्ध करवाए जाएंगे। इससे बड़ी संख्या में जरूरतमंद परिवार भी इस आयोजन से जुड़ सकेंगे। सरकार का मानना है कि मिट्टी के दीयों के उपयोग से स्थानीय कारीगरों को आर्थिक सहारा मिलेगा और पारंपरिक कुम्हारी कला को बढ़ावा मिलेगा। बदलते समय में बाजार में मशीन से बने सजावटी सामान और अन्य विकल्पों के कारण कुम्हारों के पारंपरिक कारोबार पर असर पड़ा है। ऐसे में सरकारी स्तर पर बड़े पैमाने पर दीयों की खरीद उनके लिए महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। 17 सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान के दौरान घर-घर दीये जलाने की अपील की जाएगी।

सरकार की योजना के अनुसार अभियान में स्थानीय स्तर पर खरीद, वितरण और जनभागीदारी पर विशेष जोर रहेगा। इससे एक ओर जहां प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन की उपलब्धि को चिह्नित किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के कुम्हारों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का प्रयास भी किया जाएगा। अभियान के दौरान स्थानीय स्तर पर दीयों की खरीद और वितरण को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य जनभागीदारी बढ़ाने के साथ कुम्हारों को आर्थिक संबल देना और पारंपरिक मिट्टी के दीयों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

पंचकूला में बिना वर्दी टैक्सी चलाना पड़ा भारी, तीन दिन में कटे 137 चालान

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पंचकूला ट्रैफिक पुलिस ने बिना निर्धारित वर्दी टैक्सी चलाने वाले चालकों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत पुलिस ने पिछले तीन दिनों में जिलेभर में 137 चालान काटे हैं। कार्रवाई के बाद टैक्सी चालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, अभियान का मुख्य उद्देश्य टैक्सी चालकों के लिए निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। पुलिस ने ऐसे चालकों को निशाने पर लिया, जो टैक्सी का संचालन तो कर रहे थे, लेकिन निर्धारित वर्दी नहीं पहने थे। नियमों के अनुसार टैक्सी चालकों के लिए निर्धारित वर्दी पहनना जरूरी है, ताकि यात्रियों को चालक की पहचान करने में परेशानी न हो। पुलिस के मुताबिक, शहर क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान 75 टैक्सी चालकों के चालान किए गए। वहीं, सूरजपुर ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 62 चालान काटे। इस तरह तीन दिनों में कुल 137 चालान किए गए हैं। प्रत्येक मामले में नियमों के अनुसार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए टैक्सी चालकों की पहचान स्पष्ट होना जरूरी है। निर्धारित वर्दी से यात्रियों को अधिक भरोसा मिलता है और किसी शिकायत या आपात स्थिति में चालक की पहचान करना भी आसान रहता है। पुलिस ने टैक्सी चालकों को निर्धारित वर्दी पहनकर ही वाहन चलाने की हिदायत दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा और उल्लंघन मिलने पर चालान की कार्रवाई की जाएगी।

बेटे को जन्म देने के बाद महिला की मौत परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाए आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल के सरकारी अस्पताल में डिलीवरी के बाद एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला ने अस्पताल में बेटे को जन्म दिया था। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि महिला को गलत ब्लड ग्रुप का खून चढ़ाया गया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान मनिका के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, डिलीवरी के बाद महिला की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। उन्होंने अस्पताल स्टाफ को इसकी जानकारी दी। इसके बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। परिजनों ने उपचार में लापरवाही बरतने और गलत ब्लड चढ़ाने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की है। महिला की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद अस्पताल में परिजनों और अन्य लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच करने और दोषी पाए जाने वाले डॉक्टरों या कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल में महिला के उपचार से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाने के आरोप की भी जांच की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

पार्टी के बाद घर लौट रहे दोस्तों की बाइक भिड़ी डिवाइडर से, एक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत के मुरथल रोड पर हुए हादसे में एक युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया। रविवार सुबह बाइक डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित हो गई। हादसे में सांदल कलां निवासी सुमित की मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथ बाइक पर सवार प्रिंस और साहिल घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्रिंस की हालत गंभीर होने पर उसे रोहतक पीजीआई रेफर किया गया। साहिल का सिविल अस्पताल में उपचार किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेडिकल कॉलेज से एक्स-रे फिल्मों के बंडल चोरी, रेडियोग्राफर निलंबित

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत के गोहाना स्थित भगत फूल सिंह महिला मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पुरानी एक्स-रे फिल्मों के बंडल बाहर ले जाने का मामला सामने आया है। 2 सितंबर को अस्पताल के पीछे तीन लोगों को कार में एक्स-रे फिल्मों का बंडल रखते हुए सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ लिया। बताया गया कि तीन बंडल तैयार किए गए थे, जिनमें से एक कार में रखा जा चुका था। सीसीटीवी फुटेज में भी एक्स-रे फिल्मों के अलग-अलग बंडल बनाकर बाहर ले जाने की गतिविधि दिखाई दे रही है। मामले की जांच में रेडियोग्राफर रणबीर दलाल की भूमिका संदिग्ध मिलने पर उसे निलंबित कर दिया गया। हालांकि, अभी तक पुलिस में एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

हरियाणा में बारिश का यलो अलर्ट छह दिन बूंदाबांदी के आसार

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। हरियाणा में मानसून की गतिविधियां एक बार फिर बढ़ने लगी हैं। मौसम विभाग ने रविवार को बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में 17 सितंबर तक लगातार छह दिन बारिश या बूंदाबांदी होने के आसार हैं। रविवार सुबह पानीपत और करनाल में बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। वहीं, कई अन्य जिलों में भी बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार 18 सितंबर के बाद बारिश की गतिविधियों में कमी आ सकती है। दूसरी ओर, रोहतक में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम में बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

फरीदाबाद की रबड़ फैक्ट्री में लगी आग, 2 गाड़ियां और सामान जला

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद के डबुआ-पाली रोड स्थित 17 नंबर चुंगी के पास रविवार सुबह आरएन पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में रबड़ का काम होता है। आग लगने के समय फैक्ट्री बंद थी और वहां कर्मचारियों की संख्या भी कम थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग इतनी भयंकर थी कि एक दर्जन से ज्यादा दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। कई घंटे की मशक्कत के बावजूद आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। आग से दो गाड़ियां समेत फैक्ट्री में रखा सामान जल गया। आसपास के क्षेत्र में भी अफरा-तफरी का माहौल रहा।

अंबाला में गुरुग्राम पुलिस के कांस्टेबल पर चाकुओं से हमला, मोबाइल और नकदी लूटकर फरार

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

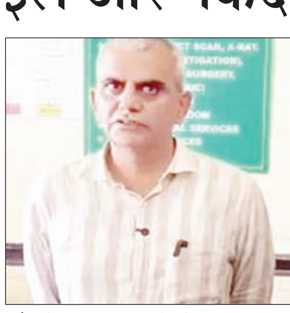

सेंट्रल जेल में बंद एक कैदी का प्रोडक्शन वारंट रिसीव करवाने जा रहे गुरुग्राम पुलिस के कांस्टेबल को अंबाला में चार बदमाशों ने घेरकर चाकू और तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपित कांस्टेबल का मोबाइल फोन और 1500 रुपये की नकदी लूटकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठे हैं।

महेंद्रगढ़ जिले के गांव चितलाना निवासी कांस्टेबल मुकेश कुमार गुरुग्राम पुलिस के वेस्ट जोन में तैनात हैं। शनिवार को वह अंबाला सेंट्रल जेल में बंद सैफी नामक बंदी का प्रोडक्शन वारंट रिसीव करवाने के लिए अंबाला पहुंचे थे। बताया गया है कि कांस्टेबल सादे कपड़ों में था और जेल की ओर जा रहा था। इसी दौरान सुनसान रास्ते पर दो बाइकों पर सवार चार बदमाशों ने उसे घेर लिया। कांस्टेबल कुछ समझ पाता, इससे पहले ही बदमाशों ने उस पर चाकू और तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में उसके सिर, दोनों हाथों और पैरों पर चोटें आईं। गंभीर चोट लगने के कारण वह सड़क पर गिर गया।

कांस्टेबल के घायल होकर गिरते ही बदमाशों ने उसकी जेब की तलाशी ली और मोबाइल फोन तथा 1500 रुपये की नकदी निकाल ली। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपित दोनों बाइकों पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद घायल कांस्टेबल को जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपितों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

सेंट्रल जेल के पास दिनदहाड़े पुलिसकर्मी को घेरकर हमला करने और लूट की वारदात से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही आरोपितों की तलाश में जुटी है। पुलिस टीम बदमाशों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में जल्द कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा और वारदात में इस्तेमाल बाइकों की भी जांच की जाएगी।

खल-चारे की बढ़ती कीमतों के बीच पशुपालकों ने पंचायत में तय किए नए दाम

हरियाणा में महंगा हुआ दूध-घी, एक अक्टूबर से होंगे नए रेट लागू

भारतेन्दु संवाददाता, गुहला-चीका

हरियाणा में दूध और घी के दाम बढ़ाने की मुहिम अब गुहला-चीका तक पहुंच गई है। हिसार, जींद, कैथल और कुरुक्षेत्र के बाद चीका में भी पशुपालकों ने पंचायत कर दूध के नए रेट तय कर दिए हैं। बढ़ती महंगाई और पशुओं के लिए खल-चारे की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। नए रेट एक अक्टूबर से लागू होंगे। इसके बाद उपभोक्ताओं को दूध पहले की तुलना में महंगा मिलेगा।

गुहला-चीका क्षेत्र में पशुपालकों की पंचायत में दूध के साथ घी के दाम को लेकर भी चर्चा की गई। पशुपालकों का कहना है कि पशुओं के पालन-पोषण पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। खल, चारा और अन्य जरूरी सामग्री महंगी होने से डेयरी संचालकों की लागत बढ़ गई है। ऐसे में मौजूदा कीमतों पर दूध बेचने से पशुपालकों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। इसी को देखते हुए दूध के नए दाम निर्धारित किए गए हैं। पंचायत में तय किए गए निर्णय के अनुसार एक अक्टूबर से भैंस का दूध 100 रुपये प्रति लीटर और गाय का दूध 80 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। इसके

अलावा घी के दाम भी बढ़ाए गए हैं। इससे क्षेत्र में दूध और घी खरीदने वाले उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। पशुपालकों का कहना है कि कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण पशुपालन की बढ़ती लागत है।

हरियाणा के अन्य जिलों में भी दूध के दाम बढ़ाने को लेकर पशुपालकों में चर्चा चल रही है। हिसार, जींद, कैथल और कुरुक्षेत्र के बाद अब गुहला-चीका में भी नए रेट तय किए गए हैं। इससे संकेत मिल रहा है कि अलग-अलग क्षेत्रों में पशुपालक अपनी लागत के अनुसार दूध के दाम निर्धारित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पशुपालकों के अनुसार पिछले कुछ समय से खल और चारे के दाम में बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा पशुओं की देखभाल, श्रम और अन्य खर्च भी बढ़े हैं।

बढ़ी लागत के बीच पशुपालकों ने बढ़ाए दूध रेट

डेयरी कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि दूध के उत्पादन की लागत बढ़ने के बावजूद लंबे समय से पुराने दामों पर दूध बेचने से आर्थिक दबाव बढ़ रहा था। नए रेट लागू होने के बाद उन्हें लागत के अनुरूप कीमत मिलने की उम्मीद है।

एक अक्टूबर से लागू होने वाले नए दामों का असर सीधे आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर पड़ सकता है। खासकर नियमित रूप से दूध खरीदने वाले परिवारों को हर महीने पहले की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ेगा। हालांकि, पशुपालकों का तर्क है कि बढ़ी हुई कीमतें उनकी बढ़ती उत्पादन लागत को देखते हुए जरूरी हैं। गुहला-चीका में पंचायत के इस फैसले के बाद अब क्षेत्र में दूध और घी की नई कीमतों पर कारोबार होगा। पशुपालकों ने कहा कि बढ़ी कीमतों से उन्हें उत्पादन लागत निकालने में मदद मिलेगी। वहीं, उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की संभावना है। नए रेट को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है।

न्यूज ब्रीफ

नमो भारत कॉरिडोर पर करें कारोबार का विज्ञापन, एनसीआरटीसी ने मांगे ई-टेंडर

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के साहिबाबाद से मोदीपुरम खंड पर विज्ञापन लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत कॉरिडोर के पिलर और पोर्टल स्ट्रक्चर्स पर व्यावसायिक विज्ञापन किए जा सकेंगे। एनसीआरटीसी ने विज्ञापन के लिए एजेंसी के चयन को लेकर ई-निविदाएं आमंत्रित की हैं। इच्छुक एजेंसियां 12 अक्टूबर तक अपनी निविदाएं जमा कर सकती हैं। अधिकारियों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सरकार से आवश्यक अनुमति मिलने के बाद विज्ञापन के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू की गई है। यह कॉरिडोर गाजियाबाद और मेरठ के घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्रों, प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक केंद्रों और भारी यातायात वाले प्रमुख मार्गों से होकर गुजरता है। ऐसे में यहां विज्ञापन लगाने से कारोबारियों और कंपनियों को बड़ी संख्या में लोगों तक अपने उत्पाद और सेवाओं की जानकारी पहुंचाने का अवसर मिल सकता है। एनसीआरटीसी के इस कदम से कॉरिडोर के ढांचे का व्यावसायिक उपयोग बढ़ने की उम्मीद है।

कर्ज से परेशान युवक का सुसाइड का प्रयास, आगरा पुलिस ने शीशा तोड़कर बचाई जान

एजेंसी, नई दिल्ली। आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र स्थित शास्त्रीपुरम में शनिवार रात पुलिस की सतर्कता और सूझबूझ से एक युवक की जान बच गई। भारी कर्ज से तंग आकर परेशान युवक ने अपनी बंद कार के अंदर ब्लेड से दोनों हाथों की नसें काट ली थीं और आत्महत्या का प्रयास किया। गश्त के दौरान शास्त्रीपुरम चौकी प्रभारी कपिल कुमार की नजर लावारिस हालत में खड़ी कार पर पड़ी। शक होने पर जब उन्होंने पास जाकर देखा, तो युवक अंदर लहूलुहान अवस्था में पड़ा हुआ था। मामले की संवेदनशीलता को समझते हुए चौकी प्रभारी ने बिना समय गंवाए कार का शीशा तोड़ा और युवक को तुरंत बाहर निकाला। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को तत्काल पास के यथार्थ अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार सही समय पर इलाज मिलने के कारण युवक की जान बच गई और अब उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस की इस तत्परता की स्थानीय लोगों द्वारा काफी सराहना की जा रही है।

नोएडा के अस्पताल में सत्यवती मिश्रा का निधन, परिवार शोक में

एजेंसी, नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का देर रात नोएडा में निधन हो गया। उन्होंने नोएडा सेक्टर-11 स्थित मेट्रो अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से परिवार और परिचितों में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, सत्यवती मिश्रा पिछले करीब एक सप्ताह से बीमार थीं। फेफड़ों में संक्रमण फैलने के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई थी, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों की टीम लगातार उनके उपचार में जुटी हुई थी और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही थी। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका। देर रात उन्होंने अस्पताल में दम तोड़ दिया। सत्यवती मिश्रा के निधन की सूचना मिलने के बाद परिवार के लोगों और करीबियों का अस्पताल पहुंचना शुरू हो गया। उनके निधन से परिवार में गहरा दुख है। शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

दिल्ली में एसआईआर सुनवाई केंद्रों पर अव्यवस्था, मतदाताओं ने बताई परेशानी

राजौरी गार्डन में एसआईआर सुनवाई के लिए उमड़ी भीड़, व्यवस्था पर सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत सुनवाई के लिए बनाए गए केंद्रों पर मतदाताओं को लंबे इंतजार का सामना करना पड़ रहा है। नोटिस में निर्धारित समय पर पहुंचने के बावजूद कई लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इससे बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य मतदाताओं को काफी परेशानी हो रही है।

शनिवार को राजौरी गार्डन स्थित गवर्नमेंट ब्वायज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एसआईआर के तहत सुनवाई के लिए पहुंचे लोगों ने व्यवस्था को लेकर अपनी परेशानियां साझा कीं। यहां पहुंची निम्मी रानी ने बताया कि उन्हें नोटिस में दोपहर एक बजे का स्लॉट दिया गया था, लेकिन उनका नंबर करीब तीन बजे आया। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय पर केंद्र पहुंचने के बावजूद उन्हें काफी देर तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा।निम्मी रानी की परेशानी अकेली नहीं थी। केंद्र पर मौजूद अन्य मतदाताओं ने भी लंबे इंतजार की शिकायत की। लोगों के अनुसार, सुनवाई के लिए अलग-अलग समय का स्लॉट दिया गया है, लेकिन केंद्र पर एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

इससे लोगों को अपनी बारी आने तक काफी समय परिसर में बिताना पड़ रहा है। मतदाताओं का कहना है कि यदि उन्हें निर्धारित समय के अनुसार ही बुलाया जाए तो उन्हें घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा। कई लोग अपने जरूरी काम छोड़कर सुनवाई केंद्र पहुंचे थे। लंबा इंतजार होने के कारण उनके रोजमर्रा के काम भी प्रभावित हुए। सुनवाई केंद्रों पर आने वाले लोगों में बुजुर्ग और महिलाएं भी शामिल हैं।

उनके लिए लंबे समय तक इंतजार करना और भी मुश्किल हो रहा है। लोगों ने मांग की कि केंद्रों पर भीड़ को नियंत्रित करने और समय के अनुसार सुनवाई कराने के लिए बेहतर व्यवस्था की जाए। एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाताओं से जुड़े दस्तावेजों और अन्य आवश्यक जानकारियों की जांच की जा रही है। इसके लिए संबंधित मतदाताओं को सुनवाई केंद्रों पर बुलाया जा रहा है। नोटिस में दिए गए समय के अनुसार लोगों को केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

गाजियाबाद से 2027 का चुनावी शंखनाद भाजपा ने किया प्रचंड बहुमत का दावा

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के बीच भारतीय जनता पार्टी ने गाजियाबाद से अपना चुनावी संदेश देना शुरू कर दिया है। रविवार को गाजियाबाद पहुंचे प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। उन्होंने पार्टी की तैयारियों और सरकार के कामकाज को जनता के बीच प्रमुखता से रखने की बात कही। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों के साथ कानून-व्यवस्था में सुधार भाजपा सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने बुनियादी ढांचे, सड़कों, रोजगार और जनकल्याण से जुड़े क्षेत्रों में काम किया है। भाजपा इन्हीं उपलब्धियों को लेकर आगामी विधानसभा चुनाव में जनता के बीच जाएगी। गाजियाबाद को चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में यहां से पार्टी की ओर से चुनावी गतिविधियों को गति देना संगठन की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ संवाद के दौरान आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर भी चर्चा हुई।

धर्मपाल सिंह ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य जनता से सीधा संपर्क बढ़ाना और सरकार की उपलब्धियों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है। भाजपा की रणनीति में विकास और कानून-व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बनाया जा रहा है। पार्टी का मानना है कि प्रदेश में बेहतर सड़क, परिवहन, निवेश और आधारभूत सुविधाओं के साथ कानून-व्यवस्था में सुधार का असर जनता के बीच दिखाई दे रहा है।

सोनीपत में सफाई हड़ताल खत्म, 500 टन कचरा हटाना चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली

सोनीपत शहर में करीब एक महीने से चली आ रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने के बाद सफाई व्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी है। कर्मचारियों के काम पर वापस लौटने के साथ ही नगर निगम ने शहर में विशेष सफाई अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि, निगम के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती लंबे समय से जमा कचरे को हटाने की है। हड़ताल के दौरान सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही।

इसके चलते शहर की सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए। बताया जा रहा है कि करीब एक महीने में शहर में 500 टन से अधिक कचरा जमा हो चुका है। अब सफाई कर्मचारी नियमित काम के साथ इस पुराने कचरे को भी हटाने में जुटे हैं। नगर निगम के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर शहर में रोजाना निकलने वाले कचरे

को समय पर उठाना है, वहीं दूसरी ओर हड़ताल के दौरान जमा हुए कचरे के ढेरों को भी जल्द से जल्द साफ करना है।

निगम ने सफाई कर्मचारियों को अलग-अलग क्षेत्रों में भेजकर विशेष अभियान के तहत कचरा उठाने का काम शुरू कराया है। अधिकारियों का प्रयास है कि पहले प्रमुख सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों से कचरा हटाया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इसके बाद गलियों और अन्य क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को पूरी तरह सामान्य करने पर जोर दिया जा रहा है।

फरीदाबाद में चार सड़कों का होगा कायाकल्प, सफर बनेगा सुगम

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद जिले में रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने जिले की चार प्रमुख सड़कों की हालत सुधारने और उन्हें बेहतर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। सड़कों के सुधरने से ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इन सड़कों के निर्माण और सुधार कार्य के बाद ग्रामीणों का सफर पहले की तुलना में आसान और सुरक्षित होगा। खराब सड़कों के कारण वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जगह-जगह गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों के कारण लोगों को अतिरिक्त समय और ईंधन खर्च करना पड़ता था। पीडब्ल्यूडी की ओर से सड़कों को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

प्रयागराज-रीवा हाईवे पर दर्दनाक हादसा, 13 वर्षीय किशोर की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज-रीवा हाईवे पर रविवार दोपहर यमुनापार के घूरपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मनकवार गांव के सामने तेज रफ्तार बस ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। बताया जा रहा है कि पिता अपने 13 वर्षीय बेटे के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे।

इसी दौरान मनकवार गांव के सामने पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों सड़क पर जा गिरे। हादसे में किशोर को गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पिता

प्रयागराज हाईवे पर बस हादसा, किशोर की मौत

को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। वहीं, किशोर को भी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने किशोर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे के बाद बस चालक वाहन लेकर मौके से भागने की कोशिश करने लगा। स्थानीय ग्रामीणों ने उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बस को भी कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस चालक के सामने अचानक एक बेसहारा पशु आ गया था। पशु को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित हो गई और इसी दौरान बाइक को पीछे से टक्कर लग गई। हालांकि, पुलिस हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

एक्सपो मार्ट पहुंचना होगा आसान 500 से ज्यादा बसें चलेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी गई है। 25 से 29 सितंबर के बीच इंडिया एक्सपो मार्ट में होने वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में आगंतुकों के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन ने शहर में 500 से अधिक बसें चलाने की योजना बनाई है। प्राधिकरण की ओर से फिलहाल करीब 350 बसों की व्यवस्था की जा चुकी है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्रेड शो के दौरान 500 से अधिक बसें संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बसों की संख्या बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश रोडवेज और दिल्ली सरकार के साथ बातचीत जारी है। इस व्यवस्था में दिल्ली परिवहन निगम की 100

इलेक्ट्रिक बसें भी शामिल होंगी। इन ई-बसों के संचालन से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से इंडिया एक्सपो मार्ट पहुंचने वाले लोगों को सार्वजनिक परिवहन का बेहतर विकल्प मिलने की उम्मीद है। बसों के संचालन के लिए प्रमुख मार्गों और भीड़ वाले क्षेत्रों को ध्यान में रखकर व्यवस्था तैयार की जा रही है। ट्रेड शो के दौरान इलेक्ट्रिक बसों के सुचारु संचालन के लिए चार्जिंग व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में मौजूद चार्जिंग स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने की तैयारी की जा रही है, ताकि अधिक संख्या में ई-बसों को समय पर चार्ज किया जा सके और संचालन में किसी तरह की परेशानी न आए।

अधिकारियों का कहना है कि ट्रेड शो के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना प्राथमिकता है। बसों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ यात्रियों की आवाजाही को व्यवस्थित करने के लिए रूट और संचालन व्यवस्था पर भी काम किया जा रहा है। 25 सितंबर से शुरू होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में देश-विदेश से कारोबारी, निवेशक और आगंतुक पहुंचेंगे।

दिल्ली के स्वरूप नगर में आग का तांडव,छह लोग घायल

एजेंसी, नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके की खड्डा कॉलोनी में रविवार सुबह एक गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम की इमारत का ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल इसकी चपेट में आ गए। धुआं और आग की लपटें देखकर आसपास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। घटना खड्डा कॉलोनी की गली नंबर-2 में हुई। आग लगने की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना दमकल विभाग और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाने के लिए राहत और बचाव अभियान शुरू किया।

आग की वजह से आसपास के क्षेत्र में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बताया जा रहा है कि आग से बचने के लिए पास की इमारत में रहने वाले कुछ लोग घबरा गए। बाहर निकलने का रास्ता मुश्किल होने के कारण उन्होंने जान बचाने के लिए इमारत से छलांग लगा दी। इस दौरान छह लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल में भर्ती सभी छह घायलों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

डॉक्टर उनकी निगरानी कर रहे हैं। हादसे के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। संबंधित विभाग आग लगने की वजह की जांच कर रहे हैं। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि गोदाम में किस तरह का सामान रखा हुआ था और वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं।

आगरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, छह घायल

एजेंसी, नई दिल्ली

यमुना एक्सप्रेसवे पर शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। नोएडा से गोंडा जा रही स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना आगरा क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

एसीपी एत्मादपुर पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने दुर्घटनाग्रस्त बस का निरीक्षण करने के साथ राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार कराया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, बस नोएडा से यात्रियों को लेकर गोंडा की ओर जा रही

गोंडा जा रही बस हादसे का शिकार

थी। इसी दौरान रास्ते में बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर के कारण बस को काफी नुकसान पहुंचा और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। हादसे में बस चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घायल छह यात्रियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की स्थिति को लेकर चिकित्सकों द्वारा निगरानी की जा रही है। घटना के बाद पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया है। हालांकि, ट्रक चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। आसपास के क्षेत्र में पूछताछ करने के साथ घटनास्थल और मार्ग पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

भैसाही से कई गांवों तक फैला अवैध खनन का जाल, वन भूमि पर माफिया सक्रिय

प्रयागराज में वन भूमि पर खनन माफिया का कब्जा! बारूद से तोड़े जा रहे पहाड़

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र में वन भूमि और ग्राम सभा की जमीनों पर सिलिका सैंड के अवैध खनन का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। शंकरगढ़ क्षेत्र के भैसाही गांव में सामने आया अवैध खनन का मामला अब सिर्फ एक गांव तक सीमित नहीं बताया जा रहा है। आसपास के कई गांवों में भी बिना अनुमति और वैध पट्टे के पहाड़ों और पत्थरों को तोड़कर सिलिका सैंड निकालने के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप है कि खनन से जुड़े लोग खुलेआम पहाड़ों में बारूद लगाकर विस्फोट कर रहे हैं। धमाकों से बड़े-बड़े चट्टानी हिस्सों को तोड़ा जाता है और इसके बाद पत्थरों से सिलिका सैंड निकालकर उसे दूसरे स्थानों पर भेजा जाता है।

इस गतिविधि से आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों के बीच दहशत का माहौल होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि विस्फोटों की आवाज अक्सर बस्तियों तक सुनाई देती है, बावजूद इसके जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई प्रभावी साबित नहीं हो रही

खनन माफिया बेखौफ, पहाड़ों में लगातार हो रहे धमाके

है। भैसाही में सिलिका सैंड के अवैध खनन का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक और विभागीय कार्रवाई भी हुई थी। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ समय बाद खनन गतिविधियां फिर शुरू हो गईं। इससे सवाल उठ रहा है कि कार्रवाई के बाद भी अवैध खनन पर पूरी तरह रोक क्यों नहीं लग पा रही है। वन भूमि पर किसी भी प्रकार का खनन या प्राकृतिक संसाधनों का दोहन वन विभाग और संबंधित नियमों के तहत आवश्यक अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता। वहीं ग्राम सभा की जमीन पर खनन के लिए भी निर्धारित कानूनी प्रक्रिया और वैध पट्टे की आवश्यकता होती है।

ऐसे में यदि बिना अनुमति इन क्षेत्रों में खनन किया जा रहा है तो यह सरकारी भूमि और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़े नियमों का गंभीर उल्लंघन हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ों में लगातार विस्फोट किए जाने से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। पेड़-पौधों और प्राकृतिक भू-आकृति पर इसका असर पड़ने के साथ आसपास के इलाकों में धूल और प्रदूषण बढ़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने वन विभाग, खनन विभाग और जिला प्रशासन से पूरे क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध खनन की जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वन भूमि और ग्राम सभा की जमीनों पर अवैध खनन का दायरा और बढ़ सकता है। फिलहाल भैसाही समेत आसपास के गांवों में कथित अवैध सिलिका सैंड खनन को लेकर प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

जरूरत है कि संबंधित विभाग संयुक्त रूप से जांच कर यह स्पष्ट करें कि किन स्थानों पर खनन हो रहा है, किसके पास वैध अनुमति या पट्टा है और किन क्षेत्रों में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। प्रयागराज के यमुनापार स्थित शंकरगढ़ क्षेत्र के भैसाही समेत कई गांवों में वन भूमि और ग्राम सभा की जमीनों पर सिलिका सैंड के अवैध खनन का आरोप है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बिना अनुमति और वैध पट्टे के खनन माफिया पहाड़ों और पत्थरों को बारूद से तोड़कर सिलिका सैंड निकाल रहे हैं। धमाकों से आसपास की बस्तियों में दहशत और पर्यावरण को नुकसान की आशंका है। भैसाही में कार्रवाई के बावजूद अवैध खनन रुकने का दावा नहीं किया जा रहा है।

दिल्ली: गांधी नगर में तीसरी मंजिल से गिरकर युवक की संदिग्ध मौत, नग्न अवस्था में मिला शव

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के कपड़ा हब माने जाने वाले गांधी नगर इलाके में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में एक इमारत की तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया। नीचे गिरते ही अत्यधिक चोटें आने के कारण युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए पास के अस्पताल में भेज दिया है।

मृतक की पहचान बिहार के किशनगंज जिले के पिपला गांव के रहने वाले दीपक के रूप में हुई है। दीपक पिछले कुछ समय से गांधी नगर स्थित एक कपड़ा सिलाई की फैक्ट्री में काम करता था और वहीं रहता था। इस घटना में सबसे हैरान करने वाली और रहस्यमयी बात यह रही कि दीपक जिस वक्त तीसरी मंजिल से नीचे गिरा, उस समय वह पूरी तरह नग्न अवस्था में था। इस बात ने मामले को काफी पेचीदा बना दिया है। आसपास के इलाकों में तरह-तरह की चर्चाएं हो

रही हैं कि दीपक ने खुद इमारत से कूदकर आत्महत्या की है या फिर किसी ने विवाद के चलते उसे धक्का देकर नीचे गिरा दिया।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही फैक्ट्री में काम करने वाले दीपक के सहकर्मियों और पड़ोसियों से पूछताछ की जा रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पुलिस हत्या और आत्महत्या, दोनों पहलुओं से मामले की गहनता से जांच कर रही है। गांधी नगर में बिहार के युवक दीपक की नग्न अवस्था में तीसरी मंजिल से गिरकर संदिग्ध मौत।

सांप के बच्चे संग मस्ती का वीडियो वायरल, युवक पर उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ में एक युवक का कार्न स्नेक के बच्चे के साथ खेलते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। वीडियो में युवक सांप के बच्चे को हाथ में लेकर उसके साथ खेलता नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद वन्यजीवों से जुड़े नियमों के उल्लंघन और संभावित तस्करी को लेकर सवाल उठने लगे। बताया जा रहा है कि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। हालांकि, वन्यजीव तस्करी से जुड़े आरोपों के बावजूद बाद में युवक को छोड़ दिए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे और कुछ लोगों ने मामले में साठगांठ के आरोप भी लगाए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। वीडियो में युवक कार्न स्नेक के बच्चे के साथ बेखौफ होकर नजर आ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

'भाजपा को हजम नहीं हो रहा प्रदेश का विकास' : सुमन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व विधायक व भाजपा प्रवक्ता राजेंद्र राणा के आरोपों पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती शर्मा ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहा विकास भाजपा को हजम नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यालय को लेकर भाजपा बेवजह सवाल उठा रही है। यह कार्यालय जनसेवा और संगठनात्मक कार्यों के लिए है, कोई आलीशान बंगला नहीं। सुमन भारती शर्मा ने भाजपा के जिला कार्यालयों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को जनता को बताना चाहिए कि देशभर में बनाए गए कार्यालयों के निर्माण के लिए धन कहां से आया। उन्होंने भाजपा की करीब 15 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति का उल्लेख करते हुए पूछा कि आखिर इतना पैसा कहां से आया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बिना तथ्यों के मुख्यमंत्री पर बयानबाजी कर रही है। चेतावनी दी कि यदि राजेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री पर झूठे आरोप लगाना जारी रखा तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। उन्होंने भाजपा से आरोपों के तथ्य सार्वजनिक करने की मांग की।

सीएम ऑफिस के रेनोवेशन का पूरा बिल जनता के सामने रखे सरकार : भाजपा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमन भारती शर्मा की ओर से पूर्व विधायक राजेंद्र राणा के खिलाफ एफआईआर की चेतावनी के बाद भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा मंडल सुजानपुर अध्यक्ष जसवंत ठाकुर व बमसन मंडल अध्यक्ष विक्रम राणा ने कहा कि चाहे एफआईआर दर्ज करें या जेल भेजें, पहले सरकार सीएम ऑफिस की साज-सज्जा और रेनोवेशन पर हुए खर्च का पूरा हिसाब जनता के सामने रखे भाजपा नेताओं ने कहा कि सरकारी खजाना जनता के टैक्स से चलता है और विपक्ष को सरकार से सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ऑफिस में टेबल, पर्दों, झूमरों और अन्य साज-सज्जा पर फिजूलखर्ची के सवाल उठ रहे हैं। सरकार को इस मामले में पारदर्शिता बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास का विरोध नहीं, बल्कि खर्च में पारदर्शिता की मांग कर रही है। यदि खर्च जायज है तो उसके बिल और पूरा विवरण सार्वजनिक करने में आपत्ति क्यों है? उन्होंने कांग्रेस से सवालों का तथ्यात्मक जवाब देने की मांग की और कहा कि धमकियों से भाजपा सवाल उठाने से पीछे नहीं हटेगी।

ठियोग में वाहन के अंदर मिला चिट्टा, दो काबू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला के ठियोग उपमंडल के सैंज क्षेत्र में पुलिस ने एक वाहन की तलाशी के दौरान करीब 17 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने वाहन में सवार शिमला के कोटखाई के रहने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसे आगे कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस के अनुसार 12 सितंबर को डिटेक्शन सेल उपमंडल ठियोग की टीम चायला कैंची क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि सैंज क्षेत्र के भोटका मोड़ के पास एक वाहन में दो लोग चिट्टा/हेरोइन की खरीद-फरोख्त में शामिल हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में बताए गए वाहन की जांच की। वाहन में दो लोग सवार मिले। उनकी पहचान मोहित गेटा (34) और किंचित चौहान (36) दोनों निवासी कोटखाई के रूप में हुई। एसएसपी गौरव सिंह ने रविवार को बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। उन्हें अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बरामद मादक पदार्थ के स्रोत तथा दोनों आरोपियों से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाया जा रहा है।

कल कांग्रेस के खिलाफ भाजपा का धरना-प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। भारतीय जनता पार्टी अर्की मंडल की अध्यक्ष रीना भारद्वाज ने बताया कि 15 सितंबर को अर्की में कांग्रेस सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के माध्यम से प्रदेश सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली के खिलाफ भाजपा अपनी आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने बताया कि धरना-प्रदर्शन में भाजपा के जिला सोलन प्रभारी राजपाल सिंह, सह प्रभारी संदीपनी भारद्वाज, जिला सोलन भाजपा अध्यक्ष रतन सिंह पाल सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। रीना भारद्वाज ने कहा कि प्रदर्शन में अर्की मंडल के पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ता और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

लोक अदालत में हुआ 18905 मामलों का निपटारा

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। संपूर्ण भारतवर्ष सहित मंडी जिला के सभी न्यायालयों में किया गया। जिसमें जिला मंडी के उपमंडल करसोग, गोहर, सरकाघाट, सुंदरनगर व मंडी जिला मुख्यालय में 18 बैंचों का गठन किया गया। विवेक रायस्थ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडी के अनुसार इसके लिए जुलाई व अगस्त के माह में प्री लोक अदालत की सिटिंग्स भी करवाई गई। उन्होंने बताया कि इन लोक अदालतों का आयोजन अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंडी, पारस डोगर की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर कुल 22430 मामलों को सुनवाई के लिए प्री लोक अदालत सीटिंग्स एवं लोक अदालत की विभिन्न पक्षों की आपसी सहमती से किया गया। इन मामलों में से कुल 18905 मामलों का निपटारा किया गया। जिसमें कुल समझौता राशि 6,13,46,323 रूपए का प्रयोग किया गया।

गणेश उत्सव को लेकर नाहन में निकाली गई गणपति बप्पा की शोभा यात्रा

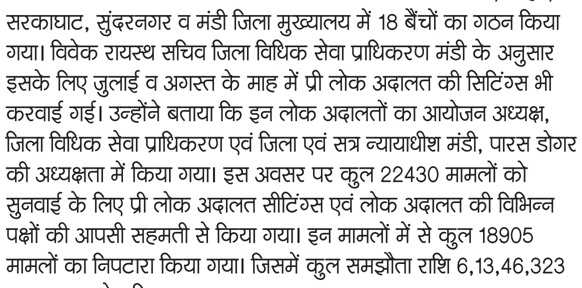

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। प्रथम देव गणपति गणेश उत्सव सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में बड़े उत्साह और भक्ति भाव से आयोजित किया जाता है। नवयुवक मंडल नाहन लगभग पिछले 11वर्षो से गणेश महोत्सव का आयोजन कर रहा है। इस वर्ष में 13 सितंबर से 16सितंबर तक इसका महा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज सुबह से हो रही वर्षा के बावजूद शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभा यात्रा शहर के मुख्य स्थानों से होते हुए शाम को हिंदू आश्रम पहुंचेंगी।कल गणपति गणेश की विधिवत मूर्ति स्थापना की जाएगी। उसके साथ ही भजन संध्याओं का भी आयोजन शुरू होगा नवयुवक मंडल अध्यक्ष अमिल अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष की भाँति इस बार भी 12वा गणेश महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत आज भव्य शोभा यात्रा निकाली जा रही है। कल गणपति गणेश जी की मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके साथ ही भजन संध्याओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नामी भजन कलाकार भाग लेंगे। एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा और 16 सितंबर को गणेश जी की नगर परिक्रमा के साथ पोंटा साहेब में मूर्ति विसर्जन किया जाएगा।

हमीरपुर में इलेक्ट्रिक बसों से हर दिन हो रही 1500 से 2000 लीटर डीजल की बचत

इलेक्ट्रिक बसों के चलने से निगम को हो रही पौने दो लाख रुपए की बचत

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश सरकार द्वारा हरित परिवहन को बढ़ावा देने और प्रदूषण कम करने की मकसद से प्रदेश में खरीदी गई इलेक्ट्रिक बसें लोकल व लांग रूटों पर दौड़ रही हैं, अगर हम हमीरपुर डिपो की बात करें तो यहां पर 35 इलेक्ट्रिक बसें सौगात के रूप में दी गई हैं। निगम की यह बसें दिन भर 60 के करीब लोकल रूटों पर दौड़ रही हैं। यात्री भी इनमें सफर का खूब लुत्फ उठा रहे हैं।

निगम की इलेक्ट्रिक बसें हमीरपुर से बद्दी, हमीरपुर से मंडी, हमीरपुर से होशियारपुर और हमीरपुर से ढलियारा रूट पर भी अलग से दौड़ रही हैं। यात्री भी इन बसों में सफर करेक राहत की सांस ले रहे हैं। क्योंकि इन बसों का पता ही नहीं चलता कि यह चल रही हैं या फिर नहीं। निगम की इलेक्ट्रिक बसें यात्रियों से खचाखच भरे रूटों पर दौड़ रही हैं। बता दें कि निगम की नई इलेक्ट्रिक बसें लोकल और कुछेक लांग रूटों पर भी आसानी से दौड़ रही है। निगम की नई इलेक्ट्रिक बसें 40 से ऊपर माइलेज दे रही हैं, जोकि निगम के लिए राहत भरी खबर है। निगम की इलेक्ट्रिक बसें एचआरटीसी के खजाने को भरने में दिन-रात लगी हुई हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा कमाई डिपो में की जा सके। सूत्रों की मानें तो हमीरपुर डिपो में ही रोजाना 1500 से 2000 लीटर डीजल की बचत हो रही है। ऐसे में निगम को रोजाना डेढ़ से पौने दो लाख रुपए की कमाई इलेक्ट्रिक बसों के जरिए हो रही है। हमीरपुर डिपो की सभी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बारी-बारी हमीरपुर जिला के सभी लोकल रूटों पर चलाया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग करोड़ रुपए की गाड़ी में सफर का आनंद ले सकें।

निगम की नई इलेक्ट्रिक बसों की साउंड भी काफी कम है। लोगों को पता ही नहीं चलता कि पीछे से बस आ रही है। हालांकि निगम प्रबंधन ने सभी ड्राइवरों को विशेष निर्देश दिए हैं कि वह सड़क पर चलते समय हार्न को जरूर प्रयोग करें, ताकि सड़क किनारे चल रहे लोगों को पता चल सके कि पीछ से बस आ रही है। क्षेत्रीय प्रबंधक के पास भी कई लोग इलेक्ट्रिक बस चलाने की लगातार मांग कर रहे हैं, ताकि वह भी नई इलेक्ट्रिक बस में सफर कर सकें। हालांकि निगम सड़कों की खस्ता हालत को देखते हुए ऐसे क्षेत्रों में नई बसें भेजने से जरूर कतरा रहा है, ताकि नई बसों को कोई नुकसान न पहुंच सके।

निगम के उपमंडलीय प्रबंधक राज कुमार पाठक ने बताया कि हमीरपुर डिपो की इलेक्ट्रिक बसों को ज्यादा से ज्यादा लोकल रूटों पर चलाया जा रहा है। इसके अलावा तीन-चार लांग रूट पर भी निगम की इलेक्ट्रिक बसें दौड़ाई जा रही है। इलेक्ट्रिक बसों के चलने से हमीरपुर डिपो को रोजाना डेढ़ से पौने दो लाख का बेनेफिट हो रहा है।

राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न विधायक जीतराम ने विजेताओं को नवाजा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल शिक्षा समिति के तत्वावधान में निहाल स्थित सावित्री गोयल सरस्वती विद्या कन्या उच्च विद्यालय में आयोजित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालयों की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हुई।

समापन समारोह में झंडूता विधायक जीतराम कटवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया तथा सफल आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन को 25 हजार रुपए देने की घोषणा की। विधायक ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। खेलों से अनुशासन, भाईचारा और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है, जबकि शिक्षा बच्चों को सही दिशा देती है। उन्होंने कहा कि सफलता निरंतर प्रयास का परिणाम है। प्रतियोगिता में अपेक्षित परिणाम न मिलने वाले विद्यार्थियों को निराश होने के बजाय अपनी कमियों को पहचानकर मेहनत करनी चाहिए। कटवाल ने कहा कि डिजिटल युग में मोबाइल ज्ञान और सीखने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

विद्यार्थियों को इसका उपयोग केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि ऑनलाइन शिक्षा, नई भाषाएं सीखने और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। संस्कार, शिक्षा और खेलों से जुड़ा युवा ही देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहा है और विद्यार्थियों को इसमें अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

फोरलेन पर 13 .48 ग्राम चिट्टे के साथ सोलन के 3 युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कैंचीमोड़ फोरलेन पर 13.48 ग्राम चिट्टा बरामद कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद करने के साथ ऑल्टो के 10 कार भी जब्त की है। तीनों आरोपी सोलन जिले के अर्की क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को स्पेशल डिटेक्शन टीम कैंचीमोड़ फोरलेन पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान काले रंग की ऑल्टो के 10 कार को जांच के लिए रोका गया। कार में सवार तीन युवकों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने वाहन और उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान 13.48 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कमलेश कुमार (24), निवासी धुंधण, हरीश कुमार (24), निवासी सयारी तथा हंसराज ठाकुर (22), निवासी चमाकड़ी पुल, तहसील अर्की, जिला सोलन के रूप में हुई है। पुलिस थाना स्वारघाट में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत एफआईआर संख्या 69/2026 दर्ज की गई है। पुलिस अब जांच कर रही है कि चिट्टा कहां से लाया गया था और इसे आगे किसे सप्लाई किया जाना था। अधिकारियों ने कहा कि नशे की पूरी सप्लाई चेन का पता लगाया जा रहा है और अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

ब्रिक्स में भारत ने दुनिया को साझा विकास का एजेंडा दिया: अनुराग

भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली/हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन वैश्विक एकजुटता और भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत ने विभिन्न हितों और विचारधाराओं वाले देशों को साझा विकास के एजेंडे पर एक मंच पर लाने में प्रभावी भूमिका निभाई। उन्होंने नई दिल्ली घोषणा को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उनके अनुसार, घोषणा में बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार, सतत विकास और आर्थिक सहयोग पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान, खाद्य सुरक्षा और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मददगार होगा। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक कूटनीति में प्रभावी भूमिका निभा रहा है।

उद्योग मंत्री ने धारवा में स्कूल के कमरों का लोकार्पण व संपर्क मार्ग का किया शिलान्यास

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। शिलाई विधानसभा क्षेत्र के प्रवास कार्यक्रम के दौरान उद्योग, संसदीय मामले एवं श्रम रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने आज ग्राम पंचायत धारवा में राजकीय प्राथमिक पाठशाला के लिए 14 लाख 50 हजार रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कमरों का लोकार्पण किया।इससे पूर्व उन्होंने धारवा-बडालानी संपर्क मार्ग के प्रथम चरण के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास भी किया। प्रथम चरण में इस सड़क के सुदृढ़ीकरण कार्य पर 15 लाख रुपए की राशि व्यय की जाएगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि धारवा-बडालानी संपर्क मार्ग के निर्माण उपरांत इस क्षेत्र के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी, वहीं इन कमरों के माध्यम से विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा उद्योग मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सरकारी विद्यालयों में पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम की शुरुआत की गई है तथा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रदेश के 150 सरकारी विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी राजकीय आदर्श डे-बोर्डिंग स्कूल स्थापित कर रही है। जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षा उपलब्ध होगी।

मटौर में प्रदेश सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

◆ **कांग्रेस ने झूठी गारंटियों से जनता को ठगा, चुनाव में मिलेगा जवाब: विक्रम ठाकुर**

◆ **महिलाओं को 1500 नहीं, 70 हजार रुपए बकाया दे सरकार: पवन काजल**

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। पूर्व मंत्री एवं जिला कांगड़ा भाजपा प्रभारी विक्रम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पद पर चुनाव के जरिए पहुंचा जाता है और जनता आगामी चुनाव में कांग्रेस की कथित झूठी गारंटियों का जवाब देगी।

कांगड़ा मंडल भाजपा की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पवन काजल लगातार तीन चुनाव जीतकर कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में मजबूत नेता के रूप में उभरे हैं। विक्रम ठाकुर ने कार्यकर्ताओं से हर बूथ पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की कमियों और केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों को बूथ स्तर तक पहुंचाया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने सहारा और हिमकेयर जैसी स्वास्थ्य योजनाओं को बंद कर जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के खिलाफ विजिलेंस मामले दर्ज कर सरकार जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। भाजपा विधायक पवन काजल ने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को 1500 रुपए मासिक, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और एक लाख रोजगार देने का वादा कर सत्ता हासिल की, लेकिन सरकार बनने के बाद गारंटियां पूरी नहीं की गईं।

उन्होंने मांग की कि महिलाओं को बकाया राशि का भुगतान कर चुनावी वादे पूरे किए जाएं। काजल ने टांडा मेडिकल कॉलेज समेत अन्य स्वास्थ्य संस्थानों की स्थिति पर भी सवाल उठाए जिला भाजपा अध्यक्ष सचिन शर्मा ने बताया कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रेयूंद खड्डु पुल पर शाम सात बजे दीप जलाकर केंद्र सरकार का आभार जताया जाएगा। f

वधानसभा क्षेत्र में एक माह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। बैठक के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने मटोर में महिलाओं के मुद्दे को लेकर जन आक्रोश रैली निकाली और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड की अधिसूचना पर पुनर्विचार की मांग, संघ ने जताई निराशा

◆ **सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पर हो अर्धसैनिक कल्याण व्यवस्था, सरकार से उठी मांग**

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश पूर्व अर्धसैनिक बल कल्याण संघ ने राज्य सरकार की ओर से हाल ही में जारी अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड संबंधी अधिसूचना पर निराशा जताते हुए इसमें आवश्यक सुधार और व्यापक पुनर्विचार की मांग की है।

संघ का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था अर्धसैनिक समुदाय की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अपेक्षित समाधान नहीं करती। संघ के राज्य एवं अखिल भारतीय अध्यक्ष सेवानिवृत्त डीआईजीपी वीके शर्मा के नेतृत्व में सेवारत एवं सेवानिवृत्त अर्धसैनिक कर्मियों, उनके परिवारों और शहीद परिवारों के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को पांच बार ज्ञापन सौंप चुके हैं। संघ ने कहा कि सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ और असम राइफल्स के जवान देश की आंतरिक व सीमा सुरक्षा सहित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व निभाते हैं। ऐसे में उनके लिए सैनिक कल्याण व्यवस्था की तर्ज पर प्रभावी तंत्र जरूरी है। संघ ने मांग की कि स्थायी, स्वतंत्र और अधिकार-संपन्न अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए तथा इसे पर्याप्त बजट, कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकार दिए जाएं। जिला स्तर तक व्यवस्था विकसित करने के साथ सेवारत, सेवानिवृत्त कर्मियों और शहीद परिवारों को उचित प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई। संघ ने पेंशन, परिवार, पुनर्वास और अन्य कल्याणकारी मामलों के लिए एकल-खिड़की व्यवस्था बनाने का आग्रह किया। साथ ही मंत्रिमंडल स्तर के वरिष्ठ सदस्य की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित कर 15 दिनों में रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपने का सुझाव दिया। संघ ने कहा कि यदि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो लोकतांत्रिक और विधिसम्मत विकल्पों पर विचार किया जाएगा।

बिलासपुर में रास्ता रोककर मारपीट के तीन मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के विभिन्न थानों में रास्ता रोककर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के तीन मामले दर्ज हुए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला झंडूता थाना क्षेत्र का है, जहां सेर निवासी मनोज कुमार ने चार लोगों पर रास्ता रोककर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। दूसरा मामला तलाई थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ। कोलका निवासी राकेश कुमार ने बल्हसीणा निवासी सतीश कुमार पर रास्ता रोककर गाली-गलौज और लात-घूंसों से हमला करने का आरोप लगाया। वहीं, सदर थाना क्षेत्र के बिनौला में जमीन विवाद को लेकर प्रदीप कुमार ने राहुल कुमार और सुनील कुमार पर गला पकड़कर मारपीट करने और धमकी देने की शिकायत दी। एसपी अभिषेक धीमन ने मामलों की पुष्टि की है।

लंपी वायरस : पशुपालक के घर डॉक्टरों को लेकर पहुंचे केवल सिंह पठानिया

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया रविवार को रैत में एक पशुपालक के घर पहुंच गए। उन्हें जानकारी मिली थी कि एक गाय में लंपी वायरस जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। पठानिया ने तत्काल पशुपालन विभाग के चिकित्सकों को बुलाया और स्वयं उनके साथ पशुपालक के घर पहुंचकर गाय की जांच करवाई। पशु चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि गाय अस्वस्थ जरूर है, लेकिन उसमें लंपी वायरस के लक्षण नहीं हैं। इसके बाद पठानिया ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों एवं चिकित्सकों के साथ बैठक कर क्षेत्र में बीमारी की स्थिति और बचाव के उपायों की समीक्षा की। उन्होंने इस संबंध में पशुपालन मंत्री से भी फोन पर बातचीत की। पठानिया ने बताया कि लम्पी वायरस से बचाव के लिए शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में अब तक 8,175 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। इनमें दरीणी में 1,500, शाहपुर पॉलीक्लीनिक के तहत 270, रजोल पशु चिकित्सालय के तहत 3,084 तथा चढ़ी पशु चिकित्सालय के अंतर्गत 3,321 पशु शामिल हैं।

सुक्खू सरकार की ओर से 60 हैंड पंप स्वीकृत पलम में लगाए जाएंगे 20 हैंड पंप: निशू मोंगरा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश सरकार ने कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए 60 हैंडपंप स्वीकृत किए हैं, जिनमें से करीब 20 हैंडपंप पलम क्षेत्र में लगाए जाएंगे।

यह जानकारी एपीएमसी के जिला अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह मोंगरा ने झिकली इच्छी में विद्युत चलित हैंडपंप का शुभारंभ करने के बाद दी। मोंगरा ने कहा कि हैंडपंप लगने से क्षेत्र के करीब 100 परिवारों को पेयजल सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि जनता की मांग को देखते हुए राजियाना, पलेरा और कुलथी गाहलियां में भी हैंडपंप लगाने की घोषणा की गई है। उन्होंने संबंधित विभाग को पानी की कमी वाले क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार हैंडपंप लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार जनता से किए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देकर विकास कार्य कर रही है, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। मोंगरा ने बताया कि गांव राजियाना में करोड़ों रुपए की लागत से सोलर प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और आने वाले समय में ये कार्य क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। इस अवसर पर खोली के पूर्व प्रधान केवल चौधरी, महिला मंडलों की सदस्याएं और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विधायक सुखराम के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए मां यमुना के तट पर महामृत्युंजय पाठ

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। भाजपा मंडल पांवटा साहिब ने वरिष्ठ नेता एवं विधायक सुखराम चौधरी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए मां यमुना के तट पर महामृत्युंजय पाठ और हवन किया। कार्यकर्ताओं ने उनके जल्द स्वस्थ होने और दीर्घायु की कामना की। सुखराम चौधरी की बेटी एवं भाजपा महामंत्री नवनित चौधरी ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि उनकी प्रार्थनाओं और जनता के आशीर्वाद से उनके पिता जल्द स्वस्थ होंगे। भाजपा मंडल अध्यक्ष हीतेंद्र कुमार ने कहा कि पूरा मंडल सुखराम चौधरी के साथ खड़ा है और उनके सक्रिय राजनीति में लौटने की प्रतीक्षा कर रहा है। कुमार ने कहा कि सुखराम चौधरी 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी। उन्होंने विश्वास जताया कि भोलेनाथ और मां यमुना के आशीर्वाद से वह जल्द स्वस्थ होकर जनता के बीच लौटेंगे। उल्लेखनीय है कि विधायक पोंटा साहेब सुखराम चौधरी कई दिनों से बीमार चल रहे हैं और आज उनके स्वास्थय लाभ हेतु यह पाठ और हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

घोषणाओं से नहीं, धरातल पर काम से होगा कांगड़ा का विकास : राजेश परयाल

◆ **महिला मंडलों को 20 हजार की घोषणा तीन साल से लंबित, सरकार से मांगा जवाब**

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। भाजपा युवा नेता राजेश परयाल ने प्रदेश सरकार और स्थानीय नेतृत्व पर कांगड़ा के विकास को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जनता अब केवल घोषणाओं और आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होगी। विकास तभी माना जाएगा, जब योजनाओं का लाभ धरातल पर आम लोगों तक पहुंचे।

परयाल ने कहा कि महिला मंडलों को 20 हजार रुपए देने की घोषणा पिछले करीब तीन वर्षों से लंबित है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इसका लाभ महिलाओं को कब मिलेगा। उन्होंने कांगड़ा के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान हर वर्ष पांच हजार रोजगार देने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक कितने युवाओं को रोजगार मिला, इसका जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार से प्रभावित होने वाले परिवारों के लिए उचित मुआवजे, सम्मानजनक पुनर्वास और भविष्य की सुरक्षा को लेकर स्पष्ट नीति बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि विकास जरूरी है, लेकिन इसकी कीमत स्थानीय परिवारों को अपनी पुश्तैनी जमीन और घर गंवाकर नहीं चुकानी चाहिए। परयाल ने सड़क निर्माण और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के चलते लोगों को यातायात और आवाजाही में परेशानी हो रही है। इसके अलावा कम दूरी के सफर पर भी शुल्क वसूली से स्थानीय लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से महिला मंडलों की सहायता, रोजगार, एयरपोर्ट प्रभावितों के पुनर्वास, सड़क व्यवस्था और शुल्क संबंधी समस्याओं पर स्पष्ट जवाब और ठोस कार्रवाई की मांग की। कहा कि कांगड़ा का विकास तभी सार्थक होगा, जब इसका लाभ आम जनता तक पहुंचे।

न्यूज ब्रीफ

बाबा विश्वकर्मा मंदिर में आज से गूंजेगी राम कथा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बाबा विश्वकर्मा मंदिर निर्माण समिति डियारा सेक्टर के तत्वावधान में 28वें श्री गणेश उत्सव के अवसर पर भव्य राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन 14 से 23 सितंबर तक मंदिर परिसर में होगा। कथा व्यास आचार्य अनिल शर्मा प्रतिदिन श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के पावन चरित्र और प्रसंगों का रसपान करवाएंगे। कथा का आयोजन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। समिति प्रवक्ता अनीश ठाकुर ने बताया कि राम कथा महोत्सव का शुभारंभ 14 सितंबर को भव्य शोभायात्रा से होगा। सुबह 11 बजे रामायण पुराण को श्री लक्ष्मण नारायण मंदिर से गाजे-बाजे और भजन-कीर्तन के साथ बाबा विश्वकर्मा मंदिर तक लाया जाएगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। समिति ने धर्मप्रेमी लोगों से परिवार सहित कथा में पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

डैहर पुल से सतलुज में गिरी महिला, मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। डैहर पुल से सतलुज नदी में छलांग लगाने के बाद 43 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना 12 सितंबर की है। सूचना मिलते ही बरमाणा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। स्थानीय लोगों ने महिला को नदी से बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका की पहचान सुनीता देवी (43), पत्नी भगत राम, निवासी गांव बडौन, डाकघर जडोल, तहसील सुंदरनगर, जिला मंडी के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के बयान दर्ज किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और जांच जारी है।

सेऊबाग में संदिग्ध हालत में ले जाई जा रही गाय बरामद, दो गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। कुल्लू-मनाली लेफ्ट बैंक मार्ग पर सेऊबाग में गो सेवा रक्षा दल की सतर्कता से कथित गो तस्करी का मामला सामने आया है। दल के सदस्यों ने संदिग्ध अवस्था में जा रही एक जीप को रोककर उसमें क्रूरतापूर्वक ले जाई जा रही एक गाय को बरामद किया। जीप रोके जाने के बाद स्थानीय लोगों ने वाहन सवारों से गाय के बारे में पूछताछ की। आरोपियों ने पहले गाय को अपना बताते हुए कहा कि वह रास्ते में छूट गई थी। इसी दौरान एक स्थानीय व्यक्ति ने गाय को अपना बताया। इस पर वाहन सवारों ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि यदि गाय उसकी है तो वह उसे ले जाए। मामला संदिग्ध लगने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस और गो सेवा रक्षा दल को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी भूप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। गो सेवा रक्षा दल के जिला अध्यक्ष शेरा नेगी भी गो सेवकों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ करने के बाद मामले की जांच शुरू की और कथित गो तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान फारूक निवासी हुरला, जिला कुल्लू और इमरान निवासी पद्धर, जिला मंडी के रूप में हुई है। एसपी कुल्लू अभिषेक ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। गो सेवा रक्षा दल के जिला अध्यक्ष शेरा नेगी ने मामले में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि गो सेवा रक्षा दल मवेशियों के लिए चारे और भोजन की व्यवस्था करने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा को लेकर भी लगातार सतर्क है।

कांगड़ा में किराना बास्केट सुपर मार्केट का शुभारंभ

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। धर्मशाला रोड स्थित बीरता में लोगों को रोजमर्रा की खरीदारी के लिए नई सुविधा मिली है। यहां 'किराना बास्केट सुपर मार्केट' का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शुभारंभ किया गया। शुभारंभ प्रबंध निदेशक संजीव जैन और गर्ग मॉडवेयर के प्रबंध निदेशक अनुज गर्ग ने किया। सुपर मार्केट में ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक ही छत के नीचे ग्रॉसरी, खाद्य सामग्री, ड्राई फ्रूट्स, रसोई की वस्तुएं और दैनिक उपयोग का सामान उपलब्ध करवाया गया है। इससे लोगों को अलग-अलग दुकानों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रबंध निदेशक संजीव जैन ने कहा कि सुपर मार्केट शुरू करने का उद्देश्य ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सामान उचित कीमतों पर उपलब्ध करवाना है। ग्राहकों की संतुष्टि और उत्पादों की गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाएगी। अनुज गर्ग ने क्षेत्रवासियों से सुपर मार्केट में आकर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुविधाजनक खरीदारी की व्यवस्था की गई है। शुभारंभ के साथ कांगड़ा क्षेत्रवासियों को रोजमर्रा की खरीदारी का नया विकल्प मिला है।

पुराने श्रम कानूनों को फिर से लागू करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन ने साक्षरता भवन, सोली खड्ड में चार श्रम संहिताओं के माध्यम से श्रमिकों के संवैधानिक अधिकारों पर कथित हमले के विरोध में शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से एसोसिएशन के सदस्य शामिल हुए। दवा प्रतिनिधियों के अखिल भारतीय संगठन एफएमआरएआई के अखिल भारतीय सचिव शेषनाथ तिवारी और उपाध्यक्ष शिव कुमार ने केंद्र सरकार द्वारा पारित चार श्रम संहिताओं के संभावित प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन संहिताओं को लेकर श्रमिकों के बीच जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। सीआईटीयू के अखिल भारतीय सचिव डॉ. कश्मीर सिंह ठाकुर ने कहा कि श्रम संहिताएं मजदूरों के अधिकारों को प्रभावित करती हैं। उन्होंने बताया कि इनके विरोध में विभिन्न मजदूर संगठन एक और दो दिसंबर को दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि मजदूर संगठन पुराने श्रम कानूनों को बहाल करने और नई श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग को लेकर आंदोलन को तेज करेंगे। उन्होंने इसे मजदूर वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए निर्णायक संघर्ष बताया।

बारिश से 101 सड़कें बंद; 84 बिजली ट्रांसफार्मर, 24 पेयजल योजनाएं प्रभावित

19 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट नहीं; कई हिस्सों में हल्की बारिश के आसार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ने के बीच पिछले 24 घंटों में कई हिस्सों में बारिश हुई, जिससे भूस्खलन के कारण 101 सड़कें अवरुद्ध हो गईं। राज्य में 84 बिजली ट्रांसफार्मर और 24 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं।

मौसम विभाग ने 19 सितंबर तक के पूर्वानुमान में किसी भी दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है। प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ रहा और धूप खिली रही, जबकि शिमला में बादल छाए हुए थे। अगले दो दिन राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की बारिश, 15 से 17 सितंबर के बीच कई जगह हल्की से मध्यम बारिश और 18-19 सितंबर को फिर कुछ जगह मौसम साफ तो कुछ स्थानों पर बारिश होने का अनुमान है। इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 11 फीसदी कम बारिश हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार बारिश और भूस्खलन के कारण रविवार सुबह तक सबसे ज्यादा 33 सड़कें मंडी जिले में बंद हैं। कुल्लू में 19 और कांगड़ा में 10 सड़कें अवरुद्ध हैं। शिमला जिले में 31 सड़कें बंद हैं। इनमें अकेले जुब्बल उपमंडल की 28, रामपुर की दो और सुन्नी की एक सड़क शामिल है। बारिश के कारण मंडी जिला के गोहर में 40, कुल्लू जिला के आनी में 32, चंबा जिला के डलहौजी में सात, शिमला जिला के ठियोग में तीन और रामपुर में दो बिजली ट्रांसफार्मर बंद हैं। ठियोग उपमंडल में 24 पेयजल योजनाएं भी ठप हैं।

मौसम विभाग के अनुसार मानसून की द्रोणिका इस समय जैसलमेर, कोटा, इंदौर, उत्तर विदर्भ और उससे सटे मध्य प्रदेश में बने कम दबाव वाले क्षेत्र, पुरी और फिर बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य हिस्से से गुजर रही है। जम्मू संभाग और आसपास के क्षेत्र में 3.1 से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच पश्चिमी विक्षोभ से जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण भी बना हुआ है।

मानसून में 1,683 करोड़ का नुकसान

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक इस मानसून सीजन में 30 जून से अब तक राज्य को बारिश से जुड़ी घटनाओं में करीब 1,683 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। इसमें लोक निर्माण विभाग को सबसे ज्यादा 1,231 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 298 लोगों की मौत हुई है और 521 लोग घायल हुए हैं, जबकि चार लोग लापता हैं। इस दौरान 129 घर, 17 दुकानें और 470 पशुशालाएं पूरी तरह ढह गईं, जबकि 502 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। मृतकों में 178 की जान सड़क हादसों में और 120 की मौत फ्लैश फ्लड, भूस्खलन, फिसलने, बहने तथा अन्य कारणों से हुई है।

दिल्ली में हिमाचल के बच्चों ने बिखेरा हुनर, सेलिना जेटली ने किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। ग्रूवी मूव्स डांस एवं मॉडलिंग अकादमी कांगड़ा के प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय स्तर की फैशन शो प्रतियोगिता 'फेस ऑफ कुडोस' के ग्रैंड फिनाले में शानदार प्रदर्शन कर हिमाचल का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 12 सितंबर को दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री सेलिना जेटली सेलिब्रिटी अतिथि के रूप में मौजूद रहीं और विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया। अकादमी के चार प्रतिभागियों केवलिन, गनिका, जैस्मीन और ध्रुवी का किड्स एवं जूनियर कैटेगरी में ग्रैंड फिनाले के लिए चयन हुआ था। प्रतियोगिता में किड्स कैटेगरी में गनिका ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि जैस्मीन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। केवलिन और ध्रुवी ने भी अपनी शानदार प्रस्तुतियों से निर्णायकों और दर्शकों को प्रभावित किया। अकादमी की संचालिका चिंकी गुप्ता ने प्रतिभागियों की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल उनकी प्रतिभा को पहचानकर उचित मंच उपलब्ध करवाने की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बच्चों की भागीदारी से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। 'अपना कांगड़ा एंटरटेनमेंट' के चेयरमैन सुमित गुप्ता ने भी सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा और बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में हिमाचली प्रतिभागियों की उपलब्धि से अकादमी और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

नूरपुर पुलिस की नशे के खिलाफ कार्रवाई 18 .78 ग्राम चिट्टे सहित तीन गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ नूरपुर पुलिस ने पिछले 24 घंटों में कार्रवाई करते हुए दो मामलों में 18.78 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद कर तीन आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने दोनों मामलों में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं।

पहले मामले में सीआईए नूरपुर की टीम ने डमटाल क्षेत्र में पुख्ता सूचना के आधार पर रेलवे अंडरब्रिज के समीप एक टीवीएस रेडर मोटरसाइकिल की तलाशी ली। सीट के नीचे से 10.62 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान मुनीष कुमार उर्फ मन्नू (26), निवासी भदरोया, इंदौरा के रूप में हुई है। डमटाल थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 25 के तहत प्राथमिकी संख्या 145/2026 दर्ज की गई है। दूसरे मामले में सीआईए टीम ने मध्यरात्रि जसूर के पुराने बस स्टैंड स्थित रैन शेल्टर के पास रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल की जांच की। सीट के नीचे से 8.16 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने राहुल और एक अन्य व्यक्ति को काबू किया है। इस संबंध में नूरपुर थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत प्राथमिकी संख्या 232/2026 दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार दोनों मामलों में मादक पदार्थ और वाहन कब्जे में ले लिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले 24 घंटों में नूरपुर पुलिस ने तीन बड़ी कार्रवाइयों में 3.700 किलोग्राम चूरा पोस्त और 18.78 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अभियान जारी रखने की बात कही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 4300 मामलों का हुआ निपटारा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राष्ट्रीय लोक अदालतों की कड़ी के तहत बिलासपुर जिले की विभिन्न अदालतों में लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) बिलासपुर की अध्यक्ष ज्योत्सना सुमंत उडवाला ने बताया कि लोक अदालत में कुल 6,230 मामले आपसी सहमति से निपटारे के लिए रखे गए थे। इनमें अदालतों में लंबित 5,946 मामले तथा 285 प्री-लिटिगेशन मामले शामिल थे। आपसी समझौते और समझाइश के माध्यम से कुल 4,300 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इनमें 4,229 लंबित और 71 प्री-लिटिगेशन मामले रहे। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से निपटाए गए मामलों में कुल 12.68 करोड़ रुपये से अधिक की समझौता राशि से जुड़े विवादों का अंतिम रूप से समाधान किया गया। लोक अदालत के आयोजन का उद्देश्य पक्षकारों को त्वरित, सुलभ और आपसी सहमति से न्याय उपलब्ध करवाना रहा।

मणिमहेश यात्रा पर जा रहे दो श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में मौत

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में पवित्र मणिमहेश यात्रा पर जा रहे पंजाब के दो श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा शनिवार रात चंबा-भरमौर नेशनल हाइवे पर गेहरा के पास बनोगी में हुआ। दोनों श्रद्धालु बाइक पर सवार होकर मणिमहेश धाम जा रहे थे।

हनुमान मंदिर के पास उनकी बाइक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। हादसे में बाइक सवार दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद गेहरा पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर बचाव कार्रवाई शुरू की और खाई में नीचे जाकर दोनों शवों को बाहर निकाला। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज चंबा पहुंचाया गया। मृतकों की पहचान अनिल कुमार और ज्योति प्रकाश दोनों निवासी गांव पंगोली, जिला पठानकोट, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों पंजाब से बाइक पर सवार होकर मणिमहेश धाम की यात्रा के लिए निकले थे।

पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बाइक कैसे दुर्घटनाग्रस्त हुई। पुलिस की जांच के बाद ही हादसे के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। दोनों शवों का पोस्टमार्टम आज करवाया जाएगा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मणिमहेश यात्रा चंबा जिले की प्रमुख धार्मिक यात्राओं में शामिल है। इस वर्ष आधिकारिक मणिमहेश यात्रा 4 सितंबर से 19 सितंबर तक आयोजित की जा रही है। यात्रा के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। पैदल यात्रा भरमौर के निकट हड़सर से शुरू होती है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हड़सर और अन्य स्थानों से हेलीकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है। यात्रा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए हड़सर स्थित बेस कैंप पर मेडिकल जांच अनिवार्य की गई है। चिकित्सकीय रूप से अस्वस्थ पाए जाने वाले लोगों को आगे यात्रा की अनुमति नहीं दी जाती। 75 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे लोगों को भी यात्रा की अनुमति नहीं है, जो चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं हैं।

हिमकेयर योजना को बदनाम करने के लिए रचा जा रहा जांच का नाटक: जयराम ठाकुर

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा कार्यकाल की अति

लोकप्रिय हिमकेयर योजना को बंद करने और उसे बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विधानसभा में 1100 करोड़ के घोटाले का अनर्गल दावा करते रहे, जबकि योजना की शुरुआत से अब तक कुल 850 करोड़ रुपए ही खर्च हुए हैं, जबकि अपनी फजीहत के बाद अब मुख्यमंत्री 100 करोड़ की गड़बड़ी की बात कहकर पुलिस अधिकारियों को जांच में लगा रहे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री को खुले मंच से चुनौती दी कि वे योजना में घोटाला साबित करके दिखाएं, अन्यथा राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही इस राजनीति से प्रेरित जांच की भी निष्पक्ष जांच करवाई जाएगी। रविवार को जयराम ठाकुर ने नाचन विधानसभा क्षेत्र में पंचायती राज संस्थाओं के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह में शिरकत करते हुए सभी सफल प्रतिनिधियों को बधाई दी। उन्हें पूर्ण निष्ठा, समर्पण तथा जनसेवा की भावना के साथ क्षेत्र के विकास में जुटने का आह्वान किया। इससे पूर्व यहां पहुंचे पर स्थानीय विधायक विनोद कुमार की अगुवाई में भव्य स्वागत हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर तीखे हमले बोले और आरोप लगाया कि पंचायती राज संस्थाएं लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी हैं। लेकिन वर्तमान सरकार ने चुनाव टालने के हर संभव हथकंडे अपनाए और अंततः माननीय सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ही ये चुनाव संपन्न हो सके, जिसमें जनता ने कांग्रेस को करारी शिकस्त दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के अपने गृह जिले और संसदीय क्षेत्रों में भी जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है और अब मुख्यमंत्री अपने लिए सुरक्षित सीट की तलाश कर रहे हैं।

'तालाबंदी' बन चुका है सरकार का गवर्नेंस मॉडल

प्रदेश के मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि 'तालाबंदी' ही सुक्खू गवर्नेंस का मुख्य मॉडल बन चुका है और चार साल का कार्यकाल पूरा होने को है, लेकिन विकास के मामले में प्रदेश वहीं खड़ा है जहां भाजपा सरकार इसे छोड़कर गई थी। राजनीतिक आंकड़ों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मंडी जिले ने 2017 और 2022 के चुनावों में भाजपा को भारी समर्थन दिया। और 2027 के विधानसभा चुनावों में भी मंडी की सभी 10 की 10 सीटें भाजपा ही जीतेगी। वहीं कांगड़ा से भी अबकी बार अच्छा माहौल है और भाजपा यहां भी कम से कम 12 सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल में स्नेह और यादों के साथ मनाया ग्रैंडपेरेंट्स डे

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल परिसर में मदर लैप और केजी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए ग्रैंडपेरेंट्स डे का विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के दादा-दादी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नन्हे-मुन्नों के साथ समय बिताते हुए यादगार पल साझा किए।

स्कूल प्रिंसिपल डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों और उनके दादा-दादी के बीच स्नेहपूर्ण रिश्ते को मजबूत करना था। इस दौरान ग्रैंडपेरेंट्स ने बच्चों के साथ स्टोरी टेलिंग, डांस, आर्ट एंड क्राफ्ट और सिंगिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। दादा-दादी को स्कूल में अपने साथ देखकर बच्चे भी खासे उत्साहित नजर आए। ग्रैंडपेरेंट्स की कहानियों और जीवन के अनुभवों ने बच्चों का मनोरंजन करने के साथ उन्हें परिवार की पुरानी यादों और संस्कारों से जुड़ने का अवसर दिया।

पूरे कार्यक्रम में बच्चों और बुजुर्गों के बीच स्नेह व अपनापन देखने को मिला। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. संजय गुप्ता ने कार्यक्रम में शामिल ग्रैंडपेरेंट्स को सक्रिय भागीदारी के लिए सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि दादा-दादी बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन विभिन्न पीढ़ियों के बीच भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में विंग कमांडर नरेंद्र राणा (सेवानिवृत्त), जीएम, शशि गौतम, डीजीएम, पारुल राजपूत, एलीमेंट्री कोऑर्डिनेटर, आरती ठाकुर सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

बिलासपुर पुलिस ने दर्ज किए मारपीट व धमकी के दो मामले

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के बरमाणा और झंडूता थाना क्षेत्रों में गाली-गलौज, मारपीट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी के दो अलग-अलग मामले दर्ज हुए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बरमाणा निवासी धर्मेंद्र कुमार ने शिकायत में आरोप लगाया कि 11 सितंबर को सरगना निवासी अक्षय कुमार उनकी दुकान में घुसा और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने बीएनएस की धारा 352 और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, झंडूता के डैहण निवासी शिवम शर्मा ने शिकायत में आरोप लगाया कि गांव की एक महिला ने उनके और माता-पिता के साथ मारपीट व गाली-गलौज की तथा घर के सामान में तोड़फोड़ की। पुलिस ने बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 351(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है। एसपी कार्यालय ने मामलों की पुष्टि की है।

फवां में श्रमिकों को एचआईवी एड्स के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। स्वास्थ्य विभाग अर्की की ओर से चलाए जा रहे एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान 3.0 के तहत फवां गांव में रह रहे प्रवासी श्रमिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान 12 अगस्त से 12 अक्तूबर तक चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को एचआईवी/एड्स की सही एवं वैज्ञानिक जानकारी देने के साथ संक्रमण से बचाव और समय पर जांच व उपचार के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अर्की डॉ. मुक्ता रस्तोगी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। एचआईवी काउंसलिंग एवं टेस्टिंग सर्विसेज, सिविल अस्पताल अर्की के काउंसलर डॉ. विजय कुमार शांडिल ने श्रमिकों को एचआईवी संक्रमण के कारणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचआईवी असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त, संक्रमित सुई या सिरिंज साझा करने तथा कुछ परिस्थितियों में संक्रमित मां से बच्चे में फैल सकता है। वहीं हाथ मिलाने, साथ बैठने, भोजन करने, गले मिलने, एक कमरे में रहने या मच्छर के काटने से एचआईवी नहीं फैलता। उन्होंने एचआईवी प्रभावित लोगों के साथ भेदभाव न करने और सम्मानपूर्वक व्यवहार करने की अपील की। श्रमिकों को समय पर एचआईवी जांच के महत्व की जानकारी देते हुए बताया गया कि जांच एवं परामर्श सेवाएं गोपनीय रखी जाती हैं। डॉ. शांडिल ने कहा कि एचआईवी की पुष्टि होने पर घबराने की जरूरत नहीं है। नियमित एंटीरेट्रोवायरल उपचार से संक्रमित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। उन्होंने सुरक्षित व्यवहार अपनाने और सही जानकारी दूसरों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

आर्थिकी — हल्दी-जिमीकंद की खेती से लाखों का कारोबार, एमएसपी से किसानों को मिला सहारा

प्राकृतिक खेती से समृद्ध हो रहे बिलासपुर के किसान

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के करोट गांव निवासी प्रेम ठाकुर और उनके तीन भाई श्याम लाल ठाकुर, मस्तराम ठाकुर तथा छोटा राम प्राकृतिक खेती के जरिए विभिन्न फसलों का उत्पादन कर परिवार की आर्थिकी मजबूत कर रहे हैं। परिवार पारंपरिक फसलों गेहूं, मक्की और धान के साथ-साथ हल्दी व जिमीकंद जैसी नकदी फसलों का भी बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रहा है। प्राकृतिक खेती से तैयार इनकी फसलों ने प्रदेश के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई है।

परिवार के श्याम लाल ठाकुर को कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर की ओर से वर्ष 2003 में कृषि दूत सम्मान से नवाजा जा चुका है। वर्ष 2009 में उन्हें जिमीकंद की खेती के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। परिवार वर्ष 1998 से जिमीकंद की खेती कर रहा है और हर साल बड़ी मात्रा में जिमीकंद प्रदेश व बाहरी राज्यों में भेजता है। इसके अलावा बिलासपुर के प्रसिद्ध नलवाड़ी मेले में परिवार की बैलों की जोड़ी को कई वर्षों तक सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार भी मिल चुका है। 65 वर्षीय किसान प्रेम ठाकुर ने बताया कि पिछले तीन-चार वर्षों से वह प्राकृतिक तरीके से हल्दी की खेती पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। इस वर्ष करीब 20 क्विंटल प्राकृतिक हल्दी का उत्पादन हुआ। इसमें से छह क्विंटल हल्दी आत्मा परियोजना के माध्यम से 90 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेची गई, जबकि शेष हल्दी आसपास के लोगों ने इसी दर पर खरीदी। इससे करीब दो लाख रुपये का कारोबार हुआ। वह हर वर्ष औसतन 20 से 25 क्विंटल हल्दी का उत्पादन करते हैं। प्रेम ठाकुर काली हल्दी का उत्पादन भी कर रहे हैं। इस वर्ष करीब डेढ़ क्विंटल काली हल्दी तैयार हुई, जिसके लिए उन्हें 300 रुपए प्रति किलोग्राम तक का दाम मिला। औषधीय गुणों के कारण इसकी मांग अच्छी है। अब वह मेघालय की प्रसिद्ध लकाडोंग हल्दी की खेती की ओर भी बढ़ रहे हैं, जिसमें अन्य किस्मों की तुलना में करक्यूमिन की मात्रा अधिक होती है। उन्होंने बताया कि परिवार तीन बीघा भूमि में जिमीकंद की खेती कर रहा है और प्रतिवर्ष 50 से 60 क्विंटल उत्पादन करता है। बाहरी राज्यों में जिमीकंद 60 से 80 रुपए प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। इसके अलावा परिवार धान, मक्की, सोयाबीन और दालों का प्राकृतिक उत्पादन करने के साथ विभिन्न फसलों का बीज भी तैयार करता है। आत्मा परियोजना के माध्यम से प्रशिक्षण के साथ महाराष्ट्र में सात दिवसीय एक्सपोजर विजिट का अवसर भी मिला। प्रेम ठाकुर ने प्राकृतिक हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलोग्राम करने के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पहली बार किसानों के हित में फसलों का एमएसपी तय किए जाने से प्रदेश के हजारों किसान परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्राकृतिक गेहूं का एमएसपी 60 से बढ़ाकर 80 रुपये, मक्की का 40 से बढ़ाकर 50 रुपये तथा कच्ची हल्दी का 90 से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलोग्राम किया है।

वहीं, पहली बार अदरक का एमएसपी 30 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। उपनिदेशक कृषि कुलभूषण धीमान ने बताया कि आत्मा परियोजना के माध्यम से इस वर्ष 136 किसानों से करीब 183 क्विंटल गेहूं 80 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा गया है। मक्की 60 रुपये और हल्दी 150 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदी जाएगी। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों का उचित मूल्य किसानों को मिले। इससे किसानों की आर्थिकी मजबूत होने के साथ लोगों को रसायनरहित और पोषणयुक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर, इन्हें संजोना सभी का दायित्व : जितेंद्र

भारतेन्दु संवाददाता, बरमाणा। गुग्गा मेला उत्सव समिति बरमाणा की पहली स्टार नाइट में हिमाचल के प्रसिद्ध लोक गायक कुलदीप शर्मा ने अपनी दमदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

मंच पर पहुंचते ही युवाओं और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने 'दरोगा जी इना छोरुयां', 'ईना छोरूआं जो लई समझाई' सहित 'रोडू जाना ओ मेरी अमिएं', 'धोबन पानी जो चली' और 'रीडिया ते रेडिया' जैसे लोकप्रिय पहाड़ी गीत प्रस्तुत किए। उनके गीतों पर दर्शकों ने जमकर नाटी डाली। कार्यक्रम में हिमुडा निदेशक मंडल सदस्य जितेंद्र चंदेल मुख्य अतिथि और बीडीटीएस उपप्रधान गंगा सिंह ठाकुर विशेषातिथि रहे। चंदेल ने कहा कि मेले हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और लोक परंपराओं के संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

गुग्गा मेला समिति द्वारा आयोजन को 26वें वर्ष तक पहुंचाना सराहनीय है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से मेले को सफल बनाने में सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बरमाणा से उनका विशेष लगाव है और क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत काला राम की मंडली ने गुग्गा जाहरवीर की वंदना से की। स्थानीय कलाकारों, महिला मंडल और डीएवी स्कूल की छात्राओं ने भी प्रस्तुतियां दीं। समिति पदाधिकारियों ने अतिथियों का टोपी, शॉल और फूल मालाओं से स्वागत किया। मंच संचालन सचिव संजीव भारद्वाज ने किया।

खूबसूरत टेनिस खिलाड़ी पाउला बडोसा

पाउला बडोसा एक खूबसूरत और प्रसिद्ध महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। वह स्पेन से हैं और अपनी खूबसूरती और टेनिस में शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 2024 सीजन में नौ महिला एकल मैचों में भाग लिया है, जिनमें से दो मैचों में उन्होंने खेल के बीच में ही संन्यास ले लिया।

रिबाकिना ने पहली बार जीता यूएस ओपन

एरिना सबालेंका से नंबर-1 स्थान के बाद अमेरिकी ओपन का ताज भी छीना

एजेंसी, न्यूयॉर्क

एलेना रिबाकिना ने सेमीफाइनल में पहुंचकर एरिना सबालेंका से विश्व रैंकिंग में नंबर एक स्थान छीना लेकिन वह यहीं पर नहीं रुकी और उन्होंने पिछली दो बार की चैंपियन को फाइनल में तीन सेट में हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब भी अपने नाम कर दिया। रिबाकिना को जिस टूर्नामेंट में लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा था आखिर में उसी में उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल की।

रिबाकिना ने शनिवार को सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराकर अमेरिकी ओपन में अपना पहला खिताब जीता। इस तरह से उन्होंने सबालेंका की खिताबी हैट्रिक पूरी करने की उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया। उन्होंने अमेरिकी ओपन में बेलारूस की सबालेंका का 19 मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। सबालेंका यहां 2023 के फाइनल में कोको गॉफ से पराजित होने के बाद से नहीं हारी थीं। यूएस ओपन जीतने के बाद रिबाकिना ने कहा, 'जो कुछ हुआ उसे समझना अब भी बहुत मुश्किल है। पिछले कुछ सप्ताह में मैंने बहुत सारी उपलब्धियां हासिल की।' यह रिबाकिना का तीसरा और इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इस साल दोनों ही खिताब उन्होंने सबालेंका के खिलाफ हार्ड कोर्ट पर जीते। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के खिताबी मुकाबले में सबालेंका को हराकर सत्र की शुरुआत की थी।

रूस में जन्मीं लेकिन कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाली 27 वर्षीय रिबाकिना ने 2022 में विंबलडन में अपना पहला बड़ा खिताब जीता और अब उन्हें करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए केवल फ्रेंच ओपन जीतने की जरूरत है।

अमेरिकी ओपन में 2000 के बाद यह तीसरा अवसर था जब पहले और दूसरे नंबर की खिलाड़ी फाइनल खेल रही थी। लेकिन यह पहला अवसर था जब दूसरे नंबर की खिलाड़ी ने जीत हासिल की। अन्य दो मुकाबलों में सेरेना शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी थीं। उन्होंने 2002 में अपनी बहन वीनस और 2013 में विक्टोरिया अजारेंका को हराया था।

चोट से जूझने के बाद हासिल की बड़ी सफलता

रिबाकिना ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यूयॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रिबाकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

55 लाख डॉलर का पुरस्कार भी जीता

इस जीत से रिबाकिना ने 55 लाख डॉलर की कमाई की, जो ग्रैंड स्लैम इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है। उन्होंने इस सत्र में तीन खिताब जीतकर सबालेंका और फ्रेंच ओपन विजेता मीरा एंड्रीवा की भी बराबरी की। सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले, लेकिन यह स्पष्ट था कि यह रकम उनके लिए खास मायने नहीं रखती। वह हार से बेहद निराश थी और उन्होंने मैच की समाप्ति पर नेट पर रिबाकिना के साथ गले मिलने के बाद अपना रैकेट तोड़ दिया।

हॉकी इंडिया के महानिदेशक आरके श्रीवास्तव निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली

जर्सी विवाद समेत आठ आरोपों पर हॉकी इंडिया ने भेजा कारण बताओ नोटिस

हॉकी इंडिया ने शनिवार को अपने महानिदेशक (डीजी) कमांडर आर के श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनके सभी अधिकार तत्काल प्रभाव से छीन लिए। भारतीय हॉकी टीम की जर्सी के रंग में बदलाव का विवाद इस नोटिस में लगाए गए प्रमुख आरोपों में शामिल है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की की ओर से उनके वकील के माध्यम से भेजे गए नोटिस में श्रीवास्तव पर कुल आठ आरोप लगाए गए हैं। उन्हें नोटिस मिलने के चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित अवधि में जवाब नहीं देने पर उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है। नोटिस में स्पष्ट शब्दों में कहा गया, 'तत्काल प्रभाव से हॉकी इंडिया के महानिदेशक के रूप में आपके सभी अधिकार समाप्त किए जाते हैं और हॉकी इंडिया के उपनियमों के अनुसार आगे के निर्णय तक आप किसी भी अधिकार का प्रयोग नहीं करेंगे और न ही हॉकी इंडिया की ओर से कोई कार्य करेंगे।' अध्यक्ष कार्यालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया कि इसका उद्देश्य हॉकी इंडिया में अनुशासन, जवाबदेही, पारदर्शिता, रिकॉर्ड के संरक्षण और संस्था के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करना है। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया कि यह कार्रवाई अंतिम आरोप निर्धारण या अंतिम अनुशासनात्मक दंड नहीं है। नोटिस के मुताबिक, ''यह निर्देश हॉकी इंडिया के अध्यक्ष की ओर से अनुशासन, जवाबदेही, पारदर्शिता, रिकॉर्ड के संरक्षण और हॉकी इंडिया के सुचारु संचालन को बनाए रखने के लिए जारी किया गया है। श्रीवास्तव के खिलाफ लगाए गए प्रमुख आरोपों में भारतीय राष्ट्रीय टीम की जर्सी का रंग बदलने का मामला शामिल है।

स्पोर्ट्स विंडो

बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने आखिरी गेंद पर जीता मुकाबला, प्लेऑफ में बनाई जगह

एजेंसी, ब्रिजटाउन। बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने सैड्रैक डेसकार्टे के शानदार अर्धशतक और गुडाकेश मोती के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर केंसिंग्टन ओवल में खेले गए कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के 34वें मुकाबले में जमैका किंग्समेन को आखिरी गेंद पर हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ट्राइडेंट्स ने प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर जमैका भी चौथी टीम के रूप में प्लेऑफ में पहुंच गई। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए जमैका ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। जवाब में बारबाडोस ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 151 रन बनाते हुए जीत अपने नाम की। 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बारबाडोस की शुरुआत खराब रही और टीम ने पावरप्ले में 36 रन पर 3 विकेट खो दिए। जैकरी कार्टर 03, ब्रैंडन किंग 18 और रिवाल्डो क्लार्क एक रन पर आउट होकर टीम की मुश्किलें बढ़ा गए। इसके बाद सैड्रैक डेसकार्टे और क्विंटन डी कॉक ने पारी को संभालने की कोशिश की। हालांकि, डी कॉक 14 रन बनाकर आउट हो गए। शेरफेन रदरफोर्ड भी 5 रन बनाकर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुए। आखिरी दो गेंदों पर जीत के लिए दो रन चाहिए थे, जो बाबाडोस ने बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। गुडाकेश मोती 8 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 17 रन बनाए।

माइक हेसन हो सकते हैं पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच, सरफराज की छुट्टी

एजेंसी, इस्लामाबाद। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का 0-3 से सफाया हो गया। सीरीज के तीसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा बदलाव करते हुए सरफराज अहमद को कोचिंग जिम्मेदारी से हटा दिया और सात खिलाड़ियों को भी घर भेज दिया। इसके बाद पाकिस्तान के सफेद गेंद के कोच माइक हेसन को बर्मिंघम में तीसरे टेस्ट के लिए टीम की जिम्मेदारी संभालने के लिए बुलाया गया। अब सीरीज खत्म होने के बाद हेसन ने साफ कर दिया है कि अगर उन्हें पाकिस्तान की टेस्ट टीम का स्थायी कोच बनने का मौका मिलता है तो वह इस भूमिका के लिए तैयार हैं। हेसन ने कहा, 'मैंने इस समय इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा है। मेरे वापस लौटने के करीब एक सप्ताह बाद एशियाई खेल शुरू होने वाले हैं और सफेद गेंद के लिहाज से इस समय मेरा मुख्य ध्यान उसी पर है। इसके बाद जब टेस्ट टीम को लेकर आगे चर्चा होगी, तब मुझे लगता है कि इस बारे में बात होगी।' उन्होंने आगे कहा, 'हां, मैं इसके लिए निश्चित रूप से तैयार रहूंगा। मुझे टेस्ट क्रिकेट पसंद है और मुझे लगता है कि पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में पर्याप्त प्रतिभा मौजूद है। अगर हम उन्हें अच्छी दिशा दे सकें तो टीम आगे बढ़ सकती है। हालांकि, यह एक-दो मैच में नहीं होने वाला है। लेकिन मुझे लगता है कि वहां काफी प्रतिभा है और मैं उसकी जिम्मेदारी संभालने पर विचार करूंगा।'

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को ग्लोबल चेस लीग में मिली पहली हार

एजेंसी, बेंगलुरु। ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में शनिवार को खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी।

अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में किया बड़ा उलटफेर

एजेंसी, दोहा

भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया। मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

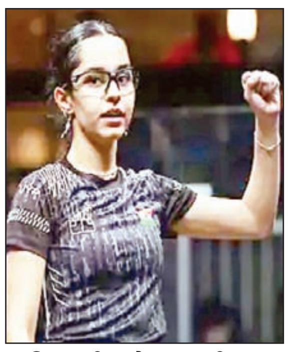

मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया

टिने गिलिस से होगा प्री-क्वार्टर फाइनल

पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी। अनाहट सिंह प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से मुकाबला है।

चामिंडा वास हो सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच

एजेंसी, नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया। दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है। बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

एमबाप्पे के दो गोल से रियाल मैड्रिड विजयी

स्पेनिश फुटबाल लीग ला लिगा में रायो वैलेकानो को 4-1 से हराया

एजेंसी, बार्सिलोना

किलियन एमबाप्पे के दो गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबाल लीग ला लिगा में बड़ी जीत हासिल की, जबकि क्रिस्टियन पुलिसिच ने विश्व कप के बाद अपना पहला मैच खेला और एसी मिलान को इटली की सीरी ए में ड्रॉ दिलाने में मदद की। इंग्लैंड में प्रीमियर लीग में लिवरपूल और चेल्सी को एक बार फिर ड्रॉ से संतोष करना पड़ा लेकिन शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल ने जीत हासिल की। जर्मन लीग बुंडेसलिगा में बोरुसिया डॉर्टमुंड और फ्रीबर्ग का अजेय अभियान जारी रहा जबकि मोनाको ने फ्रांस की लीग1 में पहली बार अंक गंवाए। रियाल मैड्रिड की रायो वैलेकानो पर 4-1 से जीत में पहला और आखिरी गोल एमबाप्पे ने किया। लिवरपूल और फुलहम के बीच मुकाबला गोलरहित रहा जबकि चेल्सी ने स्टैमफोर्ड ब्रिज में हल के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ खेला। ब्रूनो गुइमारेस और बुकायो साका के गोल की मदद से आर्सेनल ने सुंदरलैंड के खिलाफ 2-0 की जीत से प्रीमियर लीग में शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बना ली।

मेसी के एक गोल की बदौलत इंटर मियामी ने नैशविले से 2-2 से ड्रॉ खेला

एजेंसी, मियामी। लियोनेल मेस्सी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में सत्र का अपना 19वां गोल किया, जिससे इंटर मियामी और पहले स्थान पर काबिज नैशविले के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। मेस्सी ने 62वें मिनट में बाएं पैर से शॉट मारकर स्कोर 2-1 कर दिया, जिससे लग रहा था कि मियामी इस सत्र में नैशविले पर अपनी पहली जीत दर्ज कर लेगा। लेकिन नैशविले के सैम सुरिज ने स्टॉपेज टाइम के ठीक एक मिनट बाद अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया और इस सत्र में मियामी के खिलाफ चार मुकाबलों में अपनी टीम को अजेय बनाए रखा। इस ड्रॉ से नैशविले ने अंक तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज मियामी पर नौ अंक की बढ़त कायम रखी।

टाटा संस की एनबीएफसी अर्जी खारिज

आरबीआई के फैसले से टाटा संस के शेयर बाजार में आने की बढ़ी संभावना

एजेंसी, मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस की नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी के रूप में अपना पंजीकरण समाप्त करने और लाइसेंस सरेंडर करने की अर्जी खारिज कर दी है। आरबीआई ने अपने फैसले में कहा कि कंपनी की अर्जी को मंजूर नहीं किया जा सकता। केंद्रीय बैंक के इस फैसले से टाटा संस के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की संभावना और मजबूत हो गई है। टाटा संस ने कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी के रूप में अपना पंजीकरण रद्द कराने के लिए आरबीआई के समक्ष आवेदन किया था। कंपनी का तर्क था कि कुछ नियामकीय प्रावधानों के कारण उसे अनिवार्य रूप से सूचीबद्ध होना पड़ सकता है।

टाटा संस को कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से जुड़े आरबीआई के नियमों के दायरे में आती है। इन नियमों के तहत बड़ी संपत्ति वाली कुछ एनबीएफसी के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना आवश्यक है। एक ट्रिलियन रुपये से अधिक की संपत्ति वाली कंपनियों अथवा सार्वजनिक धन तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष पहुंच रखने वाली कंपनियों पर ऐसे नियामकीय प्रावधान लागू होते हैं।

अगली रणनीति पर नजर

आरबीआई के फैसले ने फिलहाल टाटा संस के लिए लाइसेंस सरेंडर कर नियामकीय दायरे से बाहर निकलने का रास्ता बंद कर दिया है। अब कंपनी को नियमों के अनुरूप आगे बढ़ना होगा। बाजार की नजर इस बात पर रहेगी कि टाटा संस सूचीबद्ध होने की दिशा में क्या कदम उठाती है।

टाटा संस पर लिस्टिंग का दबाव बढ़ा

आरबीआई की ओर से इस वर्ष अगस्त की शुरुआत में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए एनबीएफसी की एक सूची जारी की गई थी, जिसमें टाटा संस का नाम भी शामिल था। इस श्रेणी में आने वाली कंपनियों पर कम से कम पांच वर्ष तक कड़े नियामकीय प्रावधान लागू रहते हैं। साथ ही संबंधित कंपनियों को अपनी पहचान होने के तीन वर्ष के भीतर सूचीबद्ध होना आवश्यक होगा। ऐसे में आरबीआई के ताजा फैसले के बाद टाटा संस के सामने सूचीबद्ध होने का विकल्प और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। टाटा संस के लिए यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब कंपनी के शीर्ष नेतृत्व को लेकर भी बदलाव की चर्चा चल रही है।

टाटा संस के भविष्य की रणनीति पर उठे सवाल

कंपनी की भविष्य की रणनीति और उसके स्वामित्व ढांचे को लेकर भी बाजार में लगातार चर्चा होती रही है। ऐसे में आरबीआई का ताजा फैसला टाटा संस के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आरबीआई ने वर्ष 2022 में स्केल-बेस्ड रेगुलेशन के तहत बड़ी एनबीएफसी के लिए नए प्रावधान जारी किए थे। इन नियमों के तहत टाटा संस जैसी बड़ी कंपनियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना था।

महंगाई, कच्चे तेल और फेड से तय होगी बाजार की चाल

एजेंसी, मुंबई

आगामी सप्ताह शेयर बाजार के लिए कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरा रहेगा। 15 से 18 सितंबर के बीच बाजार की दिशा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले, घरेलू महंगाई के आंकड़ों, कच्चे तेल की कीमतों और पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों से प्रभावित हो सकती है। गणेश चतुर्थी के कारण आज शेयर बाजार बंद रहेगा, जिससे कारोबारी सत्र भी सीमित रहेंगे।

निवेशकों की सबसे अधिक नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक और ब्याज दरों को लेकर उसके रुख पर रहेगी। फेड की टिप्पणी से वैश्विक बाजारों के साथ भारतीय बाजार में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। घरेलू स्तर पर अगस्त के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई के आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में होने वाली गतिविधियां भी भारतीय शेयर बाजार को प्रभावित कर सकती हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति में किसी भी बदलाव का असर तेल की कीमतों और निवेशकों के रुख पर पड़ सकता है। बेरोजगारी और व्यापार संतुलन के आंकड़े भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। ऐसे में आगामी सप्ताह निवेशकों के लिए सतर्कता और सावधानी वाला रहने की संभावना है।

रिन्यूएबल एनर्जी में एसीएमई सोलर का बढ़ा दबदबा

एसीएमई सोलर ने राजस्थान में शुरू किया 66.68 मेगावाट प्रोजेक्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने राजस्थान में अपने 300 मेगावाट के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट का पहला चरण शुरू कर दिया है। कंपनी ने 12 सितंबर 2026 को 66.68 मेगावाट क्षमता वाले पहले चरण को सफलतापूर्वक शुरू किया। यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर जिले की छत्तरगढ़ तहसील के केलन गांव में स्थित है और इसे कंपनी की सहायक इकाई एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से विकसित किया गया है। परियोजना के इस चरण के लिए वाणिज्यिक संचालन की तारीख 14 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

कंपनी के लिए यह परियोजना महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि राजस्थान देश के प्रमुख सौर ऊर्जा केंद्रों में शामिल है। बीकानेर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सौर ऊर्जा क्षमता के बीच एसीएमई सोलर की मौजूदगी भी मजबूत होगी। जब 300 मेगावाट की पूरी परियोजना चालू हो जाएगी, तब कंपनी की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और उत्पादन में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

एसीएमई सोलर भारत की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में शामिल है और सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार पर लगातार जोर दे रही है। देश में स्वच्छ ऊर्जा की मांग बढ़ने के साथ इस क्षेत्र में कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा भी तेज हो रही है। अदाणी ग्रीन एनर्जी और एनटीपीसी जैसी बड़ी कंपनियां भी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। ऐसे में राजस्थान की यह परियोजना एसीएमई सोलर के लिए कारोबार विस्तार के साथ बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

चीनी के दाम घटे दाल-तेल चढ़े

एजेंसी, नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी के भाव में नरमी देखने को मिली। सप्ताह के दौरान चीनी की औसत कीमत 165 रुपये प्रति क्विंटल घटकर सप्ताहांत में 5,523 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। वहीं, गुड़ के भाव में 10 रुपये प्रति क्विंटल की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। चीनी के साथ चावल की कीमत भी 49 रुपये घटकर 4,072 रुपये प्रति क्विंटल रह गई, जबकि गेहूं 2,863 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत में 15 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई और यह 3,352 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। दूसरी ओर, दालों के भाव में तेजी रही। तुअर दाल 87 रुपये, उड़द 28 रुपये, चना दाल 23 रुपये, मूंग दाल 20 रुपये और मसूर दाल 17 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। खाद्य तेलों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। मूंगफली तेल 309 रुपये और वनस्पति 97 रुपये प्रति क्विंटल चढ़े। सरसों तेल 84 रुपये, पाम ऑयल 61 रुपये, सूरजमुखी तेल 57 रुपये और सोया तेल 26 रुपये प्रति क्विंटल महंगे हुए।

आर्थिकसहयोग दिसंबर तक जियो क्रेडिट को मिल सकती बड़ी पूंजी

जियो क्रेडिट में 18,268 करोड़ लगाएगा बोफा

एजेंसी, नई दिल्ली

गैर-बैंकिंग ऋणदाता जियो क्रेडिट को अमेरिकी बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) से 18,268 करोड़ रुपये की बड़ी पूंजी मिलने की उम्मीद है। यह निवेश दिसंबर तक नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद पूरा होने की संभावना है। जियो क्रेडिट की मूल कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस पूंजी का इस्तेमाल कंपनी अपने कारोबार को तेजी से विस्तार देने और प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों यानी एयूएम को बढ़ाने के लिए करेगी।

कंपनी पूंजी मिलने के बाद अपनी कारोबारी रणनीति और उत्पाद योजनाओं की दोबारा समीक्षा करेगी। इसका उद्देश्य अधिक ग्राहकों तक ऋण सेवाएं पहुंचाना और एयूएम में तेजी से वृद्धि करना है। जियो क्रेडिट का मौजूदा एयूएम करीब 30,000 करोड़ रुपये है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हितेश सेठिया के अनुसार, नई पूंजी मिलने के बाद इसे लगभग पांच गुना तक बढ़ाने की क्षमता बन सकती है।

बैंक ऑफ अमेरिका भी जियो क्रेडिट के कारोबार को तेजी से विस्तार देने की आवश्यकता से सहमत है। कंपनी का मानना है कि पर्याप्त पूंजी मिलने से वह अपने ऋण कारोबार को व्यापक स्तर पर बढ़ा सकेगी। इसके लिए नए उत्पाद पेश करने, मौजूदा उत्पादों को मजबूत करने और बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच जियो क्रेडिट के लिए यह निवेश काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की रणनीति वित्तीय सेवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की रही है।

जियो क्रेडिट विस्तार की तैयारी

मंजूरी मिलने के बाद कंपनी यह तय करेगी कि पूंजी का इस्तेमाल किन क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। कंपनी के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती इस पूंजी का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए कारोबार को तेजी से बढ़ाने की है। यदि जियो क्रेडिट एयूएम को मौजूदा स्तर से कई गुना बढ़ाने में सफल रहती है, तो इससे जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की वित्तीय सेवाओं में स्थिति और मजबूत हो सकती है। बोफा से मिलने वाली 18,268 करोड़ रुपये की पूंजी इसलिए केवल वित्तीय निवेश नहीं, बल्कि जियो क्रेडिट के विस्तार और भविष्य की कारोबारी रणनीति के लिए महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।